

Daily

सच के हक में...

## THE PHOTON NEWS

दफतीन न्यूज Published from Ranchi

क्रिसमस पर राजधानी के गिरजाघरों में उमड़ी भीड़ कैंडल जलाकर प्रेम और शांति का मांगा गया आशीष

## मसीही विश्वासियों ने प्रभु यीशु में दिखाई असीम आस्था



हर चर्च में सुबह की प्रार्थना के बाद लोगों ने एक-दूसरे को दी बधाई, बांटे उपहार

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को राजधानी में धूमधाम से क्रिसमस मनाया गया। मसीही विश्वासियों ने प्रभु यीशु में असीम आस्था दिखाई। सभी गिरजाघरों में सुबह से ही भीड़ देखी गई। सुबह की प्रार्थना के बाद लोगों ने प्रेम और अमन की चाहत के साथ एक-दूसरे को बधाई दी। शहर के अलग-अलग चर्च में प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसके बाद सुबह से लेकर शाम तक चर्च परिसर में पहुंचकर लोग प्रेरणित करते रहे। होली एंजेल चर्च कोकर, संत मरिया महागिरजाघर मिशन चौक, जीईएल चर्च मेन रोड, संत पॉल कैथेड्रल चर्च बहुबाजार समेत अन्य गिरजाघरों में लोगों ने कैंडल जलाकर प्रार्थना की। इसके बाद एक-दूसरे को उपहार भी दिया। मिठाइयां, चाकलेट बांटकर एक-दूसरे के साथ क्रिसमस सल्लिखत किया। महाधर्मार्थक ने केक काटा और अपने हाथों से सभी को खिलाया।

**तीन चरणों में किया गया प्रेरणित :** क्रिसमस पर्व के अवसर पर चर्चों में प्रेम, शांति का महील देखने को मिला। तीन चरणों में चर्च में प्रेरणित हुआ। सुबह 6 बजे से लेकर दोपहर 1 बजे तक यीशु जन्म पर्व पर विशेष प्रार्थना की गई। पुरुलिया रोड स्थित संत मरिया महा गिरजाघर में प्रभु यीशु और माला मरियम के पास विश्वासियों ने कैंडल जलाकर प्रेम और शांति का आशीष मांगा। सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग प्रार्थना के लिए चर्चों में जुटने लगे थे।



**प्रभु को जीवन में दें स्थान :** जीईएल चर्च के बिशप जॉनसन लकड़ा ने क्रिसमस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व केवल उत्सव या दिखावे का नहीं, बल्कि मनुष्य के जीवन में यीशु मसीह को स्थान देने का संदेश है। अपने कार्य व व्यवहार से दूसरों के जीवन में क्रिसमस की सच्ची बधाई देनी चाहिए। सीएनआई चर्च के फादर जॉनसन कुजूर ने कहा कि यीशु मसीह का जन्म संपूर्ण मानव जाति के कल्याण के लिए हुआ है। वे केवल घटना नहीं, बल्कि संसार को पापों से मुक्त करने के लिए उद्धारकर्ता के रूप में आए हैं।



SARAFI

सोना : 12,915

चांदी : 245.00

(नोट : सोना 22 केरट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

बांग्लादेश में एक और हिंदू युवक की पीटकर हत्या

**NEW DELHI :** बांग्लादेश में एक बार फिर भीड़ ने हिंदू युवक को पीट-पीटकर मार डाला है। घटना बुधवार रात करीब 11:00 बजे राजबाड़ी जिले के होसेनडांगा गांव में हुई। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 29 वर्षीय अमृत मंडल उर्फ स्यादत के तौर पर हुई है। इससे पहले 18 दिसंबर को ढाका के पास हिंदू युवक दीपू चंद दास की भीड़ ने हत्या कर दी थी। बाद में उसे पेड़ पर लटकाकर जला दिया था। मृतक होसेनडांगा गांव का ही निवासी था।

खालिदा जिया के बेटे 17 साल बाद लौटे बांग्लादेश

**NEW DELHI :** बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के बेटे तारिक रहमान 17 साल बाद देश लौट आए हैं। गिरफ्तारी से बचने के लिए 2008 में लंदन भाग गए थे। तब हसीना सरकार में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के कई मामले चल रहे थे। तारिक के स्वागत में उनकी पार्टी बीएनपी के 1 लाख से ज्यादा कार्यकर्ता जुटे। ढाका एयरपोर्ट से लेकर 300 फीट रोड तक रोड शो किया। इसके बाद तारिक ने एयरपोर्ट अस्पताल में अपनी मां से मुलाकात की। बांग्लादेश में अगले साल 12 फरवरी को आम चुनाव होने हैं। खालिदा जिया के बीमार होने की वजह से माना जा रहा है कि रहमान अगले पीएम के दावेदार हो सकते हैं।

थाई सेना ने कंबोडिया में भगवान विष्णु की तोड़ी मूर्ति

**NEW DELHI :** थाईलैंड और कंबोडिया के बॉर्डर पर थाई सेना ने भगवान विष्णु की एक मूर्ति तोड़ दी। एशियानेट न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक थाई सेना ने बुलडोजर चलाकर मूर्ति को गिरा दिया। घटना सोमवार, 22 दिसंबर की बताई जा रही है। कंबोडिया ने इसे लेकर नाराजगी जताते हुए कहा कि मूर्ति उसके इलाके में थी, जिसे थाईलैंड ने अवैध तरीके से गिरा दिया। मूर्ति की ऊंचाई 30 फीट बताई जा रही है। कंबोडिया के प्रीह विहार प्रांत के सरकारी प्रवक्ता किम चापनहा ने कहा कि इस मूर्ति को 2014 में थाईलैंड की सीमा से करीब 100 मीटर दूर बनाया गया था।

सांसद खेल महोत्सव संपन्न : खिलाड़ियों को प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन किया संबोधित, कहा-

## खेल में नहीं होती हार, कोई जीत जाता तो किसी को मिलती सीख

PHOTON NEWS RANCHI :

20 अगस्त से पूरे देश में चल रहे सांसद खेल महोत्सव का गुरुवार को समापन हो गया। इस मौके पर रांची सहित देश भर के 237 स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खिलाड़ियों से न केवल ऑनलाइन बात की, बल्कि उन्हें संबोधित कर उत्साह से भर दिया। उन्होंने कहा कि खेल के मैदान में कोई जीतता है, कोई सीखता है, मगर हार किसी की नहीं होती। पीएम के इस संबोधन को जैसे ही रांची के ओटीसी ग्राउंड में खिलाड़ियों ने सुना, तालियों की गड़गड़ाहट से परिसर गूंज उठा। प्रधानमंत्री ने बच्चों के माता-पिता से आग्रह किया कि वे बच्चों को खेलने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि खेल स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मस्तिष्क की बुनियाद है। पीएम ने खिलाड़ियों से कहा कि आपके जोश, जज्बा और उत्साह देखकर

खिलाड़ियों के जोश, जब्बे और उत्साह में स्वर्णिम भारत के हो रहे दर्शन

290 से ज्यादा सांसदों की रही भागीदारी, एक करोड़ से अधिक युवाओं ने कराया रजिस्ट्रेशन

खेल का स्केल जितना बड़ा होगा, उतना ही व्यापक होगा उसका इंपैक्ट

शहरों से लेकर गांवों तक के हर बैकग्राउंड के युवा इस महोत्सव में हुए शामिल

रांची सहित देशभर के 237 स्थानों पर हुआ कार्यक्रम का आयोजन

राजधानी के ओटीसी ग्राउंड में जुटे खिलाड़ी



रोज नए रिकॉर्ड बना रहे खिलाड़ी

प्रधानमंत्री ने खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाते हुए कहा कि आज भारत के खिलाड़ी लगातार रिकॉर्ड तोड़कर नए रिकॉर्ड बना रहे हैं और वैश्विक खेल मानचित्र पर देश को नई पहचान दिला रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल आज केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र गौरव



रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ हुए शामिल

रांची के ओटीसी ग्राउंड में आयोजित सांसद खेल महोत्सव समापन के मौके पर रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ शामिल हुए। इस मौके पर छठ नृत्य सहित विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। खिलाड़ियों को टी-शर्ट के अलावा सभी फुटबॉल टीमों को दो नेट और एक फुटबॉल दिया गया। करीब चार महीने तक चले इस खेल

महोत्सव में एथलेटिक्स, फुटबॉल सहित कुल 8 खेल प्रतिस्पर्धा आयोजित हुए। अकेले फुटबॉल में कुल 147 टीमों ने भाग लिया। रांची लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक विधानसभा में हर दिन तीन चार मैच हुए। तीरदाजी, कबड्डी, मैराथन, फुटबॉल, वुशु जैसे खेलों में खिलाड़ी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मुझे स्वर्णिम भारत के दर्शन हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि सांसद खेल महोत्सव में 290 से ज्यादा सांसदों की भागीदारी है। एक करोड़ से अधिक युवाओं ने रजिस्ट्रेशन स्केल जितना बड़ा होगा, उतना ही व्यापक उसका इंपैक्ट होगा।

50% टैरिफ को घटाने का प्रस्ताव, नए साल में टोस फैसले की उम्मीद

ट्रेड वार्ता में भारत ने अमेरिका के सामने दिखाया सख्त स्टैंड, टैरिफ 15% करने का दिया ऑफर

NEW DELHI @ PTI :

सख्त स्टैंड जाहिर करते हुए भारत ने अमेरिका के सामने ट्रेड वार्ता में अपना फाइनल प्रस्ताव रख दिया है। भारत ने स्पष्ट किया है कि उस पर लागू 50% टैरिफ को घटाकर 15% किया जाए। साथ ही रूस से कच्चा तेल खरीदने पर जो एक्सट्रा 25% पेनाल्टी लगाई गई है, उसे पूरी तरह खत्म किया जाए। दोनों देशों के बीच चल रही इस वार्ता से नए साल में कोई टोस फैसला निकलने की उम्मीद जताई जा रही है। उल्लेखनीय दोनों देशों

हटाई जाए रूस से तेल खरीदने पर लगी 25% पेनाल्टी



के बीच एक व्यापक द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत चल रही है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल का कहना है कि समझौते पर जल्द सहमति

दो मुद्दों पर हो रही बातचीत

**पहला :** एक बड़े और स्थायी व्यापार समझौते पर  
**दूसरा :** अमेरिका की तरफ से भारत पर लागू 50% टैरिफ को हटाने या कम करने के लिए एक फेजवर्क समझौते पर

बन सकती है, हालांकि उन्होंने कोई तय समय सीमा नहीं बताई। इस हफ्ते भारत और अमेरिका की व्यापार टीमों के बीच दिल्ली में बैठक हुई।

कंधमाल के चाकापाड़ थाना क्षेत्र और गंजाम जिले के रांभा वन क्षेत्र में ऑपरेशन ओडिशा में 2 महिलाओं सहित 6 नक्सली ढेर

BHUBANESWAR @ PTI :

गुरुवार को ओडिशा के कंधमाल में सुरक्षाबलों ने एनकाउंटर में 6 नक्सलियों को ढेर कर दिया। इनमें एक करोड़ से ज्यादा का इनामी सेंट्रल कमेट्री मेंबर (सीसीएम) गणेश उडके भी शामिल है। दो महिला नक्सली भी मारी गई हैं। मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। सुरक्षाबलों को कंधमाल जिले के चाकापाड़ इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी का इन्फुट मिला था। इसी इन्फुट के आधार पर 23 टीमों को ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। यह ऑपरेशन कंधमाल जिले के चाकापाड़ थाना क्षेत्र और गंजाम जिले के रांभा वन क्षेत्र में चलाया गया।

मारे गए नक्सलियों में एक करोड़ से ज्यादा का इनामी गणेश उडके भी शामिल



अलग-अलग स्थानों पर कई बार हुई गोलीबारी

अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों पर माओवादीयों और एसओजी जवानों के बीच कई बार गोलीबारी हुई। मुम्बई के बाद इलाके में सर्चिंग की गई, जिसमें 5 नक्सलियों के शव मिले। इनमें 4 पुरुष और 2 महिलाएं हैं। सभी माओवादी वही हैं। मौके से 2 एसएस राइफल और एक 303 राइफल बरामद हुई हैं। गौरतलब है कि कंधमाल के नजदीक 4 दिसंबर को खोसीगढ़के दंतवाड़ा व बीजापुर

सबकी डेड बॉडी और कई हथियार बरामद, माओवादी वर्दी में थे सभी

अभियान में 20 एसओजी, दो सीआरपीएफ और एक बीएसएफ टीम थी शामिल

ब्राइट पयूचर न्यू एजुकेशन पॉलिसी के तहत बड़े प्लान पर शुरू किया जा रहा काम

## बेटियों की उच्च शिक्षा को जल्द मिल सकता है नया मुकाम

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK :

केंद्र की मोदी सरकार ने अपने विगत दो कार्यकालों और तीसरे कार्यकाल के अब तक के समय में जो महत्वपूर्ण सुधार के कदम उठाए हैं, उनमें शिक्षा का क्षेत्र भी शामिल है। साल 2020 की नेशनल एजुकेशन पॉलिसी यानी राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसका प्रमाण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा से अध्ययन के नए आयाम जोड़ने के लिए तमाम प्रयास हुए हैं। इन प्रयासों के परिणाम के संकेत भी सामने आ रहे हैं। शिक्षा के मूल उद्देश्य को समानता और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ते हुए इसकी व्यापक मानवीय आधार प्रदान करना है। हाल ही में केंद्र सरकार ने बेटियों के लिए उच्च शिक्षा को नए आयाम से जोड़ने हुए सुविधाओं की दृष्टि से संपन्न बनाने की बड़ी पहल की है। देशक राष्ट्रीय शिक्षा नीति देश की शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव है। इसका लक्ष्य इसे अधिक समग्र, लचीला व कोशल-उन्मुख बनाना है, जो 10+2 दोबोरी की जगह 5+3+3+4 की नई संरचना पेश करती है। कक्षा 5 तक मातृभाषा या स्थानीय भाषा में शिक्षा पर जोर देती है। व्यावसायिक शिक्षा को एकीकृत करती है।

आज से तीन दिनों तक राज्यों के साथ केंद्र सरकार प्रारंभ करेगी मंथन सभी 800 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल बनाने पर गंभीरता से हो रहा विचार

वित्तीय वर्ष 2026-27 के आम बजट में सरकार कर सकती है घोषणा



ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों की लड़कियों को बेहतर हायर एजुकेशन से जोड़ना है लक्ष्य

शिक्षा मंत्रालय की ओर से वित्त मंत्रालय को भेजा जा चुका है विस्तृत प्रस्ताव

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अध्ययन के नए आयाम जोड़ने के हुए हैं अनेक प्रयास

28 दिसंबर तक मुख्य सचिवों के साथ होगी मीटिंग

2030 तक 100 प्रतिशत सकल नामांकन अनुपात का लक्ष्य रखती है, साथ ही उच्च शिक्षा में एक एकल नियामक (मेडिकल और लॉ को छोड़कर) और कई प्रवेश या निकास बिंदुओं के साथ लचीली डिग्री विकल्प प्रदान करती है। केंद्र सरकार ने ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों की बेटियों को उच्च शिक्षा से व्यापक रूप से जोड़ने के लिए एक बड़ी योजना को मुकम्मल करने का फैसला किया है। इसके तहत देश के सभी 800 जिलों में गर्ल्स हॉस्टल बनाए जाएंगे, ताकि घर से कॉलेज दूर होने के कारण लड़कियों की पढ़ाई न छूटे। शिक्षा मंत्रालय ने इसका व्यापक प्रस्ताव वित्त मंत्रालय को भेज दिया है। उम्मीद है कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के आम बजट में इसकी घोषणा हो सकती है। दिल्ली में 26 से 28 दिसंबर तक सभी राज्यों के मुख्य सचिवों की एक महत्वपूर्ण बैठक होने जा रही है।

तमिलनाडु में बस ने दो कारों को कुचला, 9 मरे

CHENNAI :

तमिलनाडु के कन्नूर जिले में बुधवार देर रात सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि तिरुचिरापल्ली से चेंनाई जा रही रोडवेज बस का स्टेट हाईवे पर टायर फट गया था। बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ती हुई दूसरी लेन में घली गई और सामने से आ रही 2 कारों को कुचल दिया। दोनों कारें बस के नीचे फंसकर पूरी तरह चकनाचूर हो गईं। हादसे की सूचना मिलते ही तिताकुडी और रामनाथम पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से फंसे लोगों को बाहर निकाला। घायलों को तिताकुडी और परेखलूर के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण चेंनाई-तिरुचि नेशनल हाईवे पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। करीब दो घंटे बाद क्रैन से वाहन हटाकर यातायात चालू किया गया।

चित्रदुर्ग के हिरियूर में लॉरी से टक्कर के बाद हादसा कर्नाटक में स्लीपर बस में लगी आग, 10 लोगों की जलकर मौत

AGENCY CHITRADURGA :

कर्नाटक के चित्रदुर्ग में बुधवार देर रात स्लीपर बस में टक्कर के बाद आग लग गई। हादसे में बस में सवार 10 से ज्यादा लोग जिंदा जल गए। हादसा एनएच-48 पर हिरियूर तालुक में हुआ। बस बेंगलुरु से गोकर्ण जा रही थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक बस में 30 से ज्यादा यात्री थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रात 2.30 बजे तेज रफ्तार लॉरी डिवाइडर तोड़कर दूसरी तरफ से जा रही प्राइवेट कंपनी की सीबैट ट्रांसपोर्ट की बस से टकरा गई। बस में तुरंत आग लग गई। उस समय यात्री सो रहे थे। इस कारण उन्हें खुद को बचाने का मौका नहीं मिला। पुलिस का कहना है कि



ज्यादातर यात्रियों ने टिकट ऑनलाइन बुक किए थे। इससे पुलिस को उनके फोन नंबर मिल गए हैं। उनके परिवारों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है। जले हुए शवों की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट करवाया जाएगा। ईस्ट जोन के इंस्पेक्टर जनरल ऑफ पुलिस रविकांत गौड़ा ने बताया कि बस के ड्राइवर और क्लीनर बच गए हैं, जबकि ट्रक के ड्राइवर-क्लीनर की मौत हो गई है।

# जामताड़ा में लूट की घटना के विरोध में बाजार बंद कर सड़क पर उतरे व्यापारी

हवा में तीर चला रही पुलिस, अब तक नहीं पकड़े गए डकैत

**PHOTON NEWS JAMTARA :** अर्जता चौक स्थित एक आभूषण दुकान में बुधवार की शाम हुई सनसनीखेज लूट की वारदात के विरोध में गुरुवार को जामताड़ा शहर के व्यापारियों ने अपनी-अपनी प्रतिष्ठान बंद रखीं। बंद का आह्वान चैंबर ऑफ कॉमर्स ने किया था। सभी व्यापारी एकजुट होकर बंद के समर्थन में सड़कों पर उतरे और घटना के खिलाफ विरोध जताया। व्यापारियों का कहना है कि आज प्रतीकालक रूप से दुकानें बंद कर प्रतीकालक को चेतना जा रहा है। अगर, जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई नहीं हुई, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। बंद को सफल बनाने के लिए व्यापारी शहर में घूम-घूमकर अन्य



विरोध प्रदर्शन करते व्यापारी

दुकानदारों से भी प्रतिष्ठान बंद रखने की अपील करते नजर आए। गौरतलब है कि बुधवार शाम बालाजी ज्वेलर्स नामक आभूषण दुकान में नकाबपोश चार अपराधियों ने हथियार के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया था। लूट के दौरान अपराधियों ने दुकान संचालक को दो गोलियां मार दीं। गंभीर रूप से घायल दुकानदार को दुर्गापुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पेट और गर्दन में गोली फंसी हुई है, जिसका ऑपरेशन गुरुवार को

किया जाना है। घटना के बाद से पूरे शहर में दहशत का माहौल है और व्यापारियों में आक्रोश व्याप्त है। लोग कानून-व्यवस्था को लेकर प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

**BRIEF NEWS**

एनएमसीएच में समान काम-समान वेतन की उठाई मांग



**DHANBAD :** शाहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल के करीब 500 आउटसोर्स कर्मचारी समान काम-समान वेतन की मांग कर रहे हैं। उनकी यह मांग दस वर्ष पुरानी है, लेकिन उनकी बात पर कोई ध्यान नहीं दे रहा है। इन कर्मचारियों में नर्सिंग स्टाफ, टेक्नीशियन, सफाईकर्मी और अन्य सहायक शामिल हैं। कर्मचारियों ने कहा कि हम स्थायी कर्मचारियों के समान काम करते हैं, लेकिन हमें वेतन बहुत कम दिया जाता है। महिला कर्मचारी रीना कुमारी ने बताया कि अस्पताल में करीब 500 पारा-मेडिकल स्टाफ हैं। हमने इसी संस्थान में रहकर अपनी पढ़ाई भी पूरी की, लेकिन समान काम के बदले समान वेतन नहीं मिल रहा है। किराए के मकान में रहकर ड्यूटी करते हैं। हमें 15 हजार रुपये वेतन दिया जा रहा है। कोई छुट्टी नहीं मिलती है। किसी तरह की मेडिकल सुविधा भी नहीं मिलती है। वेतन वृद्धि की मांग पर जब भी आंदोलन करते हैं, हमें काम से निकाल देने की धमकी दी जाती है। कर्मचारी मुकेश कुमार दास ने बताया कि स्थायी कर्मचारियों की तरह हम भी काम करते हैं, लेकिन हमें समान वेतन नहीं दिया जाता है। स्थायी कर्मचारियों को लगभग 60 हजार रुपये वेतन मिलता है, लेकिन हमें महज 15 हजार रुपये मिलते हैं। फ्रंटलाइन एजेंसी में हम काम करते हैं। कल के दिन यदि ये एजेंसी बदल गई तो हम बेरोजगार हो जाएंगे।

लाभुकों के खाते में आ रहा नवंबर का पैसा

**SERAIKELA :** झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मैर्यां सम्मान योजना के तहत लंबे इंतजार के बाद लाभार्थी महिलाओं को साल के अंत में राहत भरी खबर मिली है। नवंबर महीने की 2,500 रुपये की किस्त अब महिलाओं के आधार से जुड़े बैंक खातों में ट्रान्सफर की जा रही है। क्रिसमस पर्व के मौके पर राज्य सरकार ने जिला प्रशासनों को निर्देश देकर भुगतान प्रक्रिया तेज कर दी है, जिससे हजारों परिवारों को त्योहारी सीजन में आर्थिक संबल मिला है। राज्य के 24 जिलों में से 20 जिलों में नवंबर की किस्त का भुगतान पूरी तरह पूरा हो चुका है। 23 दिसंबर से शुरू हुई यह प्रक्रिया आधार आधारित डीबीटी के जरिए सीधे खातों में की जा रही है, जिससे बिचौलियों की कोई गुंजाइश नहीं रह गई है। शेष चार जिलों झ देवघर, गुमला, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावा में तकनीकी एवं दस्तावेजी कारणों से थोड़ी देरी हुई थी, लेकिन 24 दिसंबर की शाम से यहां भी भुगतान शुरू हो गया है। अधिकारियों का दावा है कि 25 दिसंबर तक इन जिलों की सभी लाभुकों को राशि मिल जाएगी। सामाजिक सुरक्षा निदेशालय के निदेशक विजय कुमार ने स्पष्ट किया कि योजना के लिए फंड की कोई कमी नहीं है। सरकार के पास फरवरी 2026 तक की राशि उपलब्ध है। दिसंबर महीने की किस्त जनवरी 2026 में सोहराय और दूसरे पर्व के अवसर पर जारी करने की तैयारी है, ताकि आदिवासी बहुल क्षेत्रों में त्योहारों के दौरान महिलाओं को आर्थिक सहायता मिल सके। राजधानी रांची में इस योजना के सबसे अधिक लाभार्थी हैं। जिला प्रशासन के अनुसार यहां 3 लाख 93 हजार 84 महिलाओं के खातों में 98 करोड़ 27 लाख 10 हजार रुपये की राशि ट्रान्सफर की जा चुकी है।

## ईट भट्टा में लोडिंग के दौरान ट्रैक्टर पलटा, श्रमिक की मौत

**PALAMU :** पलामू जिले के नावकाबाजार थाना क्षेत्र के तुकबेरा पंचायत अंतर्गत छतवा गांव स्थित एक ईट भट्टा पर बुधवार रात करीब 8 बजे काम के दौरान बड़ा हादसा हो गया। ईट लोडिंग के समय ट्रैक्टर पलटने से 28 वर्षीय मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक छतवा गांव का रहने वाला सुजीत चंद्रवंशी (28) था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक सुजीत ट्रैक्टर में ईट लोड कर रहा था। तभी संतुलन बिगड़ गया और ट्रैक्टर पलट कर उसके ऊपर जा गिरा। हादसे में उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ईट भट्टा परिसर में अफरातफरी मच गई। स्थानीय ग्रामीणों ने फौरेन नावा बाजार थाना को सूचना दी। सूचना



मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेज दिया। हादसे में जखमी मजदूर को भी इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। इधर, हादसे के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। हादसे के कारणों की गहनता से जांच की जा रही है।

## माँब लिंगिंग के शिकार युवक के परिजनों से मिले बाबूलाल मरांडी

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** गिरिडीह जिले के राजधनवार स्थित सिरसाय में जमीन विवाद में कमलेश सिंह नामक युवक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी गुरुवार को मानिकबाद गांव पहुंचे और मृतक के परिजनों से मिले। बाबूलाल ने मृतक के पिता मुंशी सिंह से घटना की विस्तृत जानकारी ली। मुंशी सिंह ने बताया कि 17 दिसंबर को सिरसाय के प्रदीप राय नामक व्यक्ति ही उनके पुत्र कमलेश को घर से बुलाकर ले गया था। शाम को पता चला कि बरोटाड़ गांव के किशोरी अग्रवाल सहित अन्य लोगों ने कमलेश की हत्या कर दी है। पीलिस ने कई मामलों में मीडिया से बातचीत में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि क्रूरता की सीमा



राजधनवार में कमलेश के परिजनों के साथ बाबूलाल मरांडी

लांघ कर युवक की हत्या की गई है। इस घटना में सलिलप दोषियों को सजा मिले, इसका यथासंभव प्रयास किया जा रहा है। गिरिडीह के एसपी ने उन्हें बताया है कि इस घटना में सलिलप दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। घटना में सलिलप अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। शीघ्र ही सभी आरोपी पकड़ लिए जाएंगे।

## बिथुनपुरा में चोरी की वारदात, ज्वेलरी शॉप से 50 लाख कीमत का माल उड़ा ले गए चोर

**GARHWA :** पलामू जिले के गढ़वा प्रखंड स्थित बिथुनपुरा में बुधवार देर रात चोरों ने प्रसिद्ध व्यवसायी राम हरख प्रसाद गुप्ता के प्रतिष्ठान शुभ लक्ष्मी वस्त्रालय और मुन्ना ज्वेलर्स में बड़ी चोरी हो गई, जिसमें चोर लगभग 50 लाख के सोना-चांदी के आभूषण, नकदी व कपड़े ले गए। जानकारी के अनुसार, चोर दुकान के पीछे की गलियारा अंदर घुसे। भीतर घुसते ही उन्होंने अलमारी को तोड़ डाला। दुकान के अंदर चारों ओर कपड़े, जेवरों की डिब्बे बिखरे पड़े थे। पहचान संभव न होने के लिए चोर दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की हार्ड डिस्क भी ले गए। चोरों ने दुकान में रखे लोहे के लॉकर को भी तोड़ने की कोशिश की, लेकिन शायद अधिक दृढ़ होने के कारण नहीं ले गए। व्यवसायी विनोद उर्फ मुन्ना गुप्ता ने बताया कि रोज की तरह बुधवार रात करीब 8 बजे दुकान बंद कर वे घर चले गए थे। गुरुवार सुबह जब दुकान खोली गई, तो ताला टूटा हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही बिथुनपुरा के थाना प्रभारी राहुल सिंह पहुंचे और जांच शुरू की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की जा रही है। घटना को लेकर स्थानीय व्यवसायियों में भारी आक्रोश है। व्यवसायी संघ के अध्यक्ष अमराकशा गुप्ता ने कहा कि जब तक चोरी का खुलासा नहीं होता, सभी दुकानों को बंद कर सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।



## दुमका में कार का चक्का बदल रहे युवक को ट्रक ने रौंदा, मौत

**DUMKA :** जामा थाना क्षेत्र के बारापलसी गांव के पास दुमका-भागलपुर मुख्य मार्ग (एनएच-114ए) पर सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान विशाल यादव (30) के रूप में हुई है। बताया जाता है कि विशाल जब बोलैरो कार का चक्का बदल रहा था, तभी उसे एक ट्रक ने रौंदा दिया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। पुलिस के अनुसार, दुमका के मुफरिखल थाना क्षेत्र के रामपुर गांव का रहने वाला विशाल अपने दोस्तों के साथ कार से हसडीहा की ओर जा रहा था। रास्ते में जामा थाना के बारापलसी गांव के पास कार का चक्का पंकर हो गया था। विशाल कार से उतरकर चक्का बदलने लगा। सड़क पर कुहासे की वजह से विजिलिबिलिटी काफी कम थी। इसी बीच विपरीत दिशा से आ रहे एक ट्रक ने उसे रौंदा दिया। घटना के बाद ट्रक चालक तेजी से भाग गया। ट्रक ने शव को लगभग 100 मीटर तक धसीट दिया था, जिससे शव क्षत-विक्षत हो गया। मृतक शहीदशूदा था और उसके दो छोटे-छोटे बच्चे हैं। पुलिस ने क्षत-विक्षत शव को पोस्टमार्टम के लिए दुमका के फूलो-झानो मेडिकल कॉलेज-अस्पताल भेज दिया। पुलिस ट्रक को पकड़ने का प्रयास कर रही है।

## मवेशी चराने गए बुजुर्ग की हत्या, जंगल में मिला शव

**AGENCY PALAMU :** जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के डबरा जंगल में एक व्यक्ति की हत्या कर दी गयी। उसकी पहचान नावाडीह तेंनार गांव के पंचू मोची (65) के रूप में हुई है। पंचू सोमवार को मवेशी चराने के लिए घर से निकले थे, लेकिन वापस लौटकर नहीं आए। परिजन खोजबीन में जुटे थे। इसी क्रम में डबरा जंगल से बुधवार शाम को शव बरामद किया गया। गुरुवार को शव का पोस्टमार्टम एमएमसीएच में किया गया। मौके पर डबरा मुखिया पति नन्दू मोची मौजूद थे। परिजनों के अनुसार सोमवार को पंचू मोची अपना और गांव के मवेशियों को लेकर चराने के लिए निकले थे। लेकिन वे शाम तक नहीं लौटे। खोजबीन करने पर



पोस्टमार्टम हाउस के बाहर खड़े परिजन

कुछ पता नहीं चला। वहीं बुधवार को परिजनों ने घटना की जानकारी मुखिया पति नन्दू मोची को दी। मुखिया पति ने ग्रामीणों के साथ पंचू की खोज में निकले। घर से दार्दिलोमीटर दूर डबरा जंगल में पंचू के शव को बरामद किया गया। परिजनों के अनुसार पंचू की हत्या किसी धारदार हथियार से

अपराधियों ने कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद शव का अंतिम संस्कार गांव में कर दिया गया। इस घटना को अंधविश्वास से जोड़कर देखा जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार ओझागुणी का आरोप लगाकर हत्या की आशंका है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

## बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी में लगी आग



कोयला लदी मालगाड़ी में लगी आग को बुझाने दमकलकर्मी

**BOKARO :** धनबाद रेल मंडल के बोकारो जिला अंतर्गत बोकारो थर्मल रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी में आग लग गई। आग की लपटें और धुआं उठता देख यात्रियों और रेल कर्मियों में दहशत फैल गई। गोमिया स्टेशन मास्टर ने इसकी सूचना बोकारो थर्मल स्टेशन के स्टेशन अधीक्षक शैलेश कुमार को दी। उनकी सूचना पर डीवीसी की दमकल गाड़ी पहुंची। दमकल की टीम ने कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझ जाने से बड़ी दुर्घटना टल गई। स्टेशन अधीक्षक शैलेश कुमार ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस घटना में किसी के हतहत होने या बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने की बात कही है। स्थानीय लोगों ने स्टेशन अधीक्षक और दमकल कर्मियों की तत्परता को सराहते हुए कहा कि समय पर दमकल गाड़ी नहीं पहुंचती, तो बड़ी घटना हो सकती थी।

क्राइम आभूषण कारोबारी बन रहे आसान निशाना, राज्य के 10 जिलों में हुई 15 बड़ी वारदात, कानून-व्यवस्था पर खड़े हुए सवाल

## झारखंड में ज्वेलरी दुकानों पर अपराधियों का कहर, छह महीने में 17 करोड़ की लूट

**PHOTON NEWS RANCHI :** रामगढ़ और जामताड़ा में इसी सप्ताह हुई ज्वेलरी दुकानों में लूट की सनसनीखेज वारदातों ने झारखंड में कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन ताजा घटनाओं के साथ यह साफ हो गया है कि राज्य में आभूषण कारोबारी अपराधियों के सबसे आसान और बड़े निशाने बन चुके हैं।



प्रतीकालक तस्वीर

हथियारबंद लुट्टे में एक ज्वेलरी दुकान से करीब तीन करोड़ रुपये के सोने-चांदी के गहने और नकदी लूट ली थी, जबकि इसी हफ्ते 24 दिसंबर को जामताड़ा के मुख्य बाजार कायस्थपाड़ा चौक पर बालाजी ज्वेलर्स में चार बाइक सवार

बदमाशों ने धावा बोलकर लाखों की ज्वेलरी लूटी और विरोध करने पर दुकान मालिक अमन वर्मा को गोली मार दी। ये दोनों वारदात राज्य में पिछले छह महीनों से जारी ज्वेलरी दुकानों को निशाना बनाने वाले अपराधियों की सिलसिले की

कड़ी हैं। इस अवधि में हजारोंवाग, जामताड़ा, जमशेदपुर, बोकारो, पलामू, गिरिडीह, साहेबगंज, देवघर, गढ़वा और रामगढ़ समेत दस जिलों में कुल 15 बड़ी लूट और चोरी की घटनाएं हुई हैं, इन वारदातों ने व्यापारी वर्ग में दहशत पैदा कर दी है, तो दूसरी ओर कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस ने कई मामलों में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराधियों को पकड़ने में सफलता हासिल की है, लेकिन लगातार हो रही इन सनसनीखेज घटनाओं ने पुलिस के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई वारदातें दिनदहाड़े या थाना क्षेत्र से महज सौ-दो सौ मीटर की दूरी पर हुई हैं।

## बीते छह महीनों की प्रमुख घटनाएं

24 दिसंबर : जामताड़ा शहर के मुख्य बाजार कायस्थपाड़ा चौक स्थित बालाजी ज्वेलर्स में बाइक सवार चार अपराधियों ने धावा बोला। उन्होंने लाखों रुपये मूल्य की ज्वेलरी लूट ली तथा विरोध करने पर दुकान मालिक अमन वर्मा को गोली मार दी।  
24 दिसंबर : गढ़वा जिले के बिथुनपुरा में एक ज्वेलरी एवं वस्त्र दुकान से लगभग 50 लाख रुपये की चोरी हुई। चोर फरार होने से पहले सीसीटीवी की हार्ड डिस्क भी साथ ले गए।  
20 दिसंबर : रामगढ़ जिले के भुरकुंडा थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी दुकान पर पांच हथियारबंद लुट्टे में हमला किया गया। चोरों ने तीन करोड़ रुपये के सोने-चांदी के आभूषण एवं नकदी कुल 15 करोड़ रुपये के सोने-चांदी के गहने लेकर फरार हो गए।  
16 नवंबर : हजारोंवाग के बरसी चौक पर जय माता दी ज्वेलर्स के मालिक रविंद्र कुमार से हथियारबंद अपराधियों ने रात करीब नौ बजे लगभग पांच करोड़ रुपये के जेवर लूट लिए। उस समय वे दुकान बंद करके जेवरों से भरा बैग कार में रख रहे थे।

01 नवंबर : साहेबगंज में तीनपहाड़ थाने से मात्र 100 मीटर की दूरी पर एक ज्वेलरी दुकान से 15 लाख रुपये के जेवरों की चोरी हो गई।  
31 अक्टूबर : गिरिडीह जिले के निमियाघाट थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड पर सतोथ ज्वेलर्स का शटर गला एवं लॉकर तोड़कर अपराधियों ने करीब 15 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण चुरा लिए।  
30 अक्टूबर : पलामू जिले के पांडू थाना क्षेत्र में महालक्ष्मी ज्वेलर्स का शटर काटकर अपराधी लगभग 50 लाख रुपये के सोने-चांदी के गहने लेकर फरार हो गए।  
25 अक्टूबर : गिरिडीह जिले के बेंगाबाद बाजार में एमटी ज्वेलर्स में संघटित लुट्टे में आभूषण चुरा लिए।  
10 लाख रुपये के जेवरों चुरा लिए।  
07 सितंबर : रामगढ़ थाना क्षेत्र के सतकोडी नगर में होलसेल ज्वेलरी दुकान जीसी ज्वेलर्स से अपराधियों ने तीन लाख रुपये के जेवर लूट लिए।  
03 सितंबर : जमशेदपुर के सोनारी डिस्ट्रिक्ट रोड स्थित वद्वहमान ज्वेलर्स में

दिनदहाड़े छह अपराधियों ने कर्मचारियों की कम्पटी पर पिस्तौल सटाकर 36 लाख रुपये के जेवर लूट लिए।  
02 सितंबर : हजारोंवाग के बरकुंडा में बैंक ऑफ इंडिया के पास ज्योति ज्वेलर्स से अपराधियों ने करीब 20 लाख रुपये के गहने एवं नकदी लूट ली।  
30 जून : जमशेदपुर के चाणुलिया थाना क्षेत्र में बिरसा चौक के पास पिस्तौल के बल पर एक ज्वेलरी दुकानदार से लगभग डेढ़ करोड़ रुपये के सोना एवं नकदी लूट ली गई।  
26 जुलाई : देवघर के पालोजोरी में एक ज्वेलरी दुकान का शटर तोड़कर 3.65 लाख रुपये के गहने एवं नकदी चुराई गई।  
23 जून : बोकारो के आस्था थाना क्षेत्र के बाईपास रोड पर आस्था ज्वेलर्स में चार अपराधियों ने घुसकर पांच करोड़ रुपये के जेवर एवं नकदी लूट ली।  
21 जून : पलामू जिले के लेस्लीगंज थाने से मात्र 150 मीटर दूर गांधी चौक पर रात के समय एक ज्वेलरी दुकान मालिक को निशाना बनाकर चोरों ने 30 लाख रुपये के जेवर चुरा लिए।

## पुलिस ने जब्त किया 70 टन कोयला

**RAMGARH :** जिले में दो लोगों की ओर से सहयोगियों के साथ मिलकर कोयले का खनन करने के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए खनन कार्य को रोक दिया गया। आरोप अनूप पाठक और शालू खान पर लगाया है। मामले में एसपी अजय कुमार की सक्रियता से कोयला के अवैध कारोबार को ठप किया गया। उपर्युक्त दोनों आरोपितों की ओर से खनन किए गए कोयला का अवैध भंडारण हेसला स्थित शालू खान अर्ध सलमान खान के गोल भट्टे में किया गया था। इसे लेकर एसपी के निर्देश पर रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने छापेमारी की और गोल भट्टे से लगभग 70 टन अवैध कोयला जब्त कर लिया। एसपी ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रामगढ़ थाना अंतर्गत महुआटांड, हेसला स्थित शालू उर्फ सलमान खान के गोल भट्टे कैम्पस में अवैध रूप से चोरी का कोयला का भंडारण किया गया है।

# झारखंड में महिला सशक्तीकरण का प्रबल आधार बन गई मंईयां सम्मान योजना

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड में इस साल हुए विधानसभा के चुनाव में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में 'इंडिया' गठबंधन ने बंपर जीत हासिल की थी। इस जीत में अगस्त 2024 में शुरू की गई मंईयां सम्मान योजना की अहम भूमिका मानी जाती है। आज के समय में यह कहना गलत नहीं होगा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के एक निर्णय ने प्रदेश में सियासी उपलब्धियों की तस्वीर को बदल डाला। वास्तव में यह योजना अब महिला सशक्तीकरण का प्रबल आधार बन चुकी है। मुफ्त बिजली, सड़क, और पानी से लेकर अंगदान गाइडलाइन तक सीएम हेमंत के दर्जनों निर्णयों और नई योजनाओं ने सरकार की प्राथमिकता को साफ कर दिया है। यह महत्वपूर्ण है कि सरकार ने सामाजिक सुरक्षा और कल्याण पर सबसे ज्यादा ध्यान दिया। इसका सर्वाधिक उपयुक्त उदाहरण मंईयां सम्मान योजना है। इस योजना को वास्तविक पहचान तब मिली, जब जनवरी 2025 में 56 लाख से ज्यादा लाभुकों के खातों में 2500 रुपये डीबीटी के जरिए ट्रांसफर किए गए।

## मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के एक निर्णय ने बदल दी सियासी उपलब्धियों की तस्वीर, अगस्त 2024 में ₹1000 ट्रांसफर करने से हुई थी शुरुआत इस साल जनवरी में दी जाने वाली राशि की गई थी ₹2500, सरकार ने गंभीरता दिखाते हुए बजट में 13,363 करोड़ का किया है प्रावधान

**गरीबों के लिए मुफ्त बिजली की व्यवस्था**

सीएम ने इसे गरीब परिवारों की आर्थिक कमान महिलाएं के हाथ में सौंपने की पहल बताते हुए कहा था कि यह राशि भोजन, बच्चों को पढ़ाई, कपड़े और गैस सिलेंडर तक के लिए सीधे सहायता बनेगी। इस योजना को लेकर गंभीरता इस बात में झलकी कि सरकार ने वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में 13,363 करोड़ का प्रावधान कर दिया। सामाजिक सुरक्षा के तहत हेमंत सरकार का मुफ्त बिजली वाला फैसला खूब चर्चा में रहा है। राज्य सरकार ने मुफ्त बिजली योजना के लिए भी 5005.9 करोड़ रुपए अलग से रखे, जो घरलू उपभोक्ताओं को राहत और गरीब परिवारों की मासिक खर्च बढ़ाने में मददगार साबित हुई। पूरे साल 200 युनिट फ्री बिजली की चर्चा होती रही। इससे औसतन 41.45 लाख उपभोक्ता लाभ उठा रहे हैं।



**ट्रेफिक समस्या से मुक्ति और विस्थापितों पर फोकस**

सरकार ने झारखंड राज्य सड़क सुरक्षा नियम, 2025 को मंजुरी दी है। सड़क हादसों पर नियंत्रण और ट्रेफिक प्रबंधन को सख्त बनाने की नींव रखी गई। राज्य सरकार ने राजधानीवासियों को कोटाटोली और सिरमटोली प्लाईओवर की सीमाएं देकर ट्रेफिक समस्या से मुक्ति की पहल की। इसके साथ ही रांची में करमटोली, सहजानंद चौक और अग्रगोड़ा में प्लाईओवर बनाने का रास्ता खोला। हेमंत सरकार ने झारखंड राज्य विस्थापन एवं पुनर्वास आयोग, 2025 के गठन पर सहमति दी, जो विस्थापित परिवारों के आवास, शिक्षा, रोजगार और सामाजिक-आर्थिक सर्वोत्तमों को जिनमें उनकी संभालेगी। इससे खनन परियोजनाओं से प्रभावित समुदायों को न्याय मिल सकेगा।

**मुख्यधारा में लौटे दो दर्जन से अधिक नक्सली**

नक्सलियों के आत्मसमर्पण को बढ़ावे देने वाली नीति से साल 2025 में दो दर्जन से ज्यादा नक्सली मुख्यधारा में लौटे। साथ ही जेएसएससी की संयुक्त स्नातक स्तरिय (सीजीएल) परीक्षा में धांधली की बात सामने आने पर सीआईडी से जांच करावाई। इसके अलावा शराब घोटाला और लैंड घोटाला मामले में एसीबी की जांच में तेजी दिखी, जिसकी वजह से सीनियर आईएसएस समेत कई आरोबारी सलाखों के पीछे पहुंच गए। सरकार ने रांची के लोकभवन में झारखंड का नाम भगवान बिरसा मुंडा और दुमका के लोकभवन का नाम शाहीद सिद्धो-कान्हू के नाम पर करने का प्रस्ताव रखकर अपनी सोच में झारखंडी विरासत को महत्व दिया।

**बेहतर शिक्षा और युवाओं पर विशेष ध्यान**

हेमंत सरकार ने संगीत, साहित्य और ललित कला को संस्थागत बढ़ावा देने के लिए झारखंड संगीत नाटक अकादमी, साहित्य अकादमी और ललित कला अकादमी की स्थापना को हरी झंडी दी। सरकार ने दलील दी कि आदिवासी, मूलवासी संस्कृति और स्थानीय भाषाओं, लोक कलाओं की पहचान मजबूत किए बिना झारखंड की अस्मिता की रक्षा संभव नहीं है। राज्य सरकार ने झारखंड कोविंग सेंटर (नियंत्रण एवं विनियमन) विधेयक, 2025 को मंजुरी दी, ताकि कोविंग संस्थानों की फीस, गुणवत्ता, सुरक्षा और पारदर्शिता तय की जा सके और छात्रों, अभिभावकों के शोषण पर रोक लगे। इसके अलावा सरकार ने एससी-एसटी सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना में अनुदान 1 लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख कर दिया। हेमंत सरकार ने झारखंड मृतदाता अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण गाइडलाइन को मंजुरी दी, जो अंगदान और ट्रांसप्लांट को पारदर्शी और नैतिक ढांचे में लाने की दिशा में बड़ा कदम है।

**बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर जोर**

राज्य सरकार ने एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि नई ट्रांसमिशन लाइनों पर सड़क स्टेशनों के लिए स्वीकृत की, जिसमें वनबाद, सिंदरी, चांस और मैथन जैसे औद्योगिक कोयला क्षेत्र शामिल हैं। पतरातू सुपर थर्मल पावर ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट को लागत को संशोधित कर 1842 करोड़ रुपये कर दिया, ताकि बिजली आपूर्ति नेटवर्क और मजबूत हो सके। सड़क क्षेत्र में रामगढ़, धनबाद और चाईबासा सहित कई जिलों में सड़कों के निर्माण, मरम्मत और विभागीय के बीच रोड ट्रांसफर के प्रस्तावों को मंजुरी दी।

### BRIEF NEWS

नहीं रहे रांची विवि के पूर्व प्रो-वाइस चांसलर डॉ. वेद प्रकाश शरण

**RANCHI :** गुरुवार को वरिष्ठ पत्रकार और रांची विश्वविद्यालय के पूर्व प्रो-वाइस चांसलर प्रो. डॉ. वेद प्रकाश शरण (80) का रांची के दीपाटोली स्थित व्यूरेस्टा अस्पताल में निधन हो गया। शरण अपने पीछे पुत्री और दामाद को छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार शुक्रवार को हरमू मुक्तिधाम में किया जाएगा। इनके निधन से शिक्षा और पत्रकारिता जगत में शोक की लहर है। रांची प्रेस क्लब ने संवेदान जताते हुए दुःख प्रकट किया है। परिजनों के अनुसार वे वर्ष 2021 से किडनी संबंधी बीमारी से पीड़ित थे और लंबे समय से इलाजगत थे। उनके निधन से परिवार, शिक्षा जगत, पत्रकारिता जगत और राजनीतिक हलकों में गहरा शोक व्याप्त है। प्रो. डॉ. शरण रांची विश्वविद्यालय में प्रोडिवाइस चांसलर के पद पर कार्यरत रहे। उन्होंने सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची में राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष (एचआरडी) के रूप में लंबे समय तक सेवाएं दीं और वहीं से सेवानिवृत्त हुए।

# शाम होते ही डेरा जमाने लगते हैं आसपास के असामाजिक तत्व करमटोली पार्क की अनदेखी, टूट गए झूले, हादसों को दावत दे रहे नंगे तार

**बच्चों को खेलने के लिए फिलहाल पार्क में उपलब्ध नहीं सुरक्षित साधन**

**परिवार के साथ जाने से भी कतराते हैं राजधानी के लोग, जीर्णोद्धार पर खर्च किए गए थे करोड़ों रुपये**

**VIVEK SHARMA @ RANCHI :** राजधानी रांची की हृदयस्थली में स्थित प्रसिद्ध करमटोली पार्क बदहाली का शिकार हो चुका है। कभी बच्चों की भीड़ और परिवारों की चहल-पहल से गुलजार रहने वाला यह पार्क अब अनदेखी और लापरवाही की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। हालात ऐसे हैं कि लोग अब यहां परिवार के साथ आने से भी कतराने लगें हैं। पार्क में लगे झूले पूरी तरह टूट चुके हैं। कहीं जंग लगे लोहे के ढांचे नजर आते हैं तो कहीं झूले जमीन पर बिखरे पड़े हैं। बच्चों के खेलने के लिए सुरक्षित कोई भी साधन फिलहाल पार्क में मौजूद नहीं है। बच्चों का मनोरंजन खत्म हो गया है। इतना ही नहीं कुछ स्लाइडर तो ऐसी स्थिति में हैं कि किसी भी समय बड़े हादसे को दावत दे सकते हैं।



**लोगों की शिकायत पर कोई ध्यान नहीं**

सबसे गंभीर बात यह है कि पार्क के कई हिस्सों में नंगे बिजली के तार खुले पड़े हैं। बारिश या अंधेरे में यह खतरा और भी बढ़ जाता है। लोगों का कहना है कि कई बार इसकी शिकायत नगर निगम और संबंधित विभागों से की गई, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। शाम ढलते ही करमटोली पार्क का माहौल पूरी तरह बदल जाता है। असामाजिक तत्वों का जमावड़ा यहां आम बात हो गई है। नशाखोरी, गाली-गाली और सदिग्ध गतिविधियों के कारण लोग खुद को असुरक्षित महसूस करते हैं। पार्क में पर्याप्त रोशनी और सुरक्षा व्यवस्था के अभाव में हालात को और भी भयावह बना दिया है।



**तालाब की नहीं होती है सफाई**

स्थानीय लोगों की मानें तो करोड़ों रुपये खर्च कर पार्क और तालाब का जीर्णोद्धार किया गया था। उस वक्त उम्मीद जगी थी कि करमटोली पार्क एक बार फिर रांची के प्रमुख पिकनिक और मनोरंजन स्थलों में शामिल होगा। प्लानिंग काउन्टेन और आकर्षक लाइटिंग से पार्क जगमगा रहा था। कुछ ही समय में रखरखाव की कमी और प्रशासनिक उदासीनता के कारण सारी योजनाएं कागजों तक सिमट कर रह गईं। पार्क से सटे तालाब भी स्थिति भी चिंताजनक है। गंदगी का अंदाजा तालाब की स्थिति देखकर लगाया जा सकता है कि न तो नियमित सफाई होती है और न ही सुरक्षा गार्ड की तैनाती है। कोई भी आसानी से पार्क में प्रवेश कर सकता है।



**हर दिन गुजरते हैं वीआईपी**

पार्क में आने वाले लोगों का कहना है कि पार्क की तत्काल मरम्मत, झूलों की पुनः स्थापना, नंगे तारों को हटाने, पर्याप्त लाइट और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही शाम के समय पुलिस पैट्रोलिंग बढ़ाने पर जोर दिया, जिससे कि लोग शाम ढलने के बाद भी इस पार्क में जा सकें। बता दें कि इस रास्ते से हर दिन मंत्री से लेकर अधिकारी सब गुजरते हैं। इसके बावजूद पार्क की बहाली पर किसी का ध्यान नहीं है। करमटोली तालाब के सौंदर्यकरण पर 11.24 करोड़ की लागत आई थी। जुड़को द्वारा 18 माह में इसका जीर्णोद्धार किया गया था। यहां तीन छत घाट, लैंड स्केपिंग व म्यूजिकल फाउंटन का निर्माण किया गया था। इसके अलावा यहां चिड़खाने पार्क, सरना स्थल का विकास, पार्किंग व शौचालय का भी निर्माण किया गया था। आकर्षक रंगीन फव्वारा, बैटन के लिए शेंड, हरे-भरे लैंड स्केपिंग वाले घास और कैफेटेरिया भी बनाया गया था। लेकिन, आजतक कैफेटेरिया शुरू नहीं हो पाया।

### NEWS BOX

#### राज्यपाल ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती पर अर्पित की श्रद्धांजलि



**RANCHI :** राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर गुरुवार को लोक भवन स्थित दरबार हॉल में उनके चित्र पर माल्यांगन कर श्रद्धांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि वाजपेयी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता ने भारत को वैश्विक मंच पर एक नई पहचान दी। उनके आदर्श एवं विचार सदैव सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेंगे।

#### डॉ. वीपी शरण का निधन कांग्रेस पार्टी के लिए अपूरणीय क्षति : केशव महतो

**RANCHI :** वरिष्ठ पत्रकार सह रांची विश्वविद्यालय के पूर्व प्रतिकूलपति डॉ. वीपी शरण के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि उनका जाना पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है। खासकर मेरे ऊपर उनका काफी स्नेह रहा, कांग्रेस के कार्यक्रमों में उनकी भूमिका हमेशा सक्रिय रूप से रही तथा वो कांग्रेस के कई पदों पर रहते हुए संतुष्टान्मक रूप से कांग्रेस को मजबूती प्रदान किया। प्रो. शरण ने तीन दशकों से भी अधिक समय तक पत्रकारिता की। वह लंबे समय तक स्टेट्समैन से जुड़े रहे। राजनीतिक जीवन में भी वे सक्रिय रहे और कांग्रेस की झारखंड प्रदेश इकाई के पूर्व मुख्य प्रवक्ता के रूप में उनकी भूमिका उल्लेखनीय रही। शोक व्यक्त करने वालों में प्रमुख रूप से पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, पूर्व केन्द्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, राकेश सिन्हा, सतीश पॉल मुजनी, रवीन्द्र सिंह, संजय लाल पासवान, आभयशंकर पाठक, राजीव रंजन प्रसाद, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, आभा सिन्हा, रमा खलखी आर्थिलास साहु, राजन वर्मा, कामेश्वर गिरि, उज्ज्वल तिवारी, कुमार राजा, राकेश किरण महतो आदि ने भी अपनी संवेदना प्रकट की सहित अन्य कांग्रेसी शामिल रहे।

#### जीवन-मरण के संकट से जूझ रहे मासूम बच्चों की सुध लेना भूल जाते हैं स्वास्थ्य मंत्री : बाबूलाल

**RANCHI :** नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने स्वास्थ्य मंत्री को एक बार फिर से निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि एचआईवी संक्रमित खून चढ़ाने से पीड़ित बच्चों को मानसिक और सामाजिक प्रताड़ना का शिकार होना पड़ रहा है। एक ओर स्वास्थ्य मंत्री हिजाब-नकाब देखकर नोकरी देने की घोषणा करते हैं, वहीं दूसरी ओर अपने ही विभाग की लापरवाही के कारण जीवन-मरण के संकट से जूझ रहे मासूम बच्चों की सुध लेना भूल जाते हैं। बाबूलाल ने आगे कहा कि जिन बच्चों को संरक्षण, इलाज और सम्मान मिलना चाहिए, वे आज तिरस्कार, उपेक्षा और अमानवीय व्यवहार झेलने को मजबूर हैं। अधिकारियों का नैतिक पतन इस कदर हो चुका है कि वे सिर्फ उन्हीं आदेशों का पालन करते हैं, जिसका मुख्यमंत्री आदेश देते हैं। आगे कहा कि बाकी समय लू-खसोट और निजी स्वार्थ साधने में व्यस्त रहते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने चाईबासा डीसी से कहा है कि मामले पर संज्ञान लें और पीड़ित बच्चों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराएं।

#### बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ बजरंग दल की आक्रोश रैली आज

**RANCHI :** बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हमलों और अत्याचारों के खिलाफ बजरंग दल शुक्रवार को तो पुुदुदान के पुराना चौक पर आक्रोश रैली का आयोजन करेगा। बजरंग दल, रांची के राज्यजक अकिंकर सिंह और बिरसा नगर के सहसंयोजक अभय कुमार ने बताया कि इस रैली का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदू मुद्दों की पीड़ा को उजागर करना और जनमानस को जागरूक करना है। समाज के सभी वर्गों से अपेक्षा है कि वे इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर अपनी आवाज बुलंद करें। यह रैली पुुदुदान चौक से प्रारंभ होकर आसपास के क्षेत्रों में आयोजित जाएगी। आयोजकों का कहना है कि यह केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं, बल्कि मानवाधिकारों की रक्षा का भी मुद्दा है।

#### प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मनाया गया पेसा उत्सव, मिठाई खिला किया खुशियों का इजहार

**RANCHI :** झारखंड प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में गुरुवार को पेसा उत्सव मनाया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ता डोल नगाड़े के साथ नाचते गाते कांग्रेस भवन पहुंचे। एक दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशियों का इजहार किया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, झारखंड प्रभारी के राज्य, प्रांमोण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह के प्रति आभार प्रकट किया और उन्हें बधाई दी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि इस फेसले से झारखंड के अधिस्तुचित क्षेत्रों में लोकतांत्रिक सहभागिता पारदर्शिता और समावेशी विकास को नई दिशा मिलेगी। चुनावों में कांग्रेस एवं महागठबंधन के साझा घोषणा पत्र में पेसा कानून लागू करने की बात हमने कही। वो वादे हमने पूरा करने का काम किया। जो अधिकार अधिस्तुचित क्षेत्र के लोगों को मिलना चाहिए उस अधिकार को देने की दिशा में महागठबंधन सरकार ने रास्ता खोल दिया।

#### खेल प्रतियोगिताएं जीत में खुशी व हार में देती हैं प्रतिस्पर्धा की ताकत : आदित्य साहू

**RANCHI :** भाूपन प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में फिट इंडिया अभियान को बढ़ावा दिया जा रहा। विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि में बदलने के लिए स्वस्थ भारत आवश्यक है। भारत आज युवाओं का देश है। आगामी दिनों में युवा पीढ़ी ही विकसित भारत का नेतृत्व करेगी। भारत में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। आज इसी प्रतिभाओं को विकसित करने का प्रयास प्रथममंत्रि के नेतृत्व में पुरे देश में चल रहा है। वे गुरुवार को साहेबगंज में आयोजित सांसद खेल महोत्सव में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिभाएं जीत में खुशी और हार में प्रतिस्पर्धा की ताकत देती हैं। हर युवा को जीवन को खेल की भांति जीना चाहिए। नैतिक जीवन में भाग्यदेड़ के बीच हर युवा को खेल एवं योग के आत्मसात करने का आह्वान किया।

#### रांची के तत्कालीन एसएसपी अनिश गुप्ता को भी मिलेगी पदोन्नति

## झारखंड पुलिस में होगा फेरबदल, 16 आईपीएस को मिलेगा प्रमोशन, बढ़ेंगे एसपी रैंक के अफसर

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड पुलिस में जल्द ही एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक और पदोन्नति संबंधी फेरबदल होने जा रहा है। राज्य सरकार ने कुल 16 आईपीएस अधिकारियों को विभिन्न स्तरों पर पदोन्नति देने की तैयारी कर ली है, जिसमें एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी से सेलेक्शन ग्रेड तक की पदोन्नतियां शामिल हैं। इसके साथ ही, झारखंड पुलिस में एसपी रैंक के अधिकारियों की संख्या में भी वृद्धि होगी। मनोज कौशिक (बैच 2001) को आईजी से एडीजी रैंक में प्रोन्नति मिलेगी। वर्तमान में



आईजी सीआईडी और रांची जोनल आईजी के प्रभार में हैं। रांची के तत्कालीन एसएसपी 2008 बैच के आईपीएस अनिश गुप्ता, एम तमिलवानन और अजय लिंडा डीआईजी से आईजी रैंक में प्रोन्नत होंगे। अनिश गुप्ता और एम तमिलवानन को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के कारण परफार्मा प्रोन्नति मिलेगी। 2012 बैच के आईपीएस

क्रिशोर कौशल, अखिलेश की वरियर, अंजनी कुमार झा, मो अशी, आनंद प्रकाश और 2010 बैच के आईपीएस कुसुम पुनिया को एसपी से डीआईजी रैंक में प्रोन्नति मिलेगी। अखिलेश की को केंद्रीय प्रतिनियुक्ति के कारण परफार्मा प्रोन्नति मिलेगी। कुसुम पुनिया को दो साल बाद एसीआर पूरा होने पर प्रोन्नति दी जाएगी। 2013 बैच के हुरदीप पी जनार्दनन, निधि द्विवेदी, अंशुमन कुमार, प्रशांत आनंद हरिलाल चौहान और प्रियंका मीणा सीनियर सेलेक्शन ग्रेड देने की अनुशंसा की गई है।

#### रोड पार कर रहे व्यक्ति को तेज रफ्तार वाहन ने लिया चपेट में

## धुर्वा भुसूर टीओपी के पास सड़क दुर्घटना में एक की मौत, लोगों ने जाम कर दी सड़क

**PHOTON NEWS RANCHI :** गुरुवार को धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत भुसूर टीओपी के समीप सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत पर ही मौत हो गई। घटना उस समय हुई जब व्यक्ति सड़क पार कर रहा था और तभी एक तेज रफ्तार वाहन ने उसे अपनी चपेट में ले लिया, उसके इतनी भीषण थी कि व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि टक्कर मारने वाला वाहन दुर्घटना के बाद मौके से फरार हो गया। घटना से आक्रोशित स्थानीय लोगों ने न्याय की मांग करते हुए गुरुवार को शव के साथ विरोध प्रदर्शन



शुरू कर दिया। स्थानीय लोगों ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर सड़क को पूरी तरह से जाम कर दिया। प्रदर्शनकारी मृतक के परिजनों के लिए मुआवजे और तेज रफ्तार वाहन चालक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। सड़क जाम के कारण धुर्वा भुसूर टीओपी के आसपास सड़क पर जाम लग गया, जिससे आने जाने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही धुर्वा थाना और भुसूर टीओपी के पुलिसकर्मी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने और शांत कराने का प्रयास किया।

#### भविष्य की उम्मीद 2030 में होने वाले वीमेंस वर्ल्ड कप में बेहतर करने का लक्ष्य

## हॉकी का इंटरनेशनल कैपिटल बनने की राह पर आगे बढ़ रही रांची

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड बहुत पहले से खेलों के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पहचान रखता है। हॉकी की उपलब्धियां तो सर्वविध हैं। अब राजधानी रांची हॉकी का इंटरनेशनल कैपिटल बनने की राह पर आगे बढ़ रही है। इन दिनों रांची हॉकी के रंग में रंगी हुई है। हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) को लेकर शहर में खासा उत्साह है। मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में रंग-रोगन, साज-सज्जा और अन्य तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही है। 28 दिसंबर को हॉकी इंडिया लीग का विधिवत उद्घाटन होना है। उद्घाटन समारोह को भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। जानकारी के अनुसार, उद्घाटन के मौके पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हो सकते हैं। उनके साथ विधायक कल्पना सोरेन और टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी की मौजूदगी को भी संभावना जताई जा रही है। हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने बताया कि इन सभी विशिष्ट अतिथियों को आमंत्रण भेजा गया है।

#### मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में अंतिम चरण में है तैयारी

**28 से हॉकी इंडिया लीग की होने वाली है शुरुआत, हेमंत व धोनी हो सकते शामिल**

**वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए मुख्यमंत्री के सहमति**

विजय शंकर सिंह के अनुसार, मुख्यमंत्री ने वर्ल्ड कप की मेजबानी को लेकर सैद्धांतिक सहमति जता दी है। अब इस प्रस्ताव को वर्ष 2026 में होने वाली वर्ल्ड हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) की एजिएन में रखा जाएगा। यहां से स्वीकृति मिलने के बाद आधिकारिक घोषणा होगी। प्रस्ताव के तहत 2030 वीमेंस हॉकी वर्ल्ड कप के मुकामले मोरहाबादी स्थित मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा एस्ट्रो टर्फ स्टेडियम में कराए जाने की योजना है। गौरतलब है कि हॉकी वर्ल्ड कप अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा वार साल में एक बार आयोजित की जाने वाली सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है।

**दर्शकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान**

हॉकी प्रेमियों के लिए एक और बड़ी सुखखबरी सामने आई है। वर्ष 2030 में होने वाले वीमेंस हॉकी वर्ल्ड कप के आयोजन की रांची में होने की संभावना प्रबल होती दिख रही है। हॉकी झारखंड के महासचिव विजय शंकर सिंह ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और हॉकी इंडिया के महासचिव मोलानास सिंह के बीच बातचीत हो चुकी है।



## समाचार सार

## याद किए गए अटल व महामना मालवीय

**JAMSHEDPUR :** भारतीय जन महासभा के सदस्यों ने गुरुवार को पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी व महामना मदन मोहन मालवीय की जयंती मनाई। अध्यक्ष धर्म चंद्र पोद्दार ने मानगो स्थित आवास, जबकि विशेष सलाहकार प्रकाश मेहता के नेतृत्व में आदित्यपुर स्थित एस. टाइप दुर्गा पूजा मैदान में दोनों महापुरुषों को याद किया। जयंती मनाने वालों में मधु सिन्हा, निशा वाणी, विजय कुमार गोयल, अनिल चौधरी, दिनेश कुमार सिंह, राजा घोष, श्रीनारायण सिंह, हेमंत ठाकुर आदि भी शामिल थे।

## अटल जयंती पर भाजपा कार्यालय में प्रदर्शनी

**JAMSHEDPUR :** पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती को भाजपा, जमशेदपुर महानगर ने सुशासन दिवस के रूप में मनाया। साकची स्थित जिला भाजपा कार्यालय में अटल जी के व्यक्तित्व, कृतित्व, कविताओं और राष्ट्रनिर्माण में उनके अनुत्तरीय योगदान पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई गई। गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने अटल जी के विचारों, उनके आदर्शों और सशक्त नेतृत्व को स्मरण करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया। इससे पूर्व जमशेदपुर महानगर अध्यक्ष सुधांशु ओझा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अटल जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

## विश्वकर्मा समाज ने ज्ञानी जैल सिंह को किया याद

**JAMSHEDPUR :** जमशेदपुर विश्वकर्मा समाज ने गुरुवार को देश के सातवें राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की पुण्यतिथि मनाई। बाराद्वारी समाज

भवन में सभी ने ज्ञानी जैल सिंह के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस मौके पर अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, महामंत्री सुजीत शर्मा, उपाध्यक्ष जितेंद्र शर्मा व संजय शर्मा, अजीत शर्मा, राकेश शर्मा, राजकुमार शर्मा, कृष्णा शर्मा, महिला अध्यक्ष मिला शर्मा, पप्पी शर्मा, रमेश शर्मा, सुशील शर्मा आदि भी उपस्थित थे।

## घाटशिला में दो इनडोर स्टेडियम की रखी नींव

**GHATSILA :** पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला में दो इनडोर स्टेडियम बनेंगे। प्रखंड कार्यालय परिसर में गुरुवार को विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने शिलान्यास किया।

विधायक ने बताया कि ग्रामीण विकास विभाग की ओर से इन इनडोर स्टेडियम का निर्माण कार्य कराया जाएगा इसकी प्राकल्पित राशि एक करोड़ 20 लाख रुपये है। योजना की स्वीकृति खेल विभाग से कराई गई है। घाटशिला में यह पहला इनडोर स्टेडियम होगा। निर्माण कार्य 6 माह के अंदर पूरा किया जाएगा। इस मौके पर प्रमुख सुशीला दुद्दू, जिला परिषद के सदस्य कर्ण सिंह, पंकज सिंह, पिंटू सिंह, काजल डान, दुर्गा चरण मुर्मू सहित ज्ञामुमो के अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

## बीके मानिनि को मिला पद्म श्री ग्लोबल अवार्ड

**CHAKRADHARPUR :** प्रजापिता ब्रह्माकुमारी इंश्वरिय विश्वविद्यालय, राजस्थान से संबद्ध स्थानीय ब्रह्माकुमारीज पाठशाला की संचालक बीके मानिनि को संस्था की ओर से वर्ष 2025 का पद्म श्री ग्लोबल अवार्ड दिया गया है। गुरुवार को पाठशाला परिसर में इसे सांसद जोबा मांझी ने बीके मानिनि को मेडल, ट्रॉफी व प्रशस्तिपत्र

प्रदान किया। इस मौके पर सांसद ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज सकारात्मक सोच और आत्म परिवर्तन पर जोर देकर जीवन में बदलाव लाने बेहतरीन कार्य कर रही है।

## बॉक्सर अरुणा मिश्रा की माता का निधन

**JAMSHEDPUR :** अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज एवं पुलिस अधिकारी टाटानगर रेलवे थाना प्रभारी अरुणा मिश्रा की माता उर्मिला मिश्रा की मौत गुरुवार तड़के हो गई। उर्मिला सड़क दुर्घटना में घायल हो गई थी। उनके निधन की खबर मिलते ही परिवार, रिश्तेदारों और क्षेत्र में शोक का माहौल व्याप्त हो गया है। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार गत सप्ताह उनके घर के समीप कार की चपेट में आने से वे गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। हादसे के बाद उन्हें इलाज के लिए टीएमएच अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उर्मिला मिश्रा का अंतिम संस्कार शुक्रवार सुबह 10:30 बजे सीतारामडेटा स्थित उनके निवास से शव यात्रा निकाले जाने के बाद स्वर्णरेखा बर्निंग घाट पर किया जाएगा।

## ब्रह्मलोकधाम में मनाया गया अनुशासन पर्व

**JAMSHEDPUR :** उलियान स्थित ब्रह्मलोकधाम में गुरुवार को श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ अनुशासन पर्व मनाया गया। यह पर्व छोटे भैयाजी के जन्मोत्सव पर हुआ, जो अनुशासन, सेवा एवं आध्यात्मिक जीवन के आदर्श प्रतीक माने जाते हैं। अनुशासन पर्व का यह आयोजन न केवल आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने वाला रहा, बल्कि समाज को अनुशासित, सेवा-प्रधान एवं सदाचारयुक्त जीवन की प्रेरणा भी प्रदान करता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, शिष्यों एवं गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही।

## पदस्थापित किए गए 242 सहायक आचार्य

**JAMSHEDPUR :** झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की ओर से चयनित 242 स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों (कक्षा 6 से 8) की पूर्वी सिंहभूम जिले के स्कूलों में पदस्थापना की गई है। उपविकास आयुक्त की अध्यक्षता में जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस प्रक्रिया से जिले के मध्य विद्यालयों को 242 नए शिक्षक मिले हैं। चयनित शिक्षक तीन मुख्य विषयों में विभाजित हैं - विज्ञान एवं गणित (एनेक्सर-ए), सामाजिक विज्ञान (एनेक्सर-बी) तथा भाषा (एनेक्सर-सी)। ये नियुक्तियां स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार के विभिन्न पत्रों - पत्रांक 1749 (30 अगस्त 2025), 1804 (11 सितंबर 2025), 1939 (10 अक्टूबर 2025) तथा 2096 (17 नवंबर 2025) के आधार पर की गई हैं। नवनि्युक्त सहायक आचार्यों 26 दिसंबर के अपराह्न से जिला शिक्षा अधीक्षक कार्यालय, जमशेदपुर से विरमित होकर 27 दिसंबर से अपने पदस्थापित विद्यालयों में योगदान देंगे।

## जनता सीधे करेगी मेयर का चुनाव सभी वार्डों की आरक्षण सूची जारी

## नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज, मानगो, जुगसलाई और चाकुलिया में तय हो गया रोस्टर

**PHOTON NEWS JSR :** झारखंड में नगर निकाय चुनाव की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। राज्य निर्वाचन आयोग ने गुरुवार को नगर निकायों के वार्डों की आरक्षण सूची जारी कर दी है। जमशेदपुर में मानगो नगर निगम, जुगसलाई नगर परिषद और चाकुलिया नगर पंचायत के वार्ड आरक्षण की सूची जारी हो गई है। मानगो नगर निगम के 36 वार्डों में से 17 आरक्षित कर दिए गए हैं। इसी तरह, जुगसलाई नगर परिषद में 22 वार्डों में से 11 और चाकुलिया नगर पंचायत में 12 वार्डों में से छह वार्ड आरक्षित किए गए हैं। हालांकि, नगर निकायों के अध्यक्ष व मेयर पद के आरक्षण का चार्ट राज्य निर्वाचन आयोग तैयार कर रहा है। इसे भी जल्द जारी करने की



कवायद चल रही है। बताया जा रहा है कि सरकार मार्च में नगर निकाय चुनाव का एलान कर सकती है। महिला आरक्षण की बात करें तो मानगो नगर निगम में 17 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की गई हैं, जबकि जुगसलाई नगर परिषद में 9 वार्ड महिलाओं के लिए सुरक्षित रखे गए हैं। डीसी के निर्देश पर गजट का हुआ प्रकाशन : मानगो नगर निगम में पहली बार होने जा रहे ऐतिहासिक नगर निकाय चुनाव

## युवती से मोबाइल छीनकर भाग रहे उचक्के को दबोचा

**JAMSHEDPUR :** साकची स्थित जुबिली पार्क गेट के पास गुरुवार को एक युवती से मोबाइल छीन कर भाग रहे बदमाश को लोगों ने दबोच लिया। यह घटना दिनदहाड़े ऐसी जगह घटी है, जहां से 50 मीटर दूर एसएसपी ऑफिस है। कुछ दिन पहले यहां कई दुकानों में चोरी भी हुई थी। पुलिस अब तक चोरी की घटना का खुलासा नहीं कर पाई है। बताया जा रहा है कि युवती जुबिली पार्क गेट के सामने दुकान पर चाय पीने आई थी। वह चाय पी रही थी तभी एक युवक उसके पास पहुंचा। कुछ देर तक वहां चुपचाप खड़ा रहा। फिर अचानक वह हरकत में आया और युवती के हाथ से मोबाइल छीनकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही युवती के हाथ से मोबाइल छीना गया, वह शोर मचाने लगी। शोरगुल सुन कर लोग आरोपी युवक को पकड़ने के लिए दौड़ते लगे। लोगों ने युवक



पुलिस गिरफ्त में आरोपी

## चार दिन पहले यहीं कई दुकानों में हुई थी चोरी

21 दिसंबर को साकची थाना क्षेत्र के इसी जगह पर लगी कई दुकानों में चोरी हुई थी। चोरों ने गैस कटर से ताला काट कर अविनाश कुमार की पान दुकान, सदन केवट की लिट्टी दुकान, प्रदीप दास की दूध दुकान, विष्णु की पान दुकान और राजा की मोगीज दुकान से नकदी और अन्य सामान चोर कर दिए थे।

को खदेड़ कर पकड़ लिया। किसी ने इस घटना की सूचना साकची थाना को दे दी थी। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तो लोगों ने आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया।

## सड़क पर उतरे बोड़दा के ग्रामीण जमीन अधिग्रहण का किया विरोध

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड अंतर्गत उलीडीह मोड़ से चैनपुर चौक होते हुए चार मोड़ तक 38 करोड़ की लागत से 13.6 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण होना है। इसी कड़ी में गुरुवार को चंदरी पंचायत में पड़ने वाले बोड़दा के 47 ग्रामीणों को जिला भू-अर्जन विभाग की ओर से नोटिस दिया गया। नोटिस में लिखा है कि सड़क के बीच से दोनों तरफ 26-26 फीट जमीन जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। ग्रामीणों ने इसका विरोध करते हुए कहा कि जान दे देंगे, लेकिन जमीन नहीं देंगे। किसी ग्रामीण ने नोटिस रिस्वीव नहीं किया। ग्रामीणों ने मुखिया साहेब हेंब्रम के नेतृत्व में सड़क पर उतर कर कहा कि विरोध जताया।



विरोध प्रदर्शन करते ग्रामीण

मुखिया ने भी ग्रामीणों की बात दोहराई। इस मौके पर दिनेश महतो, रामकुमार महतो, मनोप महतो, देवाशोष महतो, रमेश चंद्र महतो, राजकुमार महतो, हीरालाल महतो, संजय महतो, सुभाष महतो, मनोज महतो, सुमित महतो, घासीराम महतो, भारतीय देवी, निर्यति महतो, रतनी राजक, पुष्पा बारवा, मंजू महतो, मंजुला महतो, होलिका नायक समेत काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

## स्मरण उलियान व चमरिया गेस्ट हाउस पर दिनभर लगा रहा श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों का तांता

## पूरे प्रदेश में सादगी से मनाई गई शहीद निर्मल महतो की 75वीं जयंती

**PHOTON NEWS JSR :** शहीद निर्मल महतो की जयंती गुरुवार को सादगी से मनाई गई। दिशोम गुरु शिबू सोरेन व पूर्व मंत्री रामदास सोरेन के इस साल निधन होने की वजह से जयंती के मौके पर सभा का आयोजन नहीं हुआ। इस मौके पर ज्ञामुमो के वरिष्ठ नेताओं के अलावा अन्य पार्टियों के नेता, विधायक व कार्यकर्ता ने कदमा के उलियान स्थित शहीद निर्मल महतो के शहीद स्मारक और चमरिया गेस्ट हाउस के सामने शहीद स्थल पर लगी उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। घाटशिला के विधायक सोमेश सोरेन भी पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। इसके अलावा, ईचागढ़ की विधायक सविता महतो ने भी शहीद निर्मल महतो के शहीद स्मारक पर श्रद्धा के फूल चढ़ाए।

इस मौके पर विधायक सोमेश सोरेन ने कहा कि शहीद निर्मल महतो की कोशिशों और कुर्बानियों के नतीजे में हमें अलग झारखंड राज्य मिला है। हमें उनकी कुर्बानियों को हमेशा याद रखना चाहिए। शहीद निर्मल महतो ने इस राज्य के

स्थल पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। जुगसलाई के विधायक मंगल कालिंदी ने शहीद स्थल पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि हम आज प्रण लेते हैं कि गरीब, मजदूर और किसानों को उनका हक देना होगा। इसके लिए जितनी लंबी लड़ाई लड़नी होगी, हम तैयार हैं।

पूर्व सांसद सुमन महतो भी ज्ञामुमो की महिला नेत्रियों के साथ चमरिया गेस्ट हाउस पहुंची और वीर शहीद निर्मल महतो को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर पोटका के विधायक संजीव सरदार, वरिष्ठ ज्ञामुमो नेता प्रमोद लाल, बाचरय माडॉ, गुरमित सिंह, डी राकेश राव, उमाकांत, चंद्रावती महतो, सुनील महतो, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू आदि मौजूद रहे।

की प्रशासनिक प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला दंडाधिकारी के आदेश पर पूर्वी सिंहभूम जिला गजट का प्रकाशन कर दिया गया है। इसके साथ ही मानगो के सभी 36 वार्डों के लिए आरक्षण रोस्टर आधिकारिक रूप से तय हो गया है।

गजट के अनुसार मानगो नगर निगम के 36 वार्डों में 19 वार्ड अनारक्षित रखे गए हैं। अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ओबीसी-1) के लिए 12 वार्ड आरक्षित किए गए हैं, जो सभी वर्गों में सर्वाधिक है। पिछड़ा वर्ग (ओबीसी-2) के लिए 2 वार्ड, अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए 2 वार्ड और अनुसूचित जाति (एससी) के लिए 1 वार्ड आरक्षित किया गया है।

नगर विकास एवं आवास विभाग के आंकड़ों के अनुसार मानगो नगर निगम क्षेत्र में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की जनसंख्या 73,742 है, जबकि पिछड़ा वर्ग-2 की जनसंख्या 14,648 दर्ज की गई है। वार्ड-27 में ओबीसी-1 की सर्वाधिक आबादी 4,410 है, जबकि वार्ड-32 में यह संख्या सबसे कम 646 है। ओबीसी-2 की सर्वाधिक जनसंख्या वार्ड-1 में 1,094 और सबसे कम वार्ड-25 में मात्र 4 दर्ज की गई है। मानगो नगर निगम के गठन के बाद यह पहला अवसर होगा, जब स्थानीय नागरिक अपने पार्षदों और नगर निकाय प्रतिनिधियों के चयन के लिए मतदान करेंगे। गजट प्रकाशन के बाद क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियों के तेज होने की संभावना जताई जा रही है।

## प्रभु यीशु के जन्म की खुशी में गिरजाघरों में हुई विशेष प्रार्थना

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम जिला में गुरुवार को धूमधाम से क्रिसमस का त्योहार मनाया गया। बुधवार को 12 बजते ही मेरी क्रिसमस और जिंगल बेल-जिंगल बेल... से गिरजाघर गूंज उठे। वहीं क्रिसमस की पूर्व संस्था पर गिरजाघरों में रौनक देखने को मिली, जहां धीमी रोशनी से गिरजाघर नहा रहा था। प्रभु यीशु के जन्म की खुशी में मसीही समुदाय ने विशेष प्रार्थना सभा में भाग लिया। फिर, एक-दूसरे को क्रिसमस की बधाई दी। चांबासा और चक्रधरपुर शहर के पोतका स्थित ख्रिस्त राजा चर्च, लाल गिरजाघर, न्यू बस स्टैंड समीप स्थित जीईएल चर्च व बुढ़ीगोड़ा चर्च में विशेष प्रार्थना सभा हुई। इस दौरान सभी गिरजाघरों में प्रवेश गान, महिमा



गिरजाघर में प्रार्थना सभा में शामिल मसीही

लिए कामना की गई। पुरोहितों ने प्रभु यीशु का संदेश देकर बाइबल का पाठ किया, गांवों में भी चहल-पहल देखी गई। फादर एस पुथुयम राज ने कहा कि क्रिसमस देश और दुनिया को शांति और अहिंसा का संदेश देने वाला पर्व है। प्रभु यीशु का जीवन दया, प्रेम और शांति का संदेश देता है। इस पर्व में सभी धर्मों के लोग शामिल होकर इसे और भी खास बना देते हैं।

## सांसद खेल महोत्सव का हो गया समापन



**JAMSHEDPUR :** कई दिनों से चल रहे सांसद खेल महोत्सव का गुरुवार को समापन हो गया। समापन समारोह गुरुवार को बिपुरु स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में हुआ। इस बार 8 की जगह छो-छो, बैटमिनट, कराटे, फुटबॉल, आर्ची, बॉक्सिंग, योग सहित 10 खेल आयोजित किए गए। कार्यक्रम में सांसद विद्युत बरण महतो, जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय व भाजपा के जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा भी मौजूद थे। मौडिया से सांसद ने कहा कि पिछले दो महीने से लगातार सांसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देशभर में सांसद अपने-अपने क्षेत्रों में खेल महोत्सव आयोजित कर रहे हैं, ताकि ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मंच मिल सके।

## लाफार्ज कंपनी के टेका कर्मियों के क्वार्टर से लाखों की चोरी

**JAMSHEDPUR :** गोविंदपुर थाना क्षेत्र में पटेलनगर रोड नंबर-4 स्थित क्वार्टर नंबर-14 में चोरी हुई है। चोरों ने लाफार्ज कंपनी के टेकाकर्मियों कृष्णा प्रसाद के घर पर धावा बोला था। चोर यहां से घर का ताला तोड़कर नकदी समेत लगभग तीन लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवरत पाए कर ले गए हैं। गुरुवार को एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कृष्णा प्रसाद अपने परिवार के साथ इसी क्वार्टर में रहते हैं। पूरा परिवार दूसरी मंजिल पर सो रहा था। इसी दौरान चोरों ने मौके का फायदा उठाया। चोरों ने क्वार्टर के मेन गेट का ताला तोड़ा और अंदर घुस गए। चोर सीधे पहली मंजिल पर कृष्णा प्रसाद के हिस्से में पहुंचे और वहां मौजूद कमरों को खंगाला। अलमारी का लॉकर तोड़ दिया। इसमें रखे नकद

चोरों ने घर में टेका सामान बिछेरा

रुपये और कीमती जेवरत चोरी कर लिए। चोरी गए जेवरत की अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई जा रही है। घटना का खुलासा उस वक्त हुआ जब सुबह कृष्णा प्रसाद की पत्नी तीसरी मंजिल से नीचे पहली मंजिल पर पहुंचीं। मेन गेट का ताला टूटा देख उन्होंने शोर मचाया। इसके बाद परिवार को चोरी की जानकारी मिली। सूचना मिलते ही गोविंदपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और घर का निरीक्षण किया।

## कुड़मी भवन में पुष्प अर्पित कर दी गई श्रद्धांजलि

**CHAKRADHARPUR :** आसनतलिया स्थित कुड़मी भवन में गुरुवार को शहीद निर्मल महतो की 75वीं जयंती मनाई गई। कुड़मी समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विधायक सुखराम उराव ने भी निर्मल महतो की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया। इस कार्यक्रम में लक्ष्मण महतो, बलराज हिंदवार, ओमप्रकाश महतो, गणेश्वर महतो, शंकरलाल महतो, बकलेश महतो, करण महतो, रोमित महतो, प्रदीप महतो, धीरज महतो, उमाकांत महतो, नूपर महतो, श्याम मुंडा, दुर्गोधन महतो सहित काफी संख्या में महिला-पुरुष व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। छात्राओं ने कुड़माली गीत से सभा बांध दिया। **फूलडुंगरी में ज्ञामुमो कार्यकर्ताओं ने किया याद** **GHATSILA :** ज्ञामुमो के संपर्क कार्यालय फूलडुंगरी में गुरुवार को वीर शहीद निर्मल महतो की जयंती मनाई गई। घाटशिला के प्रखंड अध्यक्ष दुर्गा चरण मुर्मू की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में सभी ने निर्मल महतो के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संयोजन श्रमिक नेता काजल डॉन ने किया, जबकि इस मौके पर खुदीराम हंसदा, बाबूलाल मुर्मू, सुखलाल हांसदा, मेघराय बेसरा, प्रफुल्ल हांसदा, विकास भड़ूमदार, कालाचांद सरकार, देवलात महतो सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।



## सर्दियों में छोटे बच्चों को कैसे नहलाएं? ठंड से बचाकर ऐसे करें सही देखभाल



सर्दियों में छोटे बच्चों को नहलाना चुनौती भरा हो सकता है। दरअसल, ठंड के कारण उन्हें जल्दी सर्दी-जुकाम हो जाता है। ऐसे में सही तरीकों और कुछ आसान उपायों की मदद से आप बच्चे को सुरक्षित तरीके से नहला सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में बच्चों की देखभाल करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। खासकर जब बच्चों के नहाने की बात हो तो और भी परेशानी होने लगती है। दरअसल, इस मौसम में ठंडी हवा और कम तापमान के कारण ठंडा पानी उन्हें नुकसान पहुंचा सकता है। ऐसे में सबसे जरूरी है कि छोटे बच्चों को नहलाते समय कुछ खास तरह की सावधानियां बरती जाएं, जिससे वे ठंड से सुरक्षित रहें और उनकी स्किन भी हेल्दी बनी रहे।

### बच्चों को नहलाते समय किन बातों का रखें ध्यान?

#### गुनगुने पानी से करवाएं स्नान

सर्दी के मौसम में बच्चों को नहलाने के लिए हमेशा गुनगुने पानी का उपयोग करें। हालांकि, बच्चों को नहलाते समय इस बात का ध्यान रखें कि पानी अधिक गर्म न हो। इसके लिए पानी को पहले अपने हाथों से चेक कर लें। बच्चों को दोपहर में नहलाना बेहतर होता है। दोपहर में हल्की धूप निकलती है, जिससे उन्हें ठंड नहीं लगती।

#### नहलाने के बाद तुरंत अच्छी तरह पोंछें

छोटे बच्चों का शरीर ठंड बहुत जल्दी पकड़ता है। ऐसे में बच्चों को नहलाने के तुरंत बाद तौलिए से उन्हें अच्छी तरह सुखा लें। इस दौरान उनके शरीर के हर हिस्से से पानी पूरी तरह हटा दें। नहलाने के तुरंत बाद बच्चों को गर्म और मुलायम कपड़े पहनाएं, ताकि उनके शरीर में ठंडी हवा न लगे।

#### हल्के गुनगुने तेल से करें मालिश

सर्दी के मौसम में स्नान के बाद बच्चों को हल्की मालिश करना बेहद फायदेमंद होता है। नहलाने के बाद बच्चे के शरीर पर हल्के गर्म तेल से नरम हाथों से मसाज कर सकते हैं। इससे शरीर में गर्माहट बढ़ती है और उनकी त्वचा भी मॉइस्चर रहती है।

#### ज्यादा देर तक कपड़े न उतारें

सर्दियों में बच्चों को नहलाते समय इस बात का ध्यान रखें कि उनके कपड़े अधिक समय तक न उतारे रहें। बच्चों को नहलाते समय कमरे को हल्का गर्म रखें, जिससे उन्हें सर्दी नहीं लगेगी।

#### हर रोज न नहलाएं

सर्दी के मौसम में बच्चों को हर रोज नहलाना जरूरी नहीं होता है। अगर बहुत अधिक ठंड हो तो बच्चों को नहलाने से बचें। इस दौरान मुलायम स्पंज से उनके बॉडी को सही से पोंछ सकते हैं। अगर बच्चों को नहला रहे हों, तो गर्म पानी और तौलिया पहले से ही तैयार रखें।

## कमजोरी दूर करने के लिए बच्चों को क्या खिलाएं?

कमजोर बच्चे को वजन बढ़ाने और ताकत के लिए संतुलित और पोषिक आहार दें, जिसमें दूध, दही, पनीर, दालें (मूंग, चना), सोयाबीन, मूंगफली, अंडे, केले, आलू, और घी शामिल हों। साथ ही बादाम, अखरोट, काजू जैसे सूखे मेवे और मखाना भी दें, क्योंकि ये कैल्शियम, प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और मिनरल्स से भरपूर होते हैं जो शारीरिक और मानसिक विकास के लिए जरूरी हैं।

#### आहार में शामिल करें:

डेयरी उत्पाद: फुल फेट दूध, दही, पनीर, छाछ, लस्सी दें, या दूध में केला और मेवे मिलाकर शेक बनाकर दें।

अनाज और दालें: साबुत अनाज (दलिया, रोटी), दालें (मूंग, मटकी, चना), सोयाबीन, और क्विनोआ दें।

मेवे और बीज: बादाम, अखरोट, काजू, किशमिश, मखाना और पोस्ता दाना दें, सूखे मेवों का पेस्ट बनाकर दें।

फल और सब्जियां: केला, आलू, और आंवला (विटामिन सी के लिए) शामिल करें।

अन्य ऊर्जावान चीजें: अंडे (प्रोटीन और ब्रेन डेवलपमेंट के लिए), घी (ऊर्जा और फैट के लिए), और च्यवनप्राश (रोग प्रतिरोधक क्षमता के लिए) दें।

#### कुछ अतिरिक्त सुझाव:

छोटे-छोटे आहार: बच्चे को एक बार में ज्यादा खिलाने के बजाय, थोड़ी-थोड़ी मात्रा में बार-बार पोषिक आहार दें।

पानी की जगह जूस/छाछ: खाने के साथ पानी की बजाय दूध, छाछ, या फलों का जूस दें।

आकर्षक भोजन: बच्चों को स्वादिष्ट और रंगीन खाना दें ताकि वे खाने के लिए उत्साहित हों।

घी का प्रयोग: पराठे या दाल में घी डालकर दें, यह एनर्जी का अच्छा स्रोत है।



## स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी हैं। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवन्ती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रें, पीली हर्रें और बड़ी हर्रें। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल हैं।

स्वस्थ रहने के लिए हरड़ का प्रयोग नियमित करना चाहिए। शास्त्र में इसकी सात जातियां बतायी गयी हैं। विजया, रोहिणी, पूतना, अमृता, अभया, जीवन्ती और चैतकी। व्यावहारिक दृष्टिकोण से तीन प्रकार की होती है। छोटी हर्रें, पीली हर्रें और बड़ी हर्रें। यह तीनों एक ही वृक्ष के फल हैं। यह कॉम्प्लेक्स परिवार का पौधा है। इसका उपयोगी भाग फल है।

इसका वृक्ष विशाल लगभग 80-100 फीट ऊंचा होता है। फूल छोटा, सफेद या पीले रंग का होता है। फल एक से डेढ़ इंच लंबा अंडाकार, पृष्ठ भाग पर पांच रेखाओं से युक्त, कच्चा में हरा, पकने पर धूसर पीला रंग का हो जाता है। प्रत्येक फल में एक बीज होता है। पके हुए फलों का संग्रहण अप्रैल-मई माह में करना चाहिए।

यह कफ वात व पित्त जनित रोगों में उपयोगी है। पाचन शक्ति बढ़ती है। खांसी, सांस, कुष्ठ, बवासीर, पुराना ज्वर, मलेरिया, गैस, अपच, प्लास, त्वचा रोग, पेशाब की जलन, आंखों के रोग, दस्त, पीलिया आदि में लाभदायक है।



## हरड़ का उपयोग हर मौसम में फायदेमंद

खट्टेपन से वात रोगों को दूर करती है। चटपटेपन से पित्त रोग और कसेलेपन से कफ का नाश करती है। इसका सेवन बरसात में संधानमक के साथ, जोड़ों में मिश्री के साथ, हेमंत ऋतु में सांठ के

साथ, बसंत ऋतु में शहद के साथ, गर्मी में गुड़ के साथ करना चाहिए।

खाना खाने से पहले इसे लेने से भूख बढ़ती है। बाद में खाने से खाना आसानी से पचता है।

छोटी हर्रें का चूर्ण लगभग चार से छह ग्राम रात में भोजन करने के एक से दो घंटे बाद पानी के साथ प्रयोग करने से कब्ज की समस्या दूर होती है।

इसका चूर्ण गुड़ व गिलोथ के काढ़े के साथ प्रयोग करने से गठिया में आराम मिलता है।

इसे तंबाकू की तरह चिलम में रखकर पीने से सांस की समस्या दूर होती है।

मुख व गले के रोगों में इसका काढ़ा बना कर कुल्ला किया जाता है।

इसका चूर्ण दो ग्राम गुड़ के साथ खाना चाहिए। छोटी हर्रें को सुपारी की तरह छोटा-छोटा टुकड़ा कर लें और दिन में खाना खाने के बाद लगभग एक टुकड़े को मुंह में डाल कर अच्छी तरह से चबाना चाहिए। इसके नियमित प्रयोग से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

## सर्दियों में रोजाना तिल खाने से मिलेंगे अद्भुत फायदे



अक्सर हम छोटी-छोटी प्राकृतिक चीजों की अहमियत को कम आंकते हैं। इनमें से एक है तिल, जो खाने के स्वाद को बढ़ाने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। यह आयुर्वेद और विज्ञान दोनों के मुताबिक शरीर के लिए कई तरह से लाभकारी है। यह शरीर को ऊर्जा देने का काम करता है, साथ ही बीमारियों से बचाव और शरीर को मजबूत बनाने में भी मददगार है। आयुर्वेद के अनुसार, तिल की तासीर गर्म होती है। सर्दियों में इसका सेवन करने से शरीर गर्म रहता है और ठंड से होने वाली बीमारियों से बचाव होता है। तिल के नियमित सेवन से शरीर में गर्मी बनी रहती है, जिससे थकान और कमजोरी कम होती है। आयुर्वेद में इसे 'सर्वदोष हार' भी कहा गया है, क्योंकि यह वात और कफ दोनों को संतुलित करता है, जो शरीर में ठंडक, जोड़ों में दर्द और कब्ज

जैसी समस्याओं को कम करने में मदद करता है।

विज्ञान के अनुसार, तिल में एंटीऑक्सीडेंट्स पर्याप्त मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर में मुक्त कणों से होने वाले नुकसान को रोकते हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और जवान बनाए रखते हैं। नियमित सेवन से त्वचा पर झुर्रियां कम होती हैं, रंग निखरता है, और त्वचा की चमक बढ़ती है। इसके साथ ही, तिल में मौजूद सेसामोलिन और सेसामिन जैसे तत्व शरीर में सूजन को कम करते हैं और दिल की सेहत को भी बनाए रखते हैं। तिल में अनसैचुरेटेड फैटी एसिड मौजूद होता है, जो खराब कोलेस्ट्रॉल को घटाने में मदद करता है और अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इससे दिल स्वस्थ बना रहता है और ब्लड प्रेशर भी नियंत्रित रहता है। इसका नियमित सेवन दिल की

बीमारियों, एथेरोस्क्लेरोसिस और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

तिल ऊर्जा का भी अच्छा स्रोत है। इसमें मौजूद प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और मैग्नीशियम शरीर को ताकत देते हैं। खासकर महिलाओं और बुजुर्गों के लिए तिल हड्डियों को मजबूत बनाए रखने में मदद करता है। आयरन एनीमिया को रोकने में भी लाभकारी है। साथ ही, तिल का सेवन पाचन को सुधारता है और कब्ज जैसी समस्या को दूर रखता है। इसके अलावा, तिल का प्रयोग कुछ बीमारियों में राहत देने के लिए भी किया जाता है। आयुर्वेद में माना जाता है कि तिल का तेल जोड़ों के दर्द, गठिया और मांसपेशियों की कमजोरी को दूर करने में मदद करता है। वैज्ञानिक रिसर्च में भी इसे सूजन कम करने और शरीर के प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत करने वाला बताया गया है।

## ज्यादा नमक से बीपी ही नहीं डायबीटीज का भी खतरा

नमक हमारी सेहत के लिए कितना जरूरी है, इससे कोई अनजान नहीं है। यह शरीर में कई तरह की महत्वपूर्ण आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। लेकिन ज्यादा नमक खाने से ब्लड प्रेशर की समस्या होती है यह तो हम सब जानते हैं। हाल ही में हुए एक शोध में पता चला है कि ज्यादा नमक खाने से डायबीटीज होने का खतरा भी बढ़ जाता है। प्रत्येक 2.5 ग्राम अतिरिक्त नमक के सेवन से टाइप 2 डायबीटीज का खतरा 43 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। रिसर्च में बताया गया है कि जो लोग हर दिन तकरीबन 7.3 ग्राम

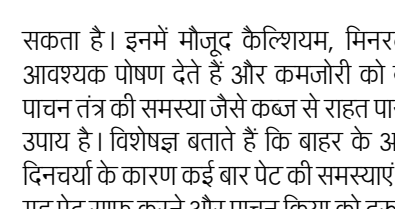


नमक का सेवन करते हैं, इनमें उन लोगों के मुकाबले डायबीटीज का खतरा ज्यादा होता है जो लोग हर दिन 6 ग्राम तक

नमक का सेवन करते हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि नमक में मौजूद सोडियम इंसुलिन प्रतिरोध पर सीधा असर डालता है। इस वजह से हाई ब्लड प्रेशर और वजन बढ़ने जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। ज्यादा मात्रा में नमक का सेवन वयस्कों में लेटेंट ऑटोइम्यून डायबीटीज का खतरा बढ़ा देता है।

रिसर्च के मुताबिक सोडियम के प्रभाव से लेटेंट ऑटोइम्यून डायबीटीज का खतरा हर दिन प्रति ग्राम सोडियम पर 7.3 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। नमक में मौजूद सोडियम इसका प्रमुख कारण है। इसलिए अपने खाने में नमक कम डालें। नमक का ज्यादा मात्रा में सेवन आपके रक्त संचरण और ब्लड प्रेशर को बिगाड़ सकता है। इसके अलावा नमक के ज्यादा सेवन से दिल की बीमारी का खतरा भी बढ़ जाता है।

## गुड़ और चना शरीर को ऊर्जा देने के प्राकृतिक स्रोत



हेल्थ एक्सपर्ट्स की माने तो चना और गुड़ को अपनी डाइट में शामिल करना सेहत के लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इन दोनों में आयरन, कैल्शियम और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ-साथ पाचन तंत्र को भी मजबूत बनाते हैं।

गुड़ और चना शरीर को ऊर्जा देने का प्राकृतिक स्रोत हैं। अगर आप दिनभर थकान और सुस्ती महसूस करते हैं, तो इनका नियमित सेवन आपको ऊर्जावान बनाए रख सकता है। इनमें मौजूद कैल्शियम, मिनरल्स और आयरन शरीर को आवश्यक पोषण देते हैं और कमजोरी को दूर करते हैं। इसके अलावा, पाचन तंत्र की समस्या जैसे कब्ज से राहत पाने के लिए भी यह एक कारगर उपाय है। विशेषज्ञ बताते हैं कि बाहर के अस्वस्थ भोजन या अनियमित दिनचर्या के कारण कई बार पेट की समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में चना और गुड़ पेट साफ करने और पाचन क्रिया को दुरुस्त करने में सहायक होते हैं। गुड़ ब्लड को साफ करने का काम करता है, जबकि चना शरीर से हानिकारक टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में मदद करता है। इसके अलावा, जो लोग अपने वजन को नियंत्रित करना चाहते हैं, उनके लिए भी यह फायदेमंद है। चने में भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो भूख को नियंत्रित करके वजन घटाने में मदद करता है। साथ ही, यह हड्डियों को मजबूत करने का भी काम करता है, जिससे सर्दियों में जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से बचाव होता है।

कमजोर इम्युनिटी वाले लोग अक्सर बीमार पड़ते हैं। चना और गुड़ का सेवन इम्युनिटी को मजबूत करता है और शरीर को संक्रमण से बचाने में सहायक होता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इनका नियमित सेवन करने से शरीर को संतुलित पोषण मिलता है और कई स्वास्थ्य समस्याओं से बचाव संभव होता है। इसलिए, सेहतमंद जीवन के लिए चना और गुड़ को अपनी डाइट का हिस्सा बनाना एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। बदलती जीवनशैली और अनियमित खानपान के कारण हम अक्सर जरूरी पोषक तत्वों की कमी का शिकार हो जाते हैं, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।



## भारत की पारंपरिक चिकित्सा की रोशनी में विश्व-स्वास्थ्य



ललित गर्ग

आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियाँ और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है।

आज की दुनिया गहन और बहुआयामी स्वास्थ्य संकटों से गुजर रही है। एक ओर जीवनशैली से जुड़ी बीमारियाँ, मानसिक तनाव, अवसाद, चिंता और असंतुलन तेजी से बढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर संक्रामक रोग, महामारी और पर्यावरणीय विषमताएँ मानव जीवन को निरंतर चुनौती दे रही हैं। इन परिस्थितियों के बीच यह स्पष्ट होता जा रहा है कि केवल आधुनिक एलोपैथिक चिकित्सा के सहारे वैश्विक स्वास्थ्य समस्याओं का संपूर्ण समाधान संभव नहीं है। यही कारण है कि विश्व समुदाय का ध्यान पुनः भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों की ओर आकर्षित हो रहा है, जिनमें आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और प्राकृतिक चिकित्सा जैसी पद्धतियाँ शामिल हैं। जिन्हें ह्यआयुषुह के नाम से जाना जाता है; ये प्रणालियाँ समग्र स्वास्थ्य, प्राकृतिक उपचार और शरीर-मन संतुलन पर ध्यान केंद्रित करती हैं, जिनमें आयुर्वेद सबसे प्राचीन और सुव्यवस्थित प्रणालियों में से एक है, जो अपने दार्शनिक आधार और विविध उपचार विधियों के लिए प्रसिद्ध है। इन चिकित्सा प्रणालियों का आधार केवल रोग का उपचार नहीं, बल्कि शरीर, मन और आत्मा के समन्वय के माध्यम से संपूर्ण स्वास्थ्य की अवधारणा है। आयुर्वेद शरीर के तीन दोषों (वात, पित्त, कफ) के संतुलन पर केंद्रित; आहार, जीवनशैली, जड़ी-बूटी और पंचकर्म (शुद्धिकरण) जैसी तकनीकों का उपयोग करती है। अष्टांग आयुर्वेद अर्थात् कार्याचिकित्सा (आंतरिक चिकित्सा), शल्य (सर्जरी), कौमारभृत्य (बाल चिकित्सा), भूतविद्या (मनोविज्ञान), अगद तंत्र (विष विज्ञान), रसायन (जराचिकित्सा), वाजीकरण (प्रजनन) और शालक्य (नेत्र/कान/नाक) में विभाजित है। आयुर्वेद की ही भांति योग भी एक पारंपरिक चिकित्सा प्रणाली है जो शारीरिक आसन (आसन), प्राणायाम (सांस लेने के व्यायाम), ध्यान (मेडिटेशन) और नैतिक सिद्धांतों के माध्यम से मन-शरीर के समन्वय पर केंद्रित है। इसी तरह प्राकृतिक चिकित्सा में मिट्टी, पानी, धूप और आहार जैसी प्राकृतिक तत्वों से शरीर को स्व-उपचार क्षमता को बढ़ावा देती है। यूनानी चिकित्सा प्रणाली भी भारत में प्रचलित है, यूनान से आई यह प्रणाली शरीर के चार हमर (रक्त, बलगम, पीला पित्त, काला पित्त) के संतुलन पर जोर देती है और पर्यावरण के प्रभाव को मानती है। सिद्ध चिकित्सा प्रणाली मुख्यतः दक्षिण भारत में प्रचलित है, जिसमें जड़ी-बूटियों और धातुओं से बनी दवाओं का उपयोग और योग व ध्यान पर जोर दिया जाता है। सोवा-रिपा पहाड़ों की चिकित्सा प्रणाली है, हिमालयी क्षेत्रों (जैसे लद्दाख, सिक्किम) में प्रचलित है, जिसे ह्यतिव्यती चिकित्सा के रूप में भी जाना जाता है। भारत सरकार का आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय आयुष मिशन के माध्यम से इन प्रणालियों के विकास, अनुसंधान और मुख्यधारा की



स्वास्थ्य सेवा में एकीकरण को बढ़ावा देता है। ये प्रणालियाँ प्राचीन भारतीय ज्ञान पर आधारित हैं और अब वैश्विक स्वास्थ्य मंच पर भी अपनी पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की इन पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठा दिलाने में निर्णायक भूमिका निभाई है। उन्होंने इसे केवल सांस्कृतिक धरोहर के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की एक प्रभावी, सुलभ और टिकाऊ स्वास्थ्य व्यवस्था के रूप में प्रस्तुत किया है। उनके नेतृत्व में आयुष मंत्रालय की स्थापना, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत, विश्व स्वास्थ्य संगठन के साथ पारंपरिक चिकित्सा को लेकर साझेदारी और वैश्विक सम्मेलनों का आयोजन इस दिशा में ठोस कदम हैं। हाल ही में नई दिल्ली में पारंपरिक चिकित्सा पर दूसरा वैश्विक शिखर सम्मेलन इस बात का प्रमाण है कि भारत अब इस क्षेत्र में केवल सहभागी नहीं, बल्कि मार्गदर्शक की भूमिका निभा रहा है। प्रधानमंत्री की ओमान यात्रा आयुष और हर्बल उत्पादों के निर्वाह में हुई वृद्धि इस परिवर्तनशील परिदृश्य को स्पष्ट रूप से दर्शाती है। 61.1 मिलियन डॉलर से बढ़कर 65.1 मिलियन डॉलर तक पहुँचना केवल आर्थिक अंकड़ों नहीं है, बल्कि यह वैश्विक विश्वास का संकेत है। दुनिया के अनेक देश यह समझने लगे हैं कि भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ न केवल सस्ती और सुलभ हैं, बल्कि दीर्घकालिक स्वास्थ्य लाभ भी प्रदान करती हैं। यह तथ्य

और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब विश्व की लगभग एक चौथाई आबादी आर्थिक कारणों से बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित है। ऐसे में पारंपरिक चिकित्सा एक व्यवहारिक विकल्प के रूप में उभरती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार आज भी दुनिया के लगभग 170 देशों में 40 से 90 प्रतिशत आबादी किसी-न-किसी रूप में पारंपरिक चिकित्सा का उपयोग करती है। यह अंकड़ों का बड़ा कारण आधुनिक चिकित्सा से जुड़े दुष्प्रभाव, अत्यधिक दवाओं पर निर्भरता और महँगी उपचार प्रक्रियाएँ हैं। एलोपैथिक चिकित्सा ने जहाँ त्वरित राहत और शल्य चिकित्सा में अद्भुत प्रगति की है, वहीं इसके साथ दवाओं के साइड इफेक्ट, एंटीबायोटिक प्रतिरोध और दीर्घकालिक जटिलताएँ भी जुड़ी हैं। इसके विपरीत भारतीय पारंपरिक चिकित्सा रोग को जड़ तक पहुँचने का प्रयास करती है। आयुर्वेद शरीर की प्रकृति, दोषों के संतुलन और जीवनशैली के सुधार पर बल देता है। योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मानसिक शांति, एकग्रता और आत्मिक संतुलन का मार्ग है। इन पद्धतियों का उद्देश्य रोग को दबाना नहीं, बल्कि शरीर की स्वाभाविक उपचार क्षमता को जाग्रत करना

है। यही कारण है कि इन्हें अपेक्षाकृत सुरक्षित, कम दुष्प्रभाव वाली और दीर्घकालिक स्वास्थ्य के लिए उपयोगी माना जाता है। पारंपरिक चिकित्सा के दूसरे वैश्विक शिखर सम्मेलन में भारत ने इस दृष्टिकोण को प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने रखा। ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया, मेक्सिको, नेपाल, श्रीलंका सहित 16 देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकों ने यह स्पष्ट कर दिया कि पारंपरिक चिकित्सा अब कूटनीति और वैश्विक सहयोग का भी एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी किया गया ह्यआयुष मार्कह एक ऐतिहासिक पहल है, जो आयुष उत्पादों और सेवाओं के लिए गुणवत्ता का वैश्विक मानक स्थापित करेगा। इससे न केवल उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा, बल्कि भारतीय उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय स्वीकार्यता भी मजबूत होगी। हालाँकि यह भी सत्य है कि पारंपरिक चिकित्सा के क्षेत्र में कुछ चुनौतियाँ मौजूद हैं। गुणवत्ता नियंत्रण, मानकीकरण, वैज्ञानिक शोध और प्रमाणिकता के प्रश्न लंबे समय से उठते रहे हैं। कई बार अप्रमाणित दवा और मिलावटी उत्पाद इस पूरी प्रणाली की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगा देते हैं। किंतु ह्यआयुष मार्कह जैसी पहलों और वैज्ञानिक अनुसंधान को बढ़ावा देकर इन चुनौतियों से निपटा जा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक विज्ञान के बीच सेतु बनाया जाए, ताकि दोनों की श्रेष्ठताओं का समन्वय हो सके। आज जब वैश्विक आबादी का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 4.6 अरब लोग, पर्याप्त स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, तब भारत की पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियाँ आशा की किरण बन सकती हैं। ये प्रणालियाँ न केवल रोगों के उपचार में सहायक हैं, बल्कि रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संतुलित आहार, नियमित योगाभ्यास, प्राकृतिक औषधियों और मानसिक अनुशासन के माध्यम से अनेक बीमारियों को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित किया जा सकता है। इस संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दृष्टिकोण दूरदर्शी कहा जा सकता है। उन्होंने पारंपरिक चिकित्सा को अतीत की विरासत के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखा है। वैश्विक मंचों पर भारत की इस चिकित्सा परंपरा को स्थापित करने के उनके प्रयास यह संकेत देते हैं कि आने वाले वर्षों में विश्व स्वास्थ्य व्यवस्था में भारत की भूमिका और भी सशक्त होगी। जब आधुनिक चिकित्सा की सीमाएँ स्पष्ट हो रही हैं और विश्व एक समग्र, सुलभ और मानवीय स्वास्थ्य मॉडल की तलाश में है, तब भारतीय पारंपरिक चिकित्सा न केवल भारत के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक प्रभावी विकल्प के रूप में उभर रही है। यही इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि और भविष्य की सबसे बड़ी संभावना है।

## संपादकीय

### बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुईं

जीएसटी कटौती से एफएमसीजी कंपनियों की बिक्री में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। बाजार का दीर्घकालिक रुझान भी जारी रहा है। एस्प्यूवी की बिक्री खूब बढ़ी है, मगर छोटी कारों के मामले में मामूली बढ़ोतरी ही दर्ज हुई। धूम-धड़के से बचत उत्सव मनाने के बाद अब बारी उसकी कीमत चुकाने की है। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस को लाल किले से जीएसटी दांचे में बदलाव का एलान किया था। नवरात्रि के साथ नई दरें लागू हुईं, तो यह धारणा बनाने की कोशिश हुई कि भारतीय बाजार में माँग एवं उपभोग की कमी से उपजी तमाम आर्थिक समस्याओं का अब हल निकल आएगा। यह समाधान कितना हुआ, यह अपने-अपने महत्वपूर्ण प्रश्न है। मगर एक सवाल राजकोष पर इसके असर का भी है, जिसकी ओर तब अनेक हलकों से ध्यान दिलाया गया था। अब मुद्दा सामने है। महाराष्ट्र के वित्त मंत्री अजित पवार ने कहा है कि कल्याण योजनाओं पर अधिक खर्च के कारण पहले से ही राजकोषीय दबाव में चल रही राज्य सरकार को जीएसटी दरों में कटौती से सालाना 15 हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने जा रहा है। इसकी क्षतिपूर्ति के लिए राज्य सरकार उत्पाद शुल्कों में बदलाव पर विचार कर रही है। यानी जीएसटी में मिली राहत को उत्पाद शुल्क में वृद्धि से वापस लिया जाएगा। या फिर पहले से ही 9.32 लाख करोड़ रुपये के कर्ज बोझ तले दबी राज्य सरकार नए ऋण लेगी। कर्ज का गणित यह है कि उसका व्याज चुकाना होता है और वह भी करदाताओं की जेब से ही आता है। कर्जदाता मोटी जेब वाली कंपनियाँ और लोग होते हैं, जबकि ज्यादा बोझ फटी जेब वालों पर पड़ता है। अब अगर जीएसटी कटौती से हुए फायदों पर ध्यान दें, तो कुछ ताजा आंकड़े इसकी कहानी बता देते हैं। रोजमर्रा की जरूरत के सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियों की बिक्री दर में अक्टूबर में हुई बढ़ोतरी नवंबर में गायब हो गई। और अक्टूबर की कथा भी यह थी कि बिक्री में बढ़ोतरी बाजार के दीर्घकालिक रुझान के अनुरूप ही रही। मसलन, अक्टूबर-नवंबर के साझा आंकड़ों के मुताबिक कार बाजार में एस्प्यूवी की बिक्री 17 फीसदी बढ़ी, लेकिन छोटी कारों के मामले में यह तीन प्रतिशत ही रही। यानी बाजार के विस्तार की उम्मीदें पूरी नहीं हुईं हैं। लाभ धनी लोगों तक सीमित रहा, जबकि अब कीमत चुकाने का ज्यादा बोझ आम लोग उठाएंगे!

## चिंतन-मनन

### मुक्ति की तलाश

जापान में नानहेन नामक एक परम ज्ञानी फकीर थे। एक दिन एक व्यक्ति उनके पास पहुँचकर बोला, मैं संन्यास लेना चाहता हूँ। इसके लिए मैंने अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सब को तिलांजलि दे दी है। फकीर ने पूछा, क्या तुम बिल्कुल अकेले हो? तुम्हारे साथ वास्तव में कोई नहीं है। व्यक्ति बोला, आप मेरे आगे-पीछे देख लीजिए, आपका कोई नहीं मिलेगा। फकीर बोले, अपनी आंखें बंद करो। अंदर झाँककर देखो कि वहाँ कोई और तो नहीं है? जाओ, कुछ देर के लिए वटवृक्ष की छाया में बैठकर सोचो। थोड़ी देर बाद आना। वह व्यक्ति वटवृक्ष की छाया में बैठकर ध्यान करने लगा। जब उसने आंखें बंद कीं तो उसे अपने वृद्ध माता-पिता, पत्नी और बच्चों की छवि नजर आने लगी। वह चिंतित हो गया। घबराकर उसने अपनी आंखें खोलीं तो फकीर को अपने पास खड़ा पाया। व्यक्ति ने कहा, मैं तो अपना परिवार, नाते-रिश्ते सब पीछे छोड़ आया था, लेकिन यहाँ पर आंखें बंद करते ही उनकी छवि सामने घूम रही है। इस पर फकीर बोले, ध्यानमन होकर उन व्यक्तियों को अपने दिमाग से निकालने का प्रयत्न करो। कुछ देर बाद मेरे पास आना। दो घंटे बाद युवक ने फकीर का दरवाजा खटखटाया तो फकीर बोले, कौन है? युवक बोला, मैं हूँ। फकीर ने कहा, अभी भी तुम अकेले नहीं हो। तुम्हारा मैं तुम्हारे साथ है। अगर तुम इस में और भीड़ को छोड़ सको तो फिर यहाँ आने की जरूरत ही नहीं रह जाएगी। तुम मैं से मुक्ति पा लो तो फिर संन्यास लेने का भी कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। व्यक्ति ने फकीर की बात समझ ली।



योगेश कुमार गोयल

26 दिसम्बर को गुरु गोविंद सिंह जी के चार छोटे साहिबजादों के बलिदान की याद में 'वीर बाल दिवस' मनाया जाता है। इन वीर बालकों ने छोटी उम्र में ही अपने धर्म के लिए अपनी जान न्यौछार कर दी थी। वीर बाल दिवस वही दिन है, जब साहिबजादों 9 वर्षीय जोरावर सिंह और 6 वर्षीय फतेह सिंह को मुगलों द्वारा दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया था। गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों ने अन्याय के आगे सिर झुकाने के बजाय अपने देश, अपने धर्म की रक्षा के लिए हंसते-हंसते अपना बलिदान कर अपनी वीरता और अपने आदर्शों से ऐसे उदाहरण प्रस्तुत किए, जो हर किसी के लिए अनुकरणीय हैं। गुरु गोविंद सिंह और उनका पूरा परिवार सिख धर्म का प्रतीक था, जिनका एक ही प्रण था कि चाहे कुछ भी हो जाए, वे लोगों को धर्म परिवर्तन नहीं करने देंगे और



निर्मल रानी

देश में पिछले दिनों उस समय हिजाब को लेकर फिर एक बहस छिड़ गयी जबकि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गत 15 दिसंबर को पटना में एक सरकारी कार्यक्रम में नव नियुक्त आयुष डॉक्टरों को नियुक्ति पत्र वितरित करते समय एक मुस्लिम महिला डॉक्टर नुसरत परवीन जोकि चेहरा ढँकने वाली हिजाब पहने हुई थीं, का हिजाब सार्वजनिक मंच से उसके चेहरे से खींच कर उतारने की कोशिश की। उस समय डॉक्टर नुसरत परवीन स्टेशन पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के हाथों नियुक्ति पत्र ग्रहण करने हेतु आमंत्रित की गयी थी। इस घटना ने वहाँ मौजूद सभी लोगों को स्तब्ध कर दिया। इस घटना से संबन्धित बहस-बाहस वीडीओ में देखा जा सकता है कि घटना के समय जहाँ डॉक्टर नुसरत असहज दिखीं वहीं उसी मंच पर मौजूद बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी न केवल घटना से हतप्रभ नजर आये बल्कि उन्होंने नीतीश की ओर हाथ बढ़ाते हुये उन्हें हिजाब खींचने से रोकने की कोशिश भी की। जबकि उसी मंच पर मौजूद कुछ लोग हंसते हुये भी दिखायी दिये। इस घटना से एक बात तो साबित हो ही गयी कि नीतीश कुमार जैसे अनुभवी राजनेता लगभग 75 वर्ष की आयु तक पहुँचने के बाद अपना मानसिक संतुलन खो चुके हैं। इसी वजह से वे पहले भी महिलाओं को लेकर की गयी एक अत्यंत अभद्र टिप्पणी के लिये आलोचना का पात्र बन चुके हैं। कभी

## वीर बालकों की शहादत को सच्ची श्रद्धांजलि है 'वीर बाल दिवस'

मुगलों के खिलाफ एकता से लड़ेंगे। इसीलिए मुगलों द्वारा उनके परिवार को धर्म परिवर्तन करने के लिए अनेक कष्ट दिए गए। उनके दो बड़े बेटों अजीत सिंह और जुझार सिंह को उनके सामने ही मार डाला गया और दो छोटे बेटों जोरावर सिंह और फतेह सिंह को जिंदा दीवार में चुनवा दिया गया लेकिन गुरु गोविंद सिंह ने सिख धर्म छोड़कर मुगल बनना कभी स्वीकार नहीं किया। मुगल सेना द्वारा अचानक आक्रमण किए जाने पर गुरु गोविंद सिंह को पूरे परिवार के साथ 20 दिसम्बर 1704 को कड़कड़ाती ठंड में आनंदपुर साहिब किला छोड़ना पड़ा था। किले को छोड़कर जब वे सरसा नदी को पार कर रहे थे तो नदी में पानी के तेज बहाव के कारण उनके परिवार के सदस्य एक-दूसरे से बिछुड़ गए। उनके दोनों बड़े बेटे अजीत सिंह और जुझार सिंह उनके साथ चमकौर पहुँच गए जबकि माता गुजरी तथा दोनों छोटे बेटे जोरावर सिंह और फतेह सिंह अलग हो गए, जिनके साथ गुरु गोविंद सिंह का निजी सेवक गंगू था। गुगू माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को उनके परिवार से मिलाने का भरोसा देकर अपने गांव सहेड़ी ले गया और चंद सोने की मोहरों के लालच में इसकी खबर सरहिंद के नवाब वजीर खान को कर दी, जिसके बाद माता गुजरी और दोनों साहिबजादों को मुगलों द्वारा गिरफ्तार कर लिया। साहिबजादों को वजीर खान के समक्ष पेश किया गया

तो उसने उन्हें सिर झुकाकर खड़ा होने और इस्लाम धर्म अपनाने को कहा लेकिन इतने छोटे होकर भी दोनों ने सिर झुकाने और इस्लाम धर्म अपनाने से इन्कार करते हुए कहा कि हम अकाल पुरुख और अपने गुरु पिता के अलावा किसी और के समक्ष सिर नहीं झुकाते। वजीर खान ने दोनों बच्चों को काफी ललचाया, डराया, धमकाया लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। आखिरकार क्रूर वजीर खान ने दोनों को दीवार में जिंदा चुनवाने का आदेश दे डाला। जब उन्हें दीवार में चुना जाने लगा तो दोनों साहिबजादों ने मुगल सैनिकों को साहिबजादों का पाठ करने लगे। 26 दिसम्बर 1705 को फतेह सिंह और जोरावर सिंह को दीवार में जिंदा चुनवा दिया गया और इस प्रकार दोनों साहिबजादों ने अपने धर्म की खातिर हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दे दी। दोनों इतने वीर थे कि दीवार पूरी बन जाने के बाद भी अंदर से इनके जयकारा लगाने की आवाजें आती रहीं। कहा जाता है कि माता गुजरी को भी सरहिंद के किले से धक्का देकर मार डाला गया था। गुरु गोविंद सिंह को जब इस घटनाक्रम के बारे में पता चला तो उन्होंने अपनी माता और छोटे साहिबजादों की शहादत से दुखी होने और मुगलों के अत्याचारों के समक्ष घुटने टेकने के बजाय औरंगजेब को एक जफरनामा (विजय पत्र) लिखा, जिसमें उन्होंने औरंगजेब को स्पष्ट चेतावनी दी कि तुम्हारे साम्राज्य को समाप्त करने के लिए खालसा पंथ तैयार हो चुका है। गुरु गोविंद सिंह के सबसे बड़े



बेटे थे अजीत सिंह, जिन्होंने चमकौर के युद्ध में केवल 17 साल की आयु में ही मुगल फौज के छक्के छुड़ा दिए थे। तीसरे खतम होने पर उन्होंने तलवार निकालकर दुश्मनों से युद्ध किया लेकिन युद्ध के दौरान तलवार टूट जाने पर वे वीरगति को प्राप्त हुए। उनकी शहादत के बाद गुरु जी के दूसरे बेटे जुझार सिंह ने रणभूमि में मोर्चा संभाला और अद्भुत वीरता का प्रदर्शन करते हुए वीरगति को प्राप्त हुए। खेलने-कूदने की छोटी सी उम्र में गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों का बलिदान आज की युवा पीढ़ी को अपने देश और धर्म से प्रेम करने और इनकी रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने को तत्पर रहने का संदेश देता है।

## हिजाब विवाद : क्रिया से खतरनाक प्रतिक्रिया



कभी सार्वजनिक मंचों पर उनकी बेतुकी बातों व उनकी असामान्य हरकतों भी यही संकेत देती कि अब वे उम्र के उस पड़ाव पर पहुँच चुके हैं जहाँ उन्हें सार्वजनिक सक्रिय राजनैतिक जीवन से सन्यास ले लेना चाहिये। परन्तु इस घटना के बाद जिस तरह से इसे परिभाषित करने की कोशिश की गयी वह और भी हैरान करने वाली बात थी। हिजाब खींचने की बहस को नीतीश कुमार की मनोदशा से जोड़कर देखने के बजाये हिजाब धारण करने न करने को लेकर ही बहस छिड़ गयी। इस्लाम व मुस्लिम विरोध की राजनीति पर अपनी दुकानें चलाने वाले कुछ नेता तो बेशर्मी की सभी होंदों पर करते हुये नीतीश कुमार के बचाव में उतर आये। कांग्रेस, आर जे डी व अन्य कई विपक्षी दलों ने इसे महिलाओं और मुस्लिम समुदाय का अपमान बताया। किसी ने नीतीश से मुआफी की मांग की तो किसी ने इस्तीफा माँगा। जबकि कुछ ने नीतीश की मानसिक स्थिति पर भी सवाल उठाए। परन्तु इस विषय पर सबसे घटिया, ओछी अपमानजनक प्रतिक्रिया देने वाले दो नेता ऐसे भी हैं जो केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री जैसे संवैधानिक पदों पर बैठकर इस मुद्दे पर जहर उगल रहे हैं तथा अपनी अशिष्ट शब्दावली से देश की संवैधानिक मर्यादाओं का मजाक उड़ा रहे हैं। इनमें नीतीश कुमार के हिजाब विवाद पर अपनी पहली प्रतिक्रिया संसद भवन में देने वाले केंद्रीय मंत्री गिरिराज

सिंह ने नीतीश कुमार का खुलकर बचाव करते हुये कहा कि नीतीश ने कुछ भी गलत नहीं किया है। नियुक्ति पत्र लेने आए व्यक्ति को चेहरा दिखाना चाहिये। क्या भारत कोई इस्लामिक देश है? एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय चेहरा दिखाना पड़ता है, तो यहाँ क्यों नहीं? जब उनसे सवाल किया गया कि खबर है कि महिला डॉक्टर नुसरत परवीन के नौकरी छोड़ने की खबर है इस पर गिरिराज सिंह गुस्से में यह कहते सुनाई दिये कि नौकरी करे या जहन्नुम में जाए। उनका यह बयान सबसे ज्यादा विवादाित रहा और इसे सांप्रदायिक व अपमानजनक बयान के रूप में देखा गया। ऐसा ही निम्नस्तरीय बयान उत्तर प्रदेश सरकार में मत्स्य पालन मंत्री संजय निषाद द्वारा दिया गया। उन्होंने भी नीतीश कुमार का समर्थन करते हुये कहा कि अरे वो भी तो आदमी हैं न... नकाब छूट दिया तो इतना बवाल? कहीं और छू देते तो क्या हो जाता? संजय निषाद के इस बयान को भी महिला गरिमा को आहत करने की नजरों से देखा गया। जो डी यू के नेता व बिहार के अल्पसंख्यक मंत्री जमा खान ने नीतीश के प्रति अपनी वफादारी का सूचक देते हुये यह कहा कि यह पिता जैसा स्नेह था। तो कुछ मुस्लिम व महिला संगठनों द्वारा इस मामले में एफ आई आर दर्ज कराने व कई जगह नीतीश के विरुद्ध प्रदर्शन करने व उनका पुतला जलाने

की भी खबरें हैं। परन्तु सबसे बड़ी चिंता का विषय तो यही है कि इस घटना को लेकर नीतीश के मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा होने के बजाये जिसतरह हिजाब पर ही बहस छेड़ दी गयी और वह भी अपने कुतर्कों के द्वारा, इससे यह साबित होता है कि साम्प्रदायिकता की राजनीति करने वाले मुस्लिम विरोध या इस्लामी प्रतिकों के विरोध का कोई भी अवसर गंवाना नहीं चाहते। अन्यथा किसी केंद्रीय मंत्री के इस बेहूदे कुतर्क का क्या अर्थ कि एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय चेहरा दिखाना पड़ता है, तो यहाँ क्यों नहीं? संविधान की शपथ लेने वाले केन्द्रीय मंत्री गिरिराज को पता नहीं कि एयरपोर्ट, पासपोर्ट या वोटिंग के समय महिला सुरक्षा कर्मियों द्वारा किसी महिला को स्वेच्छा से उसके अपने हाथों से हिजाब या पर्दा हटाने को कहा जाता है न कि नीतीश के बयान को ही तरह बदतमीजी से किसी के चेहरे से हिजाब खींचा जाता है? ऊपर से पीड़िता को ही यह कहना कि वह नौकरी करे या जहन्नुम में जाए, इस तरह की शब्दावली देश का एक केंद्रीय मंत्री इस्तेमाल कर रहा है? बुर्का पर्दा या हिजाब को लेकर खुद विश्व मुस्लिम जगत में ही बड़ा घमासान है। दुनिया के कई अलग अलग इस्लामी देश अलग अलग तरह के परदे या हिजाब की परवर्षी करते रहे हैं। जबकि विश्व का एक बड़ा उदारवादी व प्रगतिशील वर्ग ऐसा भी है जो इस तरह की बंधियों को गैर जरूरी समझता है। कोई इसे इस्लामिक व शरिया से जुड़ी व्यवस्था बताता है तो कोई इसे सामाजिक या भौगोलिक जरूरतों का हिस्सा बताता है। कई महिलाएँ स्वयं इसका विरोध करती हैं तो कई इसे अपनी इम्पत से जोड़कर देखती हैं। परन्तु यहाँ बहस इन विषयों पर नहीं होनी चाहिये बल्कि बहस का विषय नीतीश कुमार द्वारा हिजाब को लेकर की गयी उनकी अनिष्ट क्रिया होनी चाहिये। और इस क्रिया से भी खतरनाक उन प्रतिक्रियाओं पर चर्चा होनी चाहिये जोकि उच्च संवैधानिक पदों पर बैठे मंत्री स्तर के लोगों द्वारा व्यक्त की गयी हैं।

## Why bigger may not be better for brands in 2026

Year 2025 is coming to a full stop in just a few days. An old year has passed and a new one dawns soon. Time to take a 'comma pause' and think of what 2026 might have in store in terms of marketing and branding. And why marketing and branding alone? Simply because marketing touches all our lives all the time.

In this view of the world, there are just two types of people. One are those who market to others, and the other are those marketed to. The truth: none of us can do without brands of one kind or the other. Every step you take, and every breath you take, a brand touches you. We are brand-polluted folk.

Let me ask questions then. Many of them. Is branding going to be back?

The year almost past saw the near-decimation of brandcraft in more ways than one. It remained one totally devoted to technology. 'MarTech' or marketing technology became a phrase on its own. Technology-led companies had the old world of brand-thinkers in a swirl. Technology led and brands had to follow meekly.

Most of those who believed in the prowess of MarTech, with its ability to crunch numbers—both at the macro and micro level—and deliver results, seem to be doing a big rethink now as the year ends. Brand delivery on the basis of data and numbers have taken companies and their promoters onto a different track altogether. Phrases such as hyper-personalisation, customer data platform, growth-hacking, and actionable analytics have become popular with the new proponents of new industries.

The startup founder has precious little time for branding. At best, branding is seen as a service. Very few think of the brand as the product itself. In the bargain, brand thinking took a back seat and the ecstasy-play with numbers became the new passion. Is branding going to be back in the boardroom once again as a cutting- and bleeding-edge differentiator in a world that is progressively getting flat in terms of the differentiated offering? I do believe it will. Brand managers and brand-thinkers will be in demand again. Startups of every kind will realise the ability of a brand that helps their offering stand apart from the rest. As technology brands took the route of being transactional in 2025, the year ahead promises to bring back relationships. Not yours and mine, which soured last year, but the relationships that define the umbilical connect between the brand and you as an individual user. A relationship status that shuns the transactional and moves more towards that end of the brand spectrum where companies invest in what moves people.

The recent fracas that IndiGo Airlines went through in December—where users did a quick flip from being ostensibly loyal brand-users to being very ardent, unforgiving and vitriolic critics in five days flat—is a clear case in point of the transactional brand being a weak thing to be.

For the customer then, this is good news. Brands are going to, once again, get a little more real than they have become. They will respect humans. Many will set up real call-centres once again with real people answering your real calls. The automated bots, that do little with limited interface today, are going to be relegated to a less important corner of competence. Till a self-aware and autonomous form of artificial intelligence arrives, of course. And that shall be a fun moment to wait for. The good news then: 2026 will see responsible companies of both the heritage and new-age kind re-embrace the art, science, and philosophy of branding. 'Long-termism' is going to be back. Startup 'now-termism' is going to have a few takers. Branding is going to be back with a whimper, if not a bang.

## G-RAM-G Bill dismantles a guarantee

Striking at India's federal compact, it shifts costs to states while centralising control

THE Modi government has pushed through Parliament the Viksit Bharat Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin) Bill, 2025 (the G RAM G Bill) to replace the Mahatma Gandhi National Rural Employment Guarantee Act, 2005 (MGNREGA). One thing that the G-RAM-G Bill clearly achieves is the dismantling of the MGNREGA job guarantee. The primary rationale for the G-RAM-G Bill is the cocktail of a name, using completely unrelated notions of Viksit Bharat and Ajeevika Mission to give it a religious colour. The G-RAM-G Bill disturbs India's fiscal federalism and constitutional scheme of things by trading job guarantee for a vote-catching name. The Bill raises several questions. What does the G-RAM-G Bill have to do with Viksit Bharat and Ajeevika Mission (Gramin)? Is it diluting the employment guarantee or effectively disbanding it? What are the implications of the Central government reducing its obligations in funding guarantee expenditure and shifting it to the states? Does the centralisation of authority in the Central government and the shifting of responsibility to states sound the death knell for federal polity? The G-RAM-G Bill mandates states to compulsorily notify "Viksit Bharat-Guarantee for Rozgar and Ajeevika Mission (Gramin): VB - G-RAM-G Scheme" and use the same nomenclature in all documents. The full name is unwieldy and may not be understood in non-Hindi speaking states. No one understands what Viksit Bharat is; its roadmap has been languishing at NITI Aayog for years. The G-RAM-G Bill only offers poverty-line wage income for only 3-4 months to unskilled workers. Such a low wage safety-valve job programme cannot be equated with the vision of Viksit Bharat. The G-RAM-G Bill has nothing to do with Ajeevika Mission, a separate Centrally Sponsored Scheme (CSS), either. The Modi government has only displayed unimaginativeness by including Viksit Bharat and Ajeevika Mission in the name of the G-RAM-G Bill.

The standout feature of the MGNREGA Act was the demand-based guarantee of 100 days' work to every rural household throughout the year. The G-RAM-G Bill dilutes it massively, while nominally raising it to 125 days. The G-RAM-G guarantee will not be available during at least a 60-day period every year, which all states will have to notify as "peak agricultural seasons of sowing and harvesting" in advance. During periods of natural calamities, unemployment stress deepens even during agricultural seasons. Even in such distressing times, the state governments would have to seek "specific relaxations", which the Centre may or may not grant or make it subject to conditions. The states/

panchayats will no longer be able to provide work by creating local labour-intensive works, as all G-RAM-G works will have to be aligned to the "national vision of Viksit Bharat @2047." Further, as the G-RAM-G guarantee will have to operate within the normative budget allocated to states by the Central government, the guarantee may have to be suspended even during non-peak periods. The MGNREGA guarantee is substantially gone. The MGNREGA guarantee was a credible national guarantee only because it was backed by the Centre's commitment to bear 100% wage expenditure. The Central government would now foot only 60% of the wages bill, that too, if it is within the state-specific normative allocation. The Central share for the material

Over-centralisation in the G-RAM-G Bill reduces the states to the status of municipalities, which have many statutory obligations but no ability to raise funds. The Bill provides the Central government with enormous authority to impose statutory obligations on unwilling state governments. The state governments would have to formulate the job guarantee scheme consistent with the provisions of the G-RAM-G Bill. All works shall have to originate in Viksit Gram Panchayat plans, prepared in line with the provisions of the Bill, consolidated at block, district and state levels and finally aggregated into the Viksit Bharat National Rural Infrastructure Stack. The Central government shall specify wage rate (s) which the states will have to implement without question. The

Centre will also have the authority to give any directions to the states. The G-RAM-G Scheme will be implemented as a CSS, allowing the Centre considerable leeway in scheme formulation, choice of works, funds flow, naming, etc. The Central government has no constitutional authority to interfere in the exercise of the states' executive authority in the State List subjects or to impose any statutory obligations on them. Article 282 allows the Central government to make grants on state subjects and nothing more. No statutory obligations can be imposed under Article 282. The CSSs derive their legitimacy from Article 282. As the G-RAM-G scheme is a CSS, no statutory obligations can be imposed on the states. The Bill strikes at the root of the federal character, which constitutes a basic structure as well. The G-RAM-G Bill is ultra vires of the Constitution. It must be



component has been reduced from 75% to 60%. All expenditures over what the Centre chooses to bear are a state government's responsibility. 100% liability of unemployment allowance, in any case, remains that of the state governments. The Central government will also have the right "to order stoppage of release of funds" and "institute appropriate remedial measures" in case it receives complaints. This can be easily weaponised to penalise the opposition states, as seen in the suspension of MGNREGA funds to West Bengal over the last three years. There is certainly a major misalignment of the Central government's offer of a political guarantee of 125 days' job and its financial obligation to fund it.

challenged in the Supreme Court. The states would be the principal losers if they implemented the G-RAM-G guarantee as a subordinate instrumentality of the Central government. To keep their existence and relevance intact, the states must think of providing the extant MGNREGA guarantee, without any dilution. For this, they may consider, until the Supreme Court decides, implementing the MGNREGA guarantee, using provisions of Section 30 of the G-RAM-G Bill, which allows better state schemes to continue.

In the longer run, the federalist forces must join hands and respond by faithfully implementing the MGNREGA guarantee while the Centre dismantles it.

## BJP tightens its hold on Maharashtra

The Tribune Editorial: The Maha Vikas Aghadi, already grappling with leadership ambiguities and internal contradictions, appears unable to counter the BJP's narrative of development and decisiveness.

The BJP's strong showing in Maharashtra's long-delayed civic body elections marks more than a routine local victory; it signals a steady consolidation of power at the grassroots in a state known for fractured mandates and shifting loyalties. Emerging as the single-largest party across several municipal councils and nagar panchayats, the BJP-led Mahayuti has managed to replicate, in miniature, the political template that delivered success in the recent Assembly elections. Local body polls are often dismissed as second-order contests, but in Maharashtra, they carry deeper political meaning. After nearly a decade without civic elections, these polls offered the first real test of organisational strength below the Assembly level. The BJP's ability to convert governance narratives — roads, welfare delivery and administrative stability — into votes suggests that its cadre network has matured beyond election-time mobilisation. Equally significant is the verdict's impact on the Opposition. The Maha Vikas Aghadi (MVA), already grappling with leadership ambiguities



and internal contradictions, appears unable to counter the BJP's narrative of development and decisiveness. Traditional Congress pockets in regions such as

Marathwada and parts of Konkan have shown visible erosion, underlining the party's continuing struggle to revive its local leadership base. For Chief Minister Eknath Shinde and Deputy Chief Minister Devendra Fadnis, the results offer complementary political dividends. Shinde can claim that his rebellion did not weaken the Shiv Sena's administrative appeal. Fadnis can reassert his role as the BJP's principal strategist in the state.

Yet, caution is warranted. Civic victories do not automatically translate into urban, Assembly or parliamentary dominance. Municipal governance brings its own challenges of service delivery, finances and public accountability, where voter patience is thin. If expectations raised during campaigns are not met, electoral goodwill can evaporate quickly.

## Time to strengthen military cadets' moral compass

When religiosity is permeating the armed forces like never before and rigid discipline is at odds with shorter attention spans, it's essential for young soldiers to toughen their moral compass. Having mentors—like Ronnie Pereira was at the National Defence Academy—would help, as would the NDA cadets' old prayer

As someone who spent four decades in uniform, I sometimes wonder why, while leadership as a subject is taught at Indian military academies, the idea of having a military vision of self is not stressed well enough. One might well say that having a vision is part of leadership training and is the same as having an aim. However, that's not so. In these times of the omnipresent social media, religiosity is being linked with one's nationalism and the apolitical fabric of the armed forces is being severely tested—with senior leadership being photographed with politicians and spiritual heads in religious places outside cantonments. The recent Supreme Court ruling upholding the dismissal of a young Army lieutenant for not attending the 'mandir parade' of his battalion has brought the armed forces officer cadre on the front-burner of national consciousness. In such a challenging environment, a personal vision can act as a moral compass to steer one's career in uniform with aplomb, and more importantly, in the spirit of what the Constitution expects from an officer. Having a vision is having 'an acute sense of the possible'. A vision is aspirational—a dream that subsumes multiple aims that are stepping stones to realising one's own vision. There is an inherent element of an aching for attaining something, best expressed by the blind entrepreneur Srikanth Bolla, who said on TV, "You do not need eyesight to have a vision." The exposure to TV and social media has made the present-day armed forces recruits different from those of yesteryears. Today's youth have an attention span of 10 minutes between commercials. However, real life is very different and is especially so in uniformed services where the daily routine is rigidly structured—reveille, go to work, follow a schedule, sleep and repeat the next day.

This is replicated over years, resulting in the atrophy of thought and enquiry, and a reduction in the excitement and novelty quotient. The antidote to this withering of individual and professional development is having a personal vision to work towards. This achieves three objectives. First, it helps an officer to strive for excellence. Consequently, there would be an elevation in their professional status. And third, seeing them as a focused individual raises his standing in the eyes of the organisation. It must be remembered that an officer is the most transparent person in a military formation, as their actions are evaluated by subordinates round the clock. "Does my sahab walk his talk?" is the unwritten evaluation metric. But how does one assess whether one is on the right track? While external mentors help, there is a very harsh critic within oneself who can give true feedback. Melodramatic as it may sound, but that person is the one in the mirror staring back every morning since they represent all of their subordinates looking up to them for leadership. A truthful answer to his questioning gaze on whether one lived up to the standards expected of a military personnel, would act as a personal guardrail in the endeavour to achieve one's vision. Since vision has an osmotic effect on compatriots and juniors alike, role models help in framing one's own. Ask any service officer who was a cadet in the National Defence Academy in the early 1970s when Commodore (later Admiral) Ronald 'Ronnie' Pereira was the deputy commandant. He was a disciplinarian to the core who would dish out punishments very liberally. He was the



most admired, too, because of his insistence on professionalism—one accompanied with a heart of gold when it came to looking after the wellbeing of cadets. Ronnie has been a role model for many, including this writer, and helped mould numerous young minds as they were launched into the roller-coaster of military life. In the 1970s and earlier, the NDA prayer was recited by cadets at the morning squadron muster. A line in that prayer has special significance in the present times of restructuring of social mores and the intrusive role that politics has started playing in daily functioning. Besides

asking the almighty to "help keep ourselves physically strong, mentally awake and morally straight", the prayer also asks to "awaken our admiration for honest dealing and clean thinking, and guide us to choose the harder right instead of the easier wrong". The gaze of that person, staring back every morning from the mirror, has been asking—and will continue to ask—whether that harder right path has been traversed or the easier wrong track taken for illegitimate gain. Indian military academies have their work cut out—to drill in this sentiment of right and wrong in the formulation of a personal 'vision' of every cadet under training, especially in these turbulent social media times. It would help greatly if the leadership, both military and civilian, leads by example. The bearers of stars on military epaulettes and office-holders in the political arena must remember that they are role models for the boys and girls starting their careers in the military in a resurgent India; they deserve only the best.

## Couping Data Leak: Presidential Office To Hold Emergency Meeting

New Delhi.(Agency)

The presidential office was set to hold an emergency meeting with relevant government officials later on Thursday to discuss a recent data breach at e-commerce giant Coupang, informed sources told Yonhap news agency. "There is widespread understanding within the government about the seriousness of the breach," a source said, asking not to be identified. "Given the gravity of the issue, the meeting will take place even on the holiday." Kim Yong-beom, presidential chief of staff for policy, was set to chair the meeting, which will also be attended by Science Minister Bae Kyung-hoon, Personal Information Protection Commission Chair Song Kyung-hee, Korea Media Communications Commission Chair Kim Jong-cheol and Fair Trade Commission Chair Ju Biung-ghi. Officials from investigative agencies, such as the National Police Agency, are also expected to attend, according to the source. Notably, Foreign Minister Cho Hyun and officials from the National Security Office are said to be attending the meeting, indicating they may look into Coupang's lobbying activities in the United States. Other sources close to the issue noted the fact that the meeting will be held on a holiday suggests how seriously President Lee Jae Myung takes the issue. During a briefing by the finance ministry on Dec. 11, Lee criticized the U.S.-listed e-commerce giant, saying, "Those people are not afraid of punishment at all." Earlier, South Korea launched an interagency task force (TF) to carry out an investigation into the recent data breach at U.S. e-commerce giant Coupang that affected 33.7 million users.

## Crypto market correction: Is this the time to enter for equity investors Giottus CEO explores

Kolkata .(Agency)

Though investing in crypto currency is frowned upon in India by the finance ministry and Reserve Bank of India authorities, many individuals invest in this asset and in growing numbers. Recently there has been a decline in the crypto market. Vikram Subburaj, CEO at Giottus explores the question, whether this dip offers an opportunity for investors to enter the crypto market which can provide a diversification strategy, especially when the equity markets are back near their peaks. He tries to answer the question why the decline in crypto prices and sums up the year 2025 for the asset. For details, please read on. South Asia is emerging as the fastest-growing region for 2025 and India frequently tops global indices and domestic reports also show a remarkable surge in crypto SIPs this year," Subburaj points out. Giottus is a fully compliant, FIU-registered Indian exchange serving over a million customers. Q: The crypto market correcting to a half-year low while equities remain at record highs, is this the right time to enter and consider a diversification strategy? A: This kind of dislocation is the time when diversification starts to make sense, provided investors stagger entries and manage risk. Bitcoin is trading around the high-\$80K to low-\$90K band after falling roughly 30% from its October all-time high above \$126,000. The broader market has shed over \$1 trillion in value. This has taken the total crypto capitalisation from above \$4.2 trillion to near \$3.2 trillion. Equities, meanwhile, are hovering around record levels. So, investors are effectively buying crypto on sale versus stocks at a premium. At the same time, global crypto ownership and penetration have continued to rise in 2025.

## Why India is likely to miss the \$1 trillion export mark: GTRI assessment

CHENNAI.(Agency)

India's ambition of exporting goods and services worth \$1 trillion by the end of FY26 is increasingly looking difficult to achieve, according to an assessment by Global Trade Research Initiative. The analysis highlights a growing disconnect between policy targets and prevailing economic conditions, shaped by a weak global trade environment and unresolved structural challenges at home.

The \$1 trillion export goal has been projected as a key milestone in India's push to expand its presence in global trade and strengthen its role in international supply chains. While services exports, led by information technology and business services, have continued to grow at a steady pace, merchandise exports have struggled to regain momentum. Sluggish demand in major markets such as the United States and Europe, along with geopolitical uncertainty and supply chain disruptions, has constrained growth in goods exports. The assessment by GTRI founder Ajay Srivastava notes that global trade conditions remain unfavourable for a rapid expansion in exports. High interest rates, persistent inflation and fiscal tightening in advanced economies have weighed on consumption and investment, limiting import demand. At the same time, rising protectionist measures, including non-tariff barriers and stricter regulatory standards, have increased compliance costs for exporters from emerging markets, including India. Domestic factors have further complicated the outlook. High logistics costs, fragmented manufacturing bases and regulatory complexity continue to undermine export competitiveness. Although initiatives such as production-linked incentive schemes have encouraged investment in select sectors, their impact on export volumes has so far been gradual rather than transformative. The analysis also questions the assumptions underlying the \$1 trillion target. Achieving such a figure within a short timeframe would require sustained double-digit growth across both goods and services at a time when global trade growth itself remains subdued.

# 8th Pay Commission: How inflation could shape salary and pension revisions

**As discussions around the 8th Pay Commission gather pace, the debate around pay hikes has already begun. Inflation may be under control on paper, yet higher rents and household expenses are shaping expectations from the next salary and pension revision.**

New Delhi.(Agency)

As the year draws to a close, expectations for the 8th Pay Commission have become more realistic. With the 7th Pay Commission ending on December 31, 2025 and the new panel given an 18-month timeline, revised salaries and pensions are now unlikely before late 2027 or early 2028. Once implemented, the 8th Pay Commission is expected to

revise pay and pensions for over 50 lakh central government employees and nearly 69 lakh pensioners. While the final implementation date and funding details are yet to be confirmed, one factor is already emerging as central to the discussions, i.e., inflation and the rising cost of living.

**WHY INFLATION MATTERS THIS TIME**

Unlike earlier pay revisions, the cost structure for households has changed sharply in recent years. Even though headline inflation remains largely under control, everyday expenses, especially in cities, have gone up steadily. Housing has become one of the biggest pressure points for working families. Shashank Gupta, Director at RPS, points out that inflation will play a key role in the commission's thinking. "Inflation and cost of living issues will be an important factor for consideration by the 8th Pay Commission, especially with the nature of

expenses having undergone a radical transformation in the last few years," he says.

**HOUSING COSTS UNDER STRAIN**



According to Gupta, housing expenses are where the strain is most visible. Rents, home loan EMIs, maintenance charges and electricity bills have all risen, particularly in urban centres. "As far as housing costs are concerned, the squeeze on working-class families is pretty clear,

even as headline inflation remains in control," he adds. This is where the fitment factor, i.e., the multiplier used to revise basic pay and pensions, becomes important. If salary hikes fail to match real living costs, it can affect savings, spending habits and long-term financial stability.

**MORE THAN JUST INFLATION MATH**

Gupta says that pay commission reforms go beyond simply adjusting for inflation.

"Reforms on the salary side are more than just mathematical compensation for inflation. They are related to the preservation of purchasing power," he explains, adding that housing affordability is likely to influence both salary hikes and HRA revisions.

**WHAT ABOUT ARREARS?**

There is also clarity emerging on arrears. CA Manish Mishra, Founder of GenZCFO, says delays in implementation will not mean loss of dues.

## AWS glitch sends shockwaves across US and India, disrupts cloud-powered services

New Delhi.(Agency)

Chennai: Amazon Web Services (AWS) experienced a disruption on Thursday that triggered connectivity complaints from users in the United States and India, bringing renewed attention to the fragility of cloud-dependent digital ecosystems. The incident was flagged by outage-tracking platform Downdetector, which recorded a sharp spike in user reports over a short period, suggesting problems with accessing services hosted on AWS infrastructure. In the US, the volume of complaints rose quickly during early hours, with users reporting difficulties ranging from slow response times to complete service unavailability. In India, the number of reports was relatively smaller but spread across key technology hubs, indicating that the disruption was not confined to a single geography. Several consumer-facing platforms, particularly online gaming services and applications that rely heavily on AWS for backend operations, were among those affected, amplifying the visibility of the outage during a period of high internet usage. AWS did not immediately acknowledge a widespread internal failure, and its public service health

indicators did not reflect a major system-wide disruption. This divergence between user-reported issues and official status updates highlights a recurring challenge in assessing cloud outages. Many digital



services operate on complex stacks involving content delivery networks, internet service providers, application layers and third-party integrations. A fault in any of these components can manifest to end users as a cloud outage even if core infrastructure remains largely functional. From an analytical perspective, the episode underscores the growing concentration risk in the global cloud market. AWS hosts a vast share of the world's digital traffic, from enterprise applications and fintech platforms to entertainment and gaming

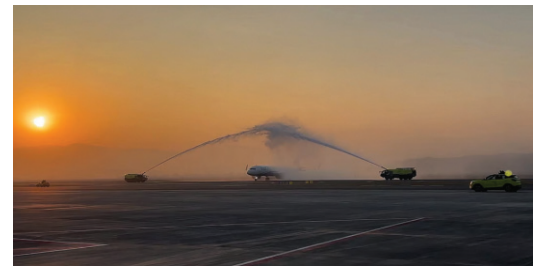
services. Even limited or region-specific disruptions can cascade quickly across multiple industries, affecting millions of users simultaneously. The timing of the incident, during a holiday period marked by elevated online activity, likely magnified both the operational impact and the volume of user complaints. The event also reflects the increasing reliance on real-time outage trackers as an alternative source of information during disruptions. While such platforms provide early signals based on crowd-sourced data, they can sometimes overstate the scale of a problem or blur the distinction between infrastructure failures and downstream service issues. At the same time, delays or limited transparency in official communications from cloud providers can fuel uncertainty among businesses and consumers alike. Overall, the reported AWS disruption serves as another reminder of how deeply embedded cloud services have become in everyday digital life and how even brief interruptions can have outsized effects. For enterprises, it reinforces the importance of redundancy, multi-cloud strategies and clear incident communication.

## IndiGo, Air India Express kick off operations at Navi Mumbai International Airport

MUMBAI.(Agency)

IndiGo and Air India Express commenced operations at the newly inaugurated Navi Mumbai International Airport (NMIA) on Thursday. Promoted by Adani Airport Holdings, NMIA commenced airside operation from December 25, 2025 with the arrival of its first commercial flight.

The inaugural arrival, IndiGo flight 6E460 from Bengaluru, touched down at 08:00 hrs and was welcomed with the traditional water salute. This was followed by the airport's first departure, an IndiGo flight 6E882 to Hyderabad, which took off at 08:40 hrs, completing NMIA's inaugural arrival and departure cycle. The airport, second in the Mumbai Metropolitan Region (MMR), is a 74:26 joint venture between Adani Airport Holdings Ltd (AAHL) and City and Industrial Development Corporation of Maharashtra (CIDCO). With a planned capacity of 90 million passengers and 3.2 million tonnes of cargo per annum, NMIA will commence Phase 1 operations with a capacity of 20 million passengers and 0.8 million tonnes of cargo per annum. IndiGo's initial services from NMIA connect to the following 13 destinations: Ahmedabad, Bengaluru, Cochin, Delhi,



Hyderabad, Lucknow, Mangaluru, Nagpur, Goa (Mopa), Jaipur, Chennai, Coimbatore and Vadodara. Vinay Malhotra, Head of Global Sales, IndiGo, said, "Initially, IndiGo will be connecting NMIA to over 10 key destinations across the nation. These newly launched services will support the growth of this brand-new aviation gateway and complement Mumbai's Chhatrapati Shivaji Maharaj International Airport." Air India Express inaugurated its services from NMIA with direct flights to Bengaluru and Delhi. The first Air India Express flight from Navi Mumbai International Airport operated to Bengaluru, marking the commencement of the airline's services from the new airport. Following the inaugural Bengaluru service, the airline's inaugural Delhi flight is scheduled to depart from Navi Mumbai at 14:05 hours and arrive in the national capital at 16:20 hours. Alok Singh, Managing Director, Air India Express, said, "AIX will scale up its operations going forward, offering guests reliable, value-driven connectivity delivered with the warmth of Indian hospitality, supported by a modern fleet."

## CBDT NUDGE campaign: Rectify mistakes if you receive SMS and emails; deadline Dec 31

Kolkata .(Agency)

The Central Board of Direct Taxes (CBDT) has launched the NUDGE campaign for assessment year 2025-26. NUDGE is the acronym for "Non-intrusive Use of Data to Guide and Enable". In the process, it is alerting taxpayers about incorrect deductions and exemptions via SMS and email. The CBDT is not out to scare taxpayers but wants to provide taxpayers with a window to voluntarily correct errors by reviewing their ITRs. The deadline for filing revised returns is December 31, 2025. This is a special campaign to encourage taxpayers to review their ITR (income tax returns) and voluntarily correct any errors.

**Why the NUDGE campaign?**

In a notification issued on December 23, 2025, the CBDT stated that advanced



data analytics and risk management systems have revealed instances where deductions and exemptions have been incorrectly claimed for assessment year 2025-26. Quite a few discrepancies have been found in these cases. Some taxpayers have shown donations to political parties or organisations that are either unrecognised or even non-existent. In many cases, incorrect or invalid PAN numbers have been used for donations. In some returns,

excessive deductions have been shown, resulting in understated income and understated tax liability. The CDT wants these to be rectified by the end of this calendar year.

**Mode of alerting taxpayers**

CBDT is not dispatching notices to taxpayers who usually view notices with apprehension. Instead Income Tax Department has contacted taxpayers via SMS and email. This contact is being made under the "Non-intrusive Use of Data to Guide and Enable (NUDGE)" campaign. Taxpayers have been asked to re-examine their ITRs and file revised returns by December 31, 2025.

**Avoiding false claims**

Do not ignore any messages or email from the Income Tax Department after Dec 12, 2025.

# Gold And Silver Bring Cheers For Investors, 2026 Outlook Remains Strong

**With equity markets facing volatility, both metals strengthened their position as preferred safe investment options, but silver clearly outshone all traditional choices. Gold's strong performance was supported by geopolitical tensions, inflation concerns, and expectations of interest rate cuts by the US Federal Reserve.**

New Delhi.(Agency)

In a year marked by heightened global uncertainty, precious metals delivered exceptional returns for investors, with silver emerging as a surprise winner. Silver prices surged by more than 137 per cent -- outperforming gold -- which also posted a strong gain of around 68 per cent this year. With equity markets facing volatility, both metals strengthened their position as preferred safe investment options, but silver clearly outshone all traditional choices. Gold's strong

performance was supported by geopolitical tensions, inflation concerns, and expectations of interest rate cuts by the US Federal Reserve. A major driving force behind gold's rally was steady buying by global central banks. For three consecutive years -- 2022, 2023 and 2024 -- central banks have purchased more than 1,000 tonnes of gold each year. Alongside this, global investors continued to invest through gold ETFs, using them as a safe place to park funds. Big global banks have turned increasingly bullish on gold's outlook. Goldman Sachs has raised its 2026 year-end gold price target to \$4,900 per ounce, citing strong central bank demand and ETF inflows. Deutsche Bank has also upgraded its outlook, projecting gold prices at \$4,450 per ounce in 2026.

Silver's rally, however, has been driven by more than just safe-haven demand. Strong industrial usage has played a crucial role. Growing demand from sectors such as solar power, electric vehicles, and electronics has significantly increased silver consumption. At the same time, supply constraints have tightened the market, pushing prices sharply higher.



This dual role -- as a precious metal and an industrial input -- has helped silver deliver more than double the returns of gold in 2025. Looking ahead, experts believe the positive momentum in silver could continue into 2026. Market specialists say that strong industrial demand, limited supply, and supportive global trends could help silver rise by another 15 to 20 per cent next year. Some analysts expect that in the first half of 2026 alone, silver may generate an additional 20 to 25 per cent return from current levels, though they advise investors to invest gradually, especially if prices see short-term corrections. Gold's outlook also remains positive for 2026. Continued central bank buying, possible US rate cuts, and

ongoing geopolitical risks are expected to support prices. Analysts suggest that keeping an eye on central bank activity -- whether they continue buying, hold their reserves, or start selling -- will be critical, as their actions often signal future price trends well in advance. "With uncertainty still dominating the global economic landscape, precious metals are likely to continue playing an important role in investor portfolios, offering a mix of safety and growth potential," experts stated. Meanwhile, both metal's prices climbed to new record highs on the MCX on Wednesday morning, helped by a weak US dollar and expectations that the US Federal Reserve may cut interest rates further. Gold futures for February rose 0.42 per cent to touch an all-time high of Rs 1,38,469 per 10 grams. Silver futures for March jumped nearly 2 per cent to hit a fresh record of Rs 2,23,742 per kg.

In the global market, gold prices crossed the \$4,500 per ounce level for the first time. The rise was driven by strong demand for safe-haven assets as investors expect more interest rate cuts by the US Federal Reserve next year.

# Safe City Project: 10,000 AI cameras with distress detection technology to watch over Delhi soon

New Delhi.(Agency)

The Delhi Police is currently working on a "real-time information generation-based system", 'Safe City Project', under which, the city will be covered by 10,000 Artificial Intelligence-enabled cameras. Once developed, the police control room (PCR) can receive information about any incident without the need for a PCR call — as the cameras will be equipped with features such as face recognition system and distress detection technologies, capable of identifying sounds and facial expressions associated with emergencies.

The project, started in 2018, had its deadline extended multiple times. It is now expected to be launched in 2026. According to senior officers, the Delhi Police has set up a team at the Police Headquarters to work on the Safe City Project, with officers of DCP and Joint CP ranks supervising its implementation.

Three technology companies have been awarded tenders for the project. It is being funded by the Centre under the Nirbhaya Fund — the estimated cost being around Rs

800 crore.

A senior police officer said that at least 32 data sets — including those from the National Crime Records Bureau (NCRB), criminal dossiers, the VAHAN portal, and ZIPNET — are being integrated into the Safe City system. Besides, two mobile command and control vehicles will be deployed under the project.

At least 88 Prakar Vans equipped with mobile data terminals, communication devices, body-worn cameras, vehicle-mounted cameras, and a global positioning system (GPS) are also part of this project.

The officer said that the installation of CCTV cameras is almost complete, while the integration of all databases and real-time testing are currently underway.

"The system will be designed in such a way that whenever a person in distress makes a sign, gesture, or sound, the AI technology will detect it and immediately raise an alarm at the control room, which we have named the C4i (Command, Control, Communication, Computing and



Intelligence) Centre," the officer said. Explaining the delay, the officer said that new technological upgrades are introduced every few months. "However, we hope to complete the work in the next few

months, and the project may be launched next year," the officer added.

The installation of cameras began in the riot-affected Northeast district and was later expanded to cover the entire city, the officer

further said.

The police are also working on ITMS (Intelligent Traffic Management System) to improve the traffic condition in real time. The police department is also working on the installation of 500 ANPR (Automatic Number Plate Recognition) cameras at major intersections across the city. The ITMS may be rolled out in a few months, another officer said.

**Projects in pipeline**

There are 26 other infrastructure projects in the pipeline aimed at strengthening the police force. In October this year, the Union Home Ministry sanctioned Rs 653.46 crore for these projects.

The approved projects include the construction of 18 police station buildings, 7 police posts, 1 women's hostel and 180 staff quarters. These projects aim to provide modern, well-equipped and gender-sensitive facilities to improve the working and living conditions of police personnel. All these projects will be executed by the Central Public Works Department.

## 18-year-old killed by friends over relationship dispute, body dumped in Outer North Delhi canal; two held

**According to the police, on November 22, a PCR call reported that a body was floating in the Munak Canal near Haiderpur Water Treatment Plant.**

New Delhi.(Agency)

An 18-year-old boy was killed by two of his friends and his body was dumped in the Munak Canal in Outer North Delhi over a personal dispute stemming from the deceased being in a relationship with a cousin of the accused, officers said. The accused, Ashish (23) and Vishal Dhilod (23), both residents of Northwest Delhi's Tikri Kalan area, were arrested following an intensive probe by the staff of the Samaypur Badli police station, DCP Hareshwar Swami stated. According to the police, on November 22, a PCR call reported that a body was floating in the Munak Canal near Haiderpur Water Treatment Plant. The body was recovered with hands and feet tied with shoelaces, a handkerchief around his neck, and three sharp injuries on the head, officers said. An FIR under Section 103(1) of the Bharatiya Nyaya Sanhita (BNS) was registered at Samaypur Badli police station.

"The deceased was identified as Ankit, a resident of Sadar Bazar, who had been reported missing from the Gulabi Bagh area since November 18, 2025," officials said. Investigation revealed the murder was motivated by a personal dispute. Detailing the motive behind the crime, DCP Swami said, "Ashish was enraged because Ankit was in a relationship with Ashish's cousin sister and refused to end contact despite multiple warnings. On how the murder played out, police said that the accused called Ankit to Tikri Kalan Metro Station, took him to a house in Gaddha Colony via scooter, drugged him, tied his limbs, and attacked him with a sharp-edged weapon. The body was loaded into a mini truck and thrown into the canal near Hanuman Temple, Bawana.

## Delhi Metro connectivity boost for central govt staff, Union Cabinet greenlights three new corridors

**Cabinet Minister Ashwini Vaishnav announced the Union Cabinet's go-ahead for the 16-km-long Phase V(A). The total estimated cost of building the new corridors, which are extensions of the Golden and Magenta Lines, is over Rs 12,000 crore.**

New Delhi.(Agency)

As the Union Cabinet Wednesday approved three new corridors of the Delhi Metro network, among people who would draw the maximum benefit are employees operating from the new Central government offices at Kartavya Bhawans. The corridors will also be helpful for people travelling to Terminal 1 of the Indira Gandhi International Airport and to Noida from Gurugram and Faridabad.

Cabinet Minister Ashwini Vaishnav announced the Union Cabinet's go-ahead for the 16-km-long Phase V(A). The total estimated cost of building the new corridors, which are extensions of the Golden and Magenta Lines, is over Rs 12,000 crore.

The 10-km Central Vista corridor starts at RK Ashram Marg and loops below Shivaji Stadium, Central Secretariat, Kartavya Bhawan, India Gate, War Memorial — High Court, Baroda House and Bharat Mandapam to reach Indraprastha. It will push connectivity to all Kartavya Bhawans, a government statement said, adding that it will help reduce pollution and usage of fuels, enhancing ease of living. It is likely to benefit around 60,000 office-goers and two lakh visitors daily. It will also connect West, North and old Delhi with Central Delhi.

Prime Minister Narendra Modi hailed the approval of the three new corridors, saying the decision will give a major boost to the Capital's infrastructure. "Delhi's infrastructure gets a major boost! Cabinet's approval for three new corridors as part of Delhi Metro's Phase V(A) Project will expand our capital's metro network, thus boosting 'Ease of Living' and reducing congestion," PM Modi wrote on X.

## Army Personnel Can Now Use Instagram, But There Are Conditions

New Delhi.(Agency)

The army has made a significant change to its policy on the use of social media: soldiers and officers are allowed to use Instagram for viewing and monitoring purposes only, sources said. They can't post, like, or comment as all other existing rules on digital activities for army personnel will remain in effect.

These instructions have been issued to every army unit and department, sources said, adding the aim is to allow soldiers to view and monitor content on social media for their own awareness and information gathering.

Soldiers will also be able to flag fake or misleading posts that they find to senior officers. The army has periodically issued guidelines on using social media platforms like Facebook, X (formerly Twitter), and

Instagram. Restrictions were previously imposed on their use for security reasons.

These strict rules were implemented because in some cases, soldiers fell victim to honey traps set by foreign



agencies, leading to the unintentional leakage of sensitive information. Recently, Indian Army chief General Upendra Dwivedi mentioned the rules for social media use by army personnel at the Chanakya Defence

Dialogue. The question that was asked was: "Today's youth, Generation Z, wants to join the army. There seems to be a contradiction. The army essentially means staying away from social media. Is the new army thinking about integrating this in a new way? Because even the Commanding Officers must be facing a lot of difficulty deciding how much to allow and how much not to?"

General Dwivedi replied, "This is indeed a problem because when these young people come to the NDA [National Defence Academy], I'm told that the first thing they do is search their cabins to find where they have hidden their phones. It takes three to six months to convince the cadets that there is life without a phone. But is a smartphone a necessity today? I think it is an absolute necessity today.

## Water Salute After First Landing As Navi Mumbai Airport Begins Flight Ops

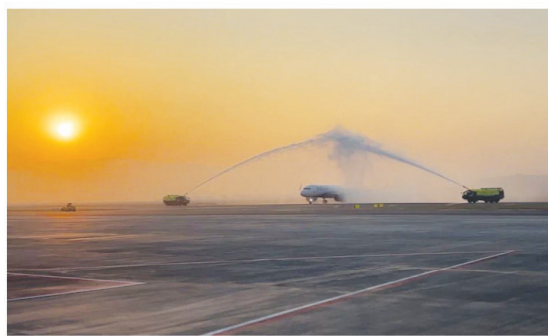
New Delhi.(Agency)

It's Merry Christmas at the Navi Mumbai International Airport (NMIA) as it commenced operations with the arrival of its first commercial flight. IndiGo flight 6E460, travelling from Bengaluru, landed at the Navi Mumbai International Airport at 8 am and was welcomed with the water cannon salute, a ceremonial aviation tradition in which fire trucks spray arcs of water over an aircraft as it taxis.

Ahead of the inaugural flight landing, the IndiGo staff were seen cutting a cake and breaking coconuts, an auspicious tradition. The landing was followed by the airport's first departure, IndiGo flight 6E882 to Hyderabad, which took off at 8:40 am.

Sharing real-time updates on social

media, Adani Group wrote: "A new era for Indian aviation takes shape. After years of planning and execution, Navi Mumbai International Airport stands ready to welcome its first flight. Built



to serve 90 million passengers annually by the final phase, NMIA is set to unlock new possibilities not just for Mumbai, but for the entire nation."

Adani Airports Holdings, which co-

developed the airport with City and Industrial Development Corporation of Maharashtra (CIDCO) under a Public-Private Partnership (PPP), aims to serve a wide range of travellers, from first-time flyers to frequent corporate passengers.

"The airport is here to cater to all passengers," Jeet Adani told Profit. "From the food to the art to the hospitality, everything has been carefully curated, keeping in mind our passengers," he added.

**Navi Mumbai International Airport: 8-Year Journey**

First conceived in 1997 by Maharashtra's city planning agency, City and Industrial Development Corporation (CIDCO), Prime Minister Narendra Modi laid the foundation stone for the airport in 2018. The airport was inaugurated by the Prime Minister on October 8 this year.

## One-third of Delhi's annual PM2.5 pollution is secondary ammonium sulfate

New Delhi.(Agency)

Nearly one-third of Delhi's annual Particulate Matter 2.5 (PM2.5) pollution is made up of secondary ammonium sulfate, resulting from coal plants, industries and agriculture, with the chemically-formed pollutant dominating the city's air during its worst pollution periods, according to a new analysis conducted by the Centre for Research on Energy and Clean Air (CREA), a Finland-headquartered think-tank.

Ammonium sulfate is a secondary inorganic aerosol formed through the oxidation of sulphur dioxide (SO2) into sulfate. This reacts with ammonia emissions from agriculture and other sources. Its formation is enhanced under humid conditions, linking coal-based power generation, industrial activity and agricultural ammonia to elevated PM2.5 levels in Delhi and across the National Capital Region (NCR). This is particularly alarming, as at 11.2 million tonnes, India is the biggest emitter of SO2 globally, and ranks second only to China, an analysis by CREA published earlier this year had flagged.

Its latest analysis found that ammonium sulfate accounts for 49% of PM2.5 pollution in Delhi during the post-monsoon period and 41% in winter, compared with just 21% in summer and monsoon. This indicates that the Capital's most severe pollution episodes are driven largely by region-wide SO2 emissions and secondary chemical formation in the atmosphere, rather than only local primary sources.

Secondary particulate matter is a core driver of PM2.5 pollution in India, with up to 42% of the country's PM2.5 burden being chemically formed in the atmosphere from precursor gases such as sulphur dioxide and ammonia, CREA said.

At the national level, the highest annual contribution of ammonium sulfate to PM2.5 mass was observed in coal-fired power plant-dominated states. Chhattisgarh recorded the highest share at 42%, followed by Odisha (41%), as well as Jharkhand and Telangana (40% each). High secondary PM2.5 contributions were also observed in Bihar (39%), Maharashtra, Andhra Pradesh and West Bengal (38% each), as well as Uttar Pradesh and Madhya Pradesh (37% each). "The current regulatory framework has exempted approximately 78% of coal-fired thermal power plants from installing flue gas desulfurisation systems, weakening sulfur dioxide control at source. Reinstating 2015 emission norms notification is therefore critical for mandatory installation of flue gas desulfurisation to reduce secondary ammonium sulfate formation and PM2.5," the analysis said.

## All Delhi private schools to set up fee regulation panels by January 10

New Delhi.(Agency)

The Delhi Directorate of Education (DoE) on Wednesday directed all private schools in the Capital to constitute School Level Fee Regulation Committees (SLFRCs) by January 10 next year under the Delhi School Education (Transparency in Fixation and Regulation of Fees) Act, 2025. The move marks the implementation of the new law to regulate fees charged by private schools from the current academic session and ensuring that fee hikes are reviewed transparently, giving parents a direct say in the process. As per the law, every school must place its fee proposals before its SLFRC, a body that includes parents, teachers and government representatives.

The step is crucial, as concerns on arbitrary fee hikes has been a longstanding issue, prompting hundreds of parents from top private schools in Delhi to take to the streets earlier this year.

Calling the measure a "historic step," Education Minister Ashish Sood said the legislation — notified on December 10 —

supplements the Delhi School Education Act, 1973, and seeks to safeguard parents' interests while eliminating arbitrariness in fee fixation.

He emphasised that the law is not against schools or teachers but is designed to build a balanced and trustworthy system. "Long pending questions such as 'what will happen to school fees this year' will now have a permanent solution," he added. The Act will be implemented through a two-tier mechanism comprising school-level committees and district-level appellate bodies.

Each SLFRC will comprise the school management as chairperson, the principal, three teachers, five parents and one representative from the DoE. Parent and teacher members will be chosen through a public draw of lots, with observers present to ensure fairness.

A waiting list of 10 additional members must also be prepared. To prevent conflicts of interest, only one parent per family can serve on the committee, and parents of

children admitted under EWS (Economically Weaker Section), DG (Disadvantaged Group), and CWSN (Children with Special Needs) categories — who are exempt from fee payment — will not



be eligible.

For the 2025-26 academic session, schools must complete the draw of lots and publish the final list of SLFRC members by January 10, 2026. Fee proposals must be submitted to the committee by January 25, 2026, and a decision must be taken within 30

days. If the SLFRC fails to decide within the stipulated time, the matter will automatically move to the District Level Fee Appellate Committee, which has been empowered to adjudicate disputes and hear appeals.

The DoE has also barred school managements from influencing the draw process. The date, time and venue of the draw must be publicly announced at least seven days in advance through notices on the school board and the school's website. As per the order issued by DoE Director Veditha Reddy, the one time operational timeline was being prescribed to ensure proper redressal and disposal of fee related matters this year. She noted that the directions were meant to provide clarity and uniformity, ensuring that parents and schools alike have a transparent mechanism to resolve fee issues without delay.

More than 1500 private unaided recognised schools will directly come under the ambit of the new law.

## NEWS BOX

**"Radical Left Scum": Trump Derides Rivals In Christmas Message**

United States . (Agency)

US President Donald Trump seized on the occasion of Christmas Eve to assail opposition Democrats, branding them "radical left scum" as he sent out holiday greetings. From his Mar-a-Lago estate in Florida, the Republican spent the day before Christmas spreading some yuletide cheer. He participated in NORAD Santa tracker calls and sent Christmas greetings to American troops worldwide. Trump did not share that same bonhomie with rival Democrats. "Merry Christmas to all, including the Radical Left Scum that is doing everything possible to destroy our Country, but are failing badly," Trump said on his Truth Social platform.

"We no longer have Open Borders, Men in Women's Sports, Transgender for Everyone, or Weak Law Enforcement. What we do have is a Record Stock Market and 401K's, Lowest Crime numbers in decades, No Inflation, and yesterday, a 4.3 GDP, two points better than expected," he added. Trump lashed out at the opposition, which has criticised his administration over its handling of the cost of living, a day after Commerce Department data showed the economy had grown by 4.3 percent in the third quarter -- the highest GDP in two years.

But the report also showed the price index for domestic purchases rose 3.4 percent -- a much higher inflation reading compared with 2.0 percent in the second quarter. In the week before Christmas, Democrats had criticised the Justice Department over its slow release and heavy redaction of thousands of records from the investigation into convicted sex offender Jeffrey Epstein, once a friend of Trump. Trump also sent greetings to troops worldwide, including those who are part of a major US naval buildup in Caribbean waters, where Washington has mounted a campaign to pressure Venezuelan leader Nicolas Maduro to leave office.

**Khaleda Zia's Son Tarique Rahman Returns To Bangladesh: A Look At His Time In Exile**

NEW YORK . (Agency)

Tarique Rahman, the eldest son of Bangladesh's former President Ziaur Rahman and former Prime Minister Khaleda Zia, has returned to the country after nearly 17 years in self-imposed exile. Rahman and his family were welcomed at Dhaka airport by thousands of Bangladesh Nationalist Party (BNP) supporters carrying placards and banners.

BNP supporters and party activists marched on foot toward the Dhaka airport along Banani Airport Road to mark the return of Rahman to Bangladesh. Earlier, images of him departing for Dhaka from London's Heathrow Airport with his wife, Zubaida Rahman, and daughter, Zaima Rahman, went viral on social media, with his party preparing for what they call an "unprecedented" gathering of more than five million people in the capital to welcome them. On the way back to my motherland, Bangladesh!" Zaima Rahman wrote on her Facebook page, sharing pictures from inside the aircraft, with her father and mother smiling beside her.

BNP's Mega Welcome Plan

BNP has planned to rally 5 million supporters from Dhaka Airport to Rahman's reception venue, to welcome their exiled leader, demonstrating its strength as he emerges as a top contender for prime minister in the February elections. This will be a defining political moment," senior BNP leader Ruhul Kabir Rizvi said, adding that security arrangements are being closely coordinated with authorities to ensure order.

**Israel Accuses Hamas Of Violating Gaza Truce, Says "Will Respond"**

World . (Agency)

Israeli Prime Minister Benjamin Netanyahu accused Hamas on Wednesday of violating the Gaza ceasefire agreement after a military officer was wounded by an explosive device in Rafah and Israel vowed retaliation. His office said in a statement that Hamas must fully uphold the October agreement, noting that it envisaged the militant group being removed from power in Gaza as well as demilitarisation and deradicalisation of the territory.

"Israel will respond accordingly," the statement added. The Israeli military earlier said that an explosive device had detonated against a military vehicle in the southern Rafah area of Gaza and that one officer had been lightly injured. Violence has subsided but not stopped since the Gaza truce took effect on October



10, and the sides have regularly accused each other of violating the ceasefire. Gaza's health ministry says Israel has killed more than 400 people in the territory since the ceasefire went into effect.

A 20-point plan issued by US President Donald Trump in September calls for an initial truce followed by steps towards a wider peace. It ultimately calls for Hamas to disarm and have no governing role in Gaza and for Israel to pull out of the territory, which remains in ruins after two years of war.

**After missing deadline, US DOJ says it may need 'few more weeks' to finish releasing Epstein files****The announcement came amid increasing scrutiny on the DOJ's staggered release of Epstein-related records, including from Epstein victims and members of Congress.**

WASHINGTON . (Agency)

The US Justice Department (DOJ) said Wednesday that it may need a "few more weeks" to release all of its records on the late sex offender Jeffrey Epstein after suddenly discovering more than a million potentially relevant documents, further delaying compliance with last Friday's congressionally mandated deadline. The Christmas Eve announcement came hours after a dozen US senators called on the DOJ's watchdog to examine its failure to

meet the deadline. The group, 11 Democrats and a Republican, told Acting Inspector General Don Berthiaume in a letter that victims "deserve full disclosure" and the "peace of mind" of an independent audit. The DOJ said in a social media post that federal prosecutors in Manhattan and the FBI "have uncovered over a million more documents" that could be related to the Epstein case — a stunning 11th hour development after department officials suggested months ago that they had undertaken a comprehensive review that accounted for the vast universe of Epstein-related materials. In March, Attorney General Pam Bondi told Fox News that a "truckload of evidence" had been produced after she ordered the FBI to "deliver the full and complete Epstein files to my office." She issued the directive after saying she learned from an unidentified source that the FBI in New York was "in possession of thousands of pages of documents." In July, the FBI and Justice Department indicated in an unsigned memo that they had

undertaken an "exhaustive review" and had determined that no additional evidence should be released — an extraordinary about face from the Trump administration,



which for months had pledged maximum transparency. The memo did not raise the possibility that additional evidence existed that officials were unaware of or had not reviewed. Wednesday's post did not say when the DOJ was informed of the newly uncovered files. In a letter last week, Deputy Attorney General Todd Blanche said Manhattan federal prosecutors already had more than 3.6 million records from sex

trafficking investigations into Epstein and his longtime confidant Ghislaine Maxwell, though many were copies of material already turned over by the FBI. The DOJ said its lawyers are "working around the clock" to review the documents and remove victims names and other identifying information as required by the Epstein Files Transparency Act, the law enacted last month that requires the government to open its files on Epstein and Maxwell. "We will release the documents as soon as possible," the department said. "Due to the mass volume of material, this process may take a few more weeks."

The announcement came amid increasing scrutiny on the DOJ's staggered release of Epstein-related records, including from Epstein victims and members of Congress.

Republican Rep. Thomas Massie, of Kentucky, one of the chief authors of the law mandating the document release, posted Wednesday on X: "DOJ did break the law by making illegal redactions and by missing the deadline."

**King Charles III picks Westminster Abbey as the site of his Christmas Day broadcast**

LONDON . (Agency)

King Charles III has chosen Westminster Abbey as the site of his Christmas Day speech on Thursday, reflecting the idea of pilgrimage that is expected to be a theme of the annual address to the United Kingdom and the Commonwealth. The central London landmark, known for the lavish coronations and royal weddings it has hosted for more than 1,000 years, is also the focus of an annual pilgrimage to the tomb of Edward the Confessor, which lies at the heart of the church. Edward, a monk-like monarch, was canonized as a saint in 1161.

The monarch's annual holiday message is watched by millions of people in the UK and across the Commonwealth, a voluntary association of 56 independent nations, most of which

have historic ties to Britain. The prerecorded speech is broadcast at 3 p.m. (1500 GMT), when many families are enjoying their traditional



Christmas lunch. The speech is one of the rare occasions when Charles, 77, is able to voice his own views and doesn't seek guidance from the government. It usually has a strong religious framework, reflects current issues and sometimes draws on the monarch's

personal experiences.

This year's address comes just two weeks after Charles made a deeply personal television appearance in which he said "good news" from his doctors meant that he would be able to reduce his treatment for cancer in the new year. The king was diagnosed with a still undisclosed form of cancer in early 2024. Buckingham Palace said that his treatment is now moving to a "precautionary phase" and his condition will be monitored to ensure his continued recovery. Charles recorded last year's speech at Fitzrovia Chapel, which was once part of the now demolished Middlesex Hospital. During that address, he honored care workers around the country and gave a special thanks to the doctors and nurses who supported him after his cancer diagnosis.

**North Korea displays apparent progress in construction of nuclear-powered submarine**

➔ **A nuclear-powered submarine was one item on a long wish list of sophisticated weaponry that Kim announced during a major political conference in 2021 to cope with what he called growing US-led military threats.**



SEOUL . (Agency)

North Korea on Thursday displayed apparent progress in the construction of a nuclear-powered submarine, with state media photos showing a largely completed hull, as leader Kim Jong Un condemned rival South Korea's push to acquire the technology.

North Korea's official Korean Central News Agency said Kim visited a shipyard to inspect the construction of what the North describes as an 8,700-ton-class nuclear-propelled submarine, which the leader has called a crucial step in the modernization and nuclear armament of North Korea's navy. The North has indicated it plans to arm the submarine with nuclear weapons, calling it a "strategic guided missile

submarine" or a "strategic nuclear attack submarine." During the visit, Kim described South Korea's efforts to acquire its own nuclear-powered submarine, which have been backed by US President Donald Trump, as an "offensive act" that severely violates the North's security and maritime sovereignty. He said that the South Korean plan further underscores the need to advance and nuclear-arm North Korea's navy, and claimed that the completion of his nuclear-powered submarine would be an "epoch-making" change in strengthening its nuclear war deterrent against what he called enemy threats. The agency did not specify when Kim visited the shipyard but released photos showing him inspecting a huge, burgundy-

colored vessel, coated with what appears to be anti-corrosion paint, under construction inside an assembly hall with senior officials and his daughter. It was the first time North Korean state media had released images of the submarine since March, when they mostly showed the lower sections of the vessel. It was not immediately clear how close North Korea is to completing the vessel. But because submarines are typically built from the inside out, the release of what appears to be a largely completed hull suggests that many core components, including the engine and possibly the reactor, are already in place, said Moon Keun-sik, a submarine expert at Seoul's Hanyang University. "Showing the entire vessel now seems to indicate that most of the equipment has already been installed and it is just about ready to be launched into the water," said Moon, a former submarine officer in the South Korean navy, who believes the North Korean submarine could possibly be tested at sea within months.

**Zelenskyy open to 'demilitarised zone' in Ukraine's Donbass region if Russia also withdraws troops**

**Zelenskyy said the US proposed the creation of a "free economic zone," which he said should be demilitarized. But it was unclear what that idea would mean for governance or development of the region.**

KYIV . (Agency)

Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy said he would be willing to withdraw troops from the country's eastern industrial heartland as part of a plan to end Russia's war, if Moscow also pulls back and the area becomes a demilitarized zone monitored by international forces. The proposal offered another potential compromise on control of the Donbas region, which has been a major sticking point in peace

negotiations.

Zelenskyy said the US proposed the creation of a "free economic zone," which he said should be demilitarized. But it was unclear what that idea would mean for governance or development of the region.

A similar arrangement could be possible for the area around the Zaporizhzhia nuclear power plant, which is currently under Russian control, Zelenskyy said. He said any peace plan would need to be put to a referendum. Zelenskyy spoke to reporters Tuesday to describe an overarching 20-point plan that negotiators from Ukraine and the US hammered out in Florida in recent days, though he said many details are still being discussed. Russia offers no hint it will agree to withdrawal. Russia has given no indication that it will agree to any kind of withdrawal from land it has seized. In fact, Moscow has insisted that Ukraine relinquish the remaining territory it still holds in the Donbas — an ultimatum that Ukraine has rejected. Russia has captured most of Luhansk and about 70% of Donetsk — the two areas that make up the Donbas. Asked about the plan, Kremlin

spokesperson Dmitry Peskov said Wednesday that Moscow would decide its



position based on information received by Russian presidential envoy Kirill Dmitriev, who met with US envoys in Florida over the weekend. Peskov declined to share further details. American negotiators have engaged in a series of talks with Ukraine and Russia separately since US President Donald Trump presented a plan to end the war last month — a proposal widely seen as favoring Moscow, which invaded its neighbor nearly four years ago. Since then, Ukraine and its allies in Europe have worked to pull the plan closer to Kyiv's

position. Zelenskyy said figuring out control of the Donbas region is "the most difficult point." Meanwhile, on the Zaporizhzhia nuclear power plant, the US has proposed creating a consortium with Ukraine and Russia, in which each party would have an equal stake. Zelenskyy countered with a proposal for a joint venture between the US and Ukraine, in which the Americans would be able to decide how to distribute their share, including giving some of it to Russia. Zelenskyy acknowledged that the US has not yet accepted Ukraine's counter-proposals. "But we have significantly brought most of the positions closer together," Zelenskyy said. "In principle, all other consensus in this agreement has been found between us and them." Zone would require difficult discussions. Creating the demilitarized economic zone in the Donbas would require difficult discussions on how far troops would be required to move back and where international forces would be stationed, Zelenskyy said, adding that it should be discussed at the leaders level.

**Faithful return to Bethlehem as Pope Leo XIV celebrates his first Christmas Eve Mass at St Peter's**

BETHLEHEM . (Agency)

Thousands of people flocked to Bethlehem's Manger Square on Christmas Eve as families there and at other sites across the Holy Land heralded a much-needed boost of holiday spirit, after two years of subdued celebrations because of the war in Gaza. At the Vatican, Pope Leo XIV presided over his first Midnight Mass in St. Peter's Basilica. In his homily, he marveled at the "wisdom" of the Christmas story — an infant Jesus born to save mankind. "In the face of the suffering of the poor, (God) sends one who is defenseless to be the strength to rise again," the first U.S. pope told a packed basilica. Bethlehem, where Christians believe Jesus was born, had canceled Christmas celebrations during the war. But on Wednesday, the giant Christmas tree returned to Manger Square, temporarily replacing the wartime nativity scene of baby Jesus surrounded by rubble and barbed wire in a homage to Gaza's suffering. Cardinal Pierbattista Pizzaballa, the top Catholic leader in the Holy Land, kicked off this year's celebrations during the traditional procession from Jerusalem to Bethlehem, calling for "a Christmas full of light."

Pizzaballa said he came bearing greetings from Gaza's tiny Christian community, where he held a pre-Christmas Mass on Sunday. In the devastation, he saw a desire to rebuild. "We, all together, we decide to be the light, and the light of Bethlehem is the light of the world," he told thousands of people, Christian and Muslim. Despite the holiday cheer, the impact of the war in the Israeli-occupied West Bank is acute, especially in Bethlehem, where around 80% of the Muslim-majority city's residents depend upon tourism-related businesses, according to the local government. There were only a handful of foreigners but some residents said they are starting to see signs of change as tourism slowly returns.

"Hope in very dark situations"

"Today is a day of joy, a day of hope, the beginning of the return of normal life here," said Bethlehem resident Georgette Jackaman, a tour guide. She and her husband, Michael Jackaman, another guide, are from Christian Bethlehem families that stretch back generations. This is the first real Christmas celebration for their two children, aged 2 1/2 and 10 months.

During the war, the Jackamans pivoted to create a website selling Palestinian handicrafts to support others who lost their livelihoods. The unemployment rate in the city jumped from 14% to 65%, Bethlehem Mayor Maher Nicola Canawati said earlier this month. A visitor from France, Mona Riewer, said being in Bethlehem helped her appreciate the meaning of the holiday. "Christmas is like hope in very dark situations," she said. Despite the Gaza ceasefire that began in October, tensions remain high in the West Bank, with Israeli military raids in what it describes as a crackdown on militants.

## NEWS BOX

**What are the two ISL formats that AIFF have proposed and are they any good**

NEW DELHI. (Agency)

Indian football's top tier remains in limbo, but the All India Football Federation has at least placed two concrete ideas on the table. After weeks of uncertainty surrounding the Indian Super League's future, a three-member AIFF committee has presented clubs with two possible formats for the 2025-26 season. Both are shaped by urgency, financial reality and the need to keep the league running, even if compromises are inevitable. The panel was set up in the aftermath of the AIFF Annual General Meeting on December 20 and met select stakeholders in New Delhi earlier this week for its first round of talks. Notably, the proposals were shared in their original form, with no added explanation, placing the onus



on clubs to judge their feasibility independently. Both formats have been designed with cost efficiency as a central pillar. With the ISL currently without a commercial partner following the expiry of its agreement with Football Sports Development Limited, financial sustainability has taken precedence over ideal sporting structures. Centralised venues and reduced matchdays are viewed as necessary trade-offs in the short term.

**Are they any good for Indian football?**

In the short term, the logic behind the proposals is hard to miss. The biggest danger facing the ISL right now is silence. AIFF officials are wary that a prolonged pause could make sponsors, broadcasters and commercial partners drift away, perhaps permanently. Getting the league on the field, even in a trimmed-down version, is seen as better than disappearing altogether. That said, the footballing trade-offs are impossible to gloss over. Centralised venues may help balance the books, but they drain the league of home atmosphere and local identity. Shortened formats compress the season, leaving little room for storylines to breathe.

**Real Madrid ask for full financial access in FC Barcelona's Negreira row investigation**

NEW DELHI. (Agency)

Real Madrid have taken another decisive step in the Negreira case by formally requesting unrestricted access to FC Barcelona's financial records connected to the long-running investigation. The move signals an escalation in what has become one of the most closely watched legal disputes in European football. The request was submitted by former top-flight referee Xavier Estrada Fernandez, who is participating in the proceedings as a private prosecutor. In filings submitted to a Barcelona court, Real Madrid have asked to review all audits, due diligence exercises and forensic financial assessments linked to payments made to Jose Mara Enriquez Negreira or companies associated with him over a prolonged period. Madrid's submission covers financial reviews carried out between 2010 and 2021 and specifically references work completed by major external firms,



including KPMG, PwC, Deloitte and Kroll. By seeking access to these documents, the club is aiming to piece together a detailed picture of how the payments were authorised, recorded and evaluated internally at Barcelona.

**What Real Madrid want to see**

Real Madrid's request extends well beyond external audits. The club has asked for access to more than 600 documents submitted by Barcelona to the court in July 2023, which form a substantial part of the evidentiary record in the case. These include financial explanations and supporting material provided by the Catalan club during the investigative phase. The filing also seeks disclosure of Barcelona's own internal investigation into the payments. Madrid have requested preliminary and final reports, records or summaries of interviews conducted during that process, and details of any internal compliance or governance checks carried out by the club. The aim is to determine not only the scale of the payments, but also how they were justified internally and whether established procedures were followed.

**Don't think I've seen Starc bowl better: Ricky Ponting praises Ashes impact**

**Ricky Ponting has lauded Mitchell Starc for his outstanding performances in the ongoing Ashes, pointing to the clear evolution in his bowling. Starc's impact has been central to Australia establishing a commanding 3-0 lead over England.**

NEW DELHI. (Agency)

Former Australia captain Ricky Ponting has heaped praise on Mitchell Starc, describing the left-arm quick's performances in the ongoing Ashes as the finest he has seen across Starc's career. Speaking on the ICC Review Podcast, Ponting said Starc's impact with the ball has been decisive in Australia racing to an unassailable 3-0 lead in the 2025 series. Starc has been named Player of the Match twice in the first three Tests, underlining his central role in Australia's



dominance over England. "I don't think I've seen him bowl better," Ponting said. "It really has been quite outstanding what he's done with the new ball. He's always been known as a brand new ball bowler, and then someone that was a good bowler with the old ball, the ball that was reverse swinging. But he's added a few different dimensions to his

game, a few different skills which have made him a more complete bowler." Starc's numbers this year reflect that assessment. In 2025, he has taken 51 wickets in just 10 Test matches at an average of 17.15, making him the leading wicket-taker in the format this year. In the Ashes alone, he has already picked up 22 wickets at an average of 17.04,

repeatedly unsettling England's batting line-up across all conditions. Australia's reliance on Starc was heightened early in the series, with Pat Cummins and Josh Hazlewood unavailable for parts of the campaign. Starc responded by leading the attack, finishing the first half of the series as the highest wicket-taker with 22 wickets from six innings and setting the tone for Australia's bowling unit. Ponting also offered insight into the technical evolution that has elevated Starc's effectiveness. "He just doesn't rely on that big in-swing now to a right-hander," Ponting explained. "He's got the wobble seam delivery that goes across the right-hander and gives him a lot more consistency. So he knows he can bowl that ball pretty much at will. He knows the line and length that it's going to be delivered at. And then his big strike weapon is still the fuller in-swinging ball to the right-handers."

According to Ponting, the addition of a reliable wobble seam delivery has given Starc a crucial new option, allowing him to challenge right-handed batters with movement away as well as his trademark in-swing.

**Zinedine Zidane watches son Luca make Algeria debut at AFCON**

Rabat. (Agency)

France and Real Madrid legend Zinedine Zidane had a front-row seat to a special family moment as his son Luca Zidane made his senior debut for Algeria in a comfortable 3-0 win over Sudan in the Africa Cup of Nations on Wednesday. The French football great was spotted in the stands at the Moulay El Hassan Stadium, drawing warm applause from fans whenever he appeared on the big screen. Algeria began their Group E campaign in style, with captain Riyad Mahrez scoring twice and young midfielder Ibrahim Maza finding the net to underline their status as one of the tournament favourites.

While the goals took centre stage, there was quiet interest in goal, where Luca delivered a composed performance on his first international outing. The Granada goalkeeper was handed his chance after first-choice stopper Alexandre Oukidja was ruled out with injury. Having opted to represent Algeria, his grandfather's country, Luca looked assured between the

posts and showed little sign of debut nerves. Algeria struck early, with Mahrez opening the scoring in the second minute



after being set up by Hicham Boudaoui. Sudan briefly threatened on the counter, but Luca was alert to deny Yaser Awad and later stepped in again when Sudan found pockets of space despite being under sustained pressure. Sudan's task became tougher just before the interval when Salah Adil was sent off for a second yellow card following a foul on Rayan At-Nouri. With a numerical advantage, Algeria controlled proceedings

**Zinedine Zidane watched proudly as his son Luca made his Algeria debut at AFCON. A composed display in goal capped a dominant win and added a memorable family moment to Algeria's campaign.**

in the second half but had to remain patient before adding to their lead. Mahrez doubled his tally in the 61st minute, finishing off a clever cross from Mohammed Amoura. The win was sealed late on when substitute Ibrahim Maza reacted quickest after Baghdad Bounedjah's header to score his first international goal. As Algeria moved to the top of Group E with a convincing victory, the night also carried a personal touch. Zinedine Zidane's presence added a feel-good subplot, as Luca Zidane marked his AFCON debut with a clean sheet and a memory that went beyond the result

**Steve Smith cleared to captain in Boxing Day Test as Australia name all-pace attack**

NEW DELHI. (Agency)

Steve Smith has been cleared to lead Australia in the Boxing Day Test after recovering fully from an inner-ear issue, but the hosts will wait until match morning to lock in their final XI for the fourth Ashes Test at the Melbourne Cricket Ground. With the Ashes already secured, Australia will walk into the marquee Test without regular captain Pat Cummins and injured off-spinner Nathan Lyon, opting instead to assess conditions before finalising their combination. Speaking after Australia's final training session on Christmas morning, Smith said the selectors wanted another close look at the pitch before making the final call. The surface, described by Smith as "quite furry" and carrying around 10mm of grass, is expected to offer plenty for fast bowlers, especially with cool and overcast conditions forecast for day one. "I had a few bad days before the



(Adelaide) Test and the first couple of days of the (match until) all my vestibular stuff settled down... It was a shame to miss that one, it looked like a pretty nice wicket for batting," Smith said. "I was watching in the hotel those first two days and wished I could have been out there, but I was it was the right call at that stage (because) I was struggling," he added. Australia XII: Travis Head, Jake Weatherald, Marnus Labuschagne, Steve Smith (c), Usman

Khawaja, Alex Carey (wk), Cameron Green, Mitchell Starc, Scott Boland, Brendan Doggett, Michael Neser, Jhye Richardson.

Australia will go without a specialist spinner, putting Todd Murphy's hopes of a home Boxing Day Test on hold. Instead, Brendan Doggett, Michael Neser and Jhye Richardson are competing for the final pace spots alongside Mitchell Starc and Scott Boland. Richardson, returning from a long injury layoff, is edging closer to his first Test appearance in nearly four years. Smith was upbeat about Richardson's return, noting his proven impact at the highest level. The stand-in captain also confirmed that Australia have already settled on their 12, with the final XI to be chosen after a last inspection of the wicket on Thursday morning. Smith's return to the side has triggered a minor reshuffle in the batting order.

amusement. Online, the "vada pav" reference has been treated largely in good humour. For many fans, it reinforces Rohit's image as a cricketer deeply connected to Mumbai's culture and ethos — approachable, grounded, and comfortable engaging with supporters. Others have used the moment as meme material, playfully exaggerating a long-running joke rather than making any serious comment about his diet. That context matters, particularly given Rohit's renewed focus on fitness. Since returning to competitive action after a four-month break in October, the former India captain has been noticeably disciplined. Earlier this month, during a birthday celebration for Yashasvi Jaiswal following an ODI against South Africa, Rohit jokingly declined cake when Virat Kohli encouraged the youngster to feed him a slice. "Mota ho jaunga main vapas," Rohit quipped — a light-hearted line that nonetheless underlined the effort he has put into his conditioning.

**The Ro-Ko pull: BCCI deserve plaudits for bringing star power to domestic cricket**

**The first day of the Vijay Hazare Trophy saw the return of Rohit Sharma and Virat Kohli to the domestic circuit, and with it, the attention of the fans came back to the domestic circuit. The BCCI deserves plaudits for making it a mandate for stars to grace the domestic circuit with their presence; they have ensured that they have set up a foundation for bigger things.**

NEW DELHI. (Agency)

It's the Christmas season, a time when festivities usually take centre stage and cricket often takes a backseat. But this year, all eyes were firmly fixed on the Vijay Hazare Trophy, with the buzz around the tournament reaching an all-time high. The BCCI were clear with their messaging ahead

of New Zealand's tour of India for an ODI series and five T20Is, just months before the T20 World Cup 2026 in February: go and play the Vijay Hazare Trophy. Many felt the cricket board was being a bit too strict with players who had just finished an international series against South Africa on December 19. But the message was unambiguous. The BCCI wanted India's stars to head back to the domestic circuit and grind it out alongside the rest of the domestic regulars. You may call it an attempt to end the superstar culture, but the board clearly wanted to refocus attention on India's domestic structure. Until the 2010s, it was common to see Indian greats like Sachin Tendulkar and Rahul Dravid turning out for their state sides. The Challenger Trophy, which pitted India's top stars against one another, was another highlight — competitive, intense and full of memorable moments. Who can forget a young Sreesanth trying to sledge Sachin Tendulkar? Over time, that culture faded. While young talents continued to rise through the ranks and break

into the national side, appearances by established superstars in domestic cricket



became increasingly rare. That changed this season. Jaipur was gripped by Rohit Sharma fever as thousands thronged the Sawai Mansingh Stadium to cheer for the former India captain. Some neutrals could have easily mistaken the venue for Mumbai's Wankhede Stadium. Rohit obliged the fans with a sensational hundred as Mumbai cruised to victory. Things were expected to be quieter in Bengaluru, where Virat Kohli was

scheduled to play behind closed doors at the BCCI Centre of Excellence. But Kohli's aura ensured otherwise. Fans climbed trees just to catch a glimpse of the star batter, who then went on to produce a brilliant hundred.

**MORE EYES ON DOMESTIC**

There has never been any doubt about the depth of talent in Indian cricket. The opening day of the Vijay Hazare Trophy itself witnessed breathtaking centuries from Vaibhav Suryavanshi, Sakibul Gani and Ishan Kishan, with records tumbling across venues. Bihar smashed 574 for six against a hapless Arunachal Pradesh, while Karnataka pulled off a magical chase to stun Jharkhand.

All that was needed was attention to the product. When players like Rohit Sharma and Virat Kohli return to the domestic circuit, fan interest naturally skyrockets. Earlier this year, when Kohli played a Ranji Trophy match, the scenes outside the Arun Jaitley Stadium were enough to underline his enduring popularity.



Karan Kundrra Calls Doing Laughter Chefs With

# Tejasswi Prakash

‘Weekly Rehearsal For Future’

**K**aran Kundrra and Tejasswi Prakash have been one of the cutest couples on television, and recently the two have joined COLORS’ Laughter Chefs: Unlimited Entertainment. The audience has been loving their on-screen camaraderie on the reality show. Now, as the year 2025 is coming to an end, Karan Kundrra has opened up about how this year has been for him.

Speaking about how 2025 has been, Karan Kundrra shared, “This year has been special in more ways than one. Watching Laughter Chefs come back and win the audience all over has been the highlight of my year, and I couldn’t be prouder of the entire team. One of the most unexpected joys has been cooking with Teja and learning about her kitchen personality; it honestly feels like a weekly rehearsal for the future. Nothing on this show feels put on. We argue, we panic, we laugh at each other, and somehow



land the dish just as time runs out. That honesty has connected with people, and I think audiences sense that.

The kitchen troublemakers on this show make me laugh at the most ridiculous things, and I hope viewers continue to find themselves doing the same in 2026. Here’s to more fun, more wins, and many reasons to celebrate. Wishing everyone a very Happy New Year.”

**More About Laughter Chefs – Unlimited Entertainment Season 3**

The celebrity cooking-comedy reality show, which premiered on November 22, is hosted by popular comedian Bharti Singh. Celebrity chef Harpal Singh Sokhi serves as the judge of the third season, featuring a new twist: contestants are split into two rival teams, Team Kaanta and Team Chhurri, adding a competitive edge to the culinary chaos.

The show airs on Colors TV every Saturday and Sunday at 9 PM and also streams on JioHotstar. The season features a mix of returning favourites from previous seasons and new celebrity duos, including Elvish Yadav and Isha Malviya, Aly Goni and Jannat Zubair, Krushna Abhishek and Kashmera Shah, Abhishek Kumar and Samarth Jurel, Karan Kundrra and Tejasswi Prakash, Gurmeet Choudhary and Debina Bonnerjee, and Vivian Dsena and Eisha Singh.

Recently, after Bharti Singh took a maternity break following the delivery of her second baby boy, reports suggest that Arjun Bijlani will replace her as a temporary host.

**Sukesh Chandrasekhar’s Gifts**

Jacqueline Fernandez A New Home, Calls It ‘The Love Nest’



**A**lleged Conman Sukesh Chandrasekhar has gifted a new home to Bollywood actress Jacqueline Fernandez for the occasion of Christmas. In a letter that Sukesh wrote to Jacqueline on Wednesday, he described the new home as their ‘love nest’ and expressed his love for the actress.

“Baby on this gracious, glorious day I present you, ‘The Love Nest’ your new, our new home in Beverly Hills. Yes, my love the same house which I made for you, for us, which you thought would not be completed. Baby I am proud to say I completed it for you and gifting it to you today on this Christmas day. But Baby it’s bigger and better, than how it was previously planned by us, that is a private, our own ‘19’ Hole golf course around our house,” he wrote, as quoted by IANS.

Sukesh further claimed that he is planning to buy the IPL team Royal Challengers Bengaluru (RCB) and added, “Baby one more thing, on this Christmas day I wanna surprise is, one more dream of yours, I am working on which is owning an IPL team, I have placed my bids for RCB, god willingly we should be able to get a piece of action.”

For the unversed, Sukesh Chandrasekhar is currently lodged in Delhi’s Mandoli jail in connection to Rs 200 crore extortion case. He was rumoured to be in a relationship with Jacqueline. While the actress has repeatedly denied any kind of romantic relationship with Sukesh, she is an accused in the case and has also been questioned by the Enforcement Directorate multiple times.

The central agency believes that Jacqueline was aware of conman Sukesh being an extortionist. In a chargesheet filed by ED, the central agency claimed that even the actress’ family and friends ‘benefitted’ from her alleged relationship with Sukesh. In September 2022, Jacqueline’s stylist had also admitted taking Rs 3 crore from Sukesh.

However, Jacqueline Fernandez has always maintained that she was unaware of the alleged crimes committed by Jacqueline. In February 2024, Jacqueline also accused Sukesh of using media as a tool to defame her image. She had also alleged harassment by him and had asked the court to file a case against him. However, the actress withdrew her plea later.

**‘Strange, Unpredictable World’: Priyanka Chopra On Her Life With Social Media**



**P**riyanka Chopra Jonas travelled to India to film for the upcoming season of Kapil Sharma’s The Great Indian Kapil Show on Netflix. The first episode of Season 4 of the show aired on December 20 and lived up to fans’ expectations. During a talk with Kapil, Priyanka discussed the unpredictable nature of social media and how it impacts her as an actor. Opening up about it on the show, she said, “We live in a strange and unpredictable world, with all kinds of people. There is a lot of weirdness on social media, so always choose kindness. Please treat everyone around you well, make them laugh. Nothing is more important than this.”

**Priyanka Chopra’s Adorable Moment With Malti**

During a recent appearance on The Great Indian Kapil Show, she also talked about how her Indianness comes through when she scolds her three-year-old daughter, Malti Marie Chopra Jonas. When Kapil Sharma asked what words she uses to chastise her daughter, the actress revealed a humorous anecdote that had everyone chuckling.

In the episode, the comedian-turned-actor said, “Hum ye jaanna chahte hai Priyanka Chopra, unki beti jab shararat karti hai toh aapke andar se kaun si bhasha nikalti hai uss samay (We want to ask Priyanka Chopra, when your daughter is being naughty, what language comes out of you at that moment)?”

Responding with humour, the actress revealed, “Meri soch Hindi mein hoti hai lekin usko zyada Hindi samajh mein nahi aati hai aur wo meri galti hai kyunki main bolna bhul jaati hun kabhi kabhi usse lekin nikalti Hindi mein hi hai (My thoughts are in Hindi, but she doesn’t understand Hindi that well, and that is my fault because sometimes I forget to speak it with her. But when it comes out, it comes out in Hindi).”

She then mockingly showed how she scolds her daughter, much like a typical Indian mother. Her performance had the audience in splits. She noted that Malti frequently stares at her, perplexed by what her mother just said. Priyanka went on to claim that she would then switch to English.

# Nagma Mirajkar

Farrhana Bhatt All Set To Embrace Christmas Spirit

**C**hristmas is just around the corner, and Bigg Boss 19 alums are all set to embrace the holiday spirit. While some look forward to spending a cosy Christmas, others are getting ready to party the night away.

Ahead of Christmas, Nagma Mirajkar and Farrhana Bhatt were seen getting all decked up for a holiday photoshoot, while Abhishek Bajaj, Ashnoor Kaur, and their group were spotted partying at a pre-Christmas celebration.

**Nagma Mirajkar and Farrhana Bhatt Get Christmas Ready**

On Instagram, Nagma shared a few glimpses of her Christmas photoshoot. In the pictures, she was seen in a white off-shoulder top paired with blue baggy jeans. Nagma sat on a red and white decorated couch with a huge Christmas tree beside her. The place was filled with decorative gifts, Christmas ornaments, and candles highlighting a cosy Christmas celebration.

On the other hand, Farrhana Bhatt opted for a chic Christmas look. The Bigg Boss 19 runner-up wore a royal blue dress, featuring a deep plunging neckline and zip detailing in the front. Sharing the picture, Farrhana wrote, “Less Noise, More Poise,” followed by a fire emoji.

**Bigg Boss 19 Contestants Spotted at Pre-Christmas Party**

Previously, Bigg Boss 19 contestants Abhishek Bajaj, Ashnoor Kaur, Nagma Mirajkar, Awez Darbar, and Natalia Janoszek were spotted attending a Christmas party. Several photos from the party started making rounds on social

media, where the group was seen enjoying their time.

Nagma Mirajkar looked classy in a maroon blazer, while Awez Darbar opted for a head-to-toe black look. Abhishek Bajaj kept it casual with a white t-shirt and leather jacket combo, whereas Ashnoor Kaur looked glamorous in a silver-coloured sheer gown, adorned with sequin work all over it. Natalia Janoszek brought the holiday spirit to life as she donned a

strappy red bodycon dress and sported a matching headband featuring Santa Claus.

**About Bigg Boss 19**

The 19th season of Bigg Boss, which premiered in August, became a massive hit among audiences. With intense drama, changing participant dynamics, and exciting challenges the season kept audiences entertained.

The grand finale aired on December 7, where Gaurav Khanna emerged as the winner and Farrhana Bhatt finished as the runner-up.

